Page 11

खेल

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

देश

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सिर्फ 20 मैचों में किया बड़ा कारनामा, विराट कोहली से...

लोकसभा की सभी 80 सीटें भी जीत गए तब भी ईवीएम को पसंद नहीं करूंगा : अखिलेश यादव

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • सोमवार • 19 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 335 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के सोलापुर में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, पांच की मौत

एजेंसी, मुंबई । महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बीती रात एक तेज रफ्तार कार के पेड़ से टकरा गई, जिसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई, उसका इलाज मोहोल ग्रामीण अस्पताल में हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मोहोल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पनवेल से 6 लोग कार से अक्कलकोट में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार पुणे-सोलापुर हाइवे पर मोहोल के पास देवडी पाटी इलाके में रात करीब एक बजे पहुंची तो कार चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस घटना में कार में ही पांच लोगों की मौत हो गई।

मणिपुर में नष्ट की 306 एकड़ में अवैध अफीम की खेती

एजेंसी, कांगपोकपी (मणिपुर)। कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर चलाए गए एक सप्ताह लंबे विशेष अभियान के दौरान 306 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया कि यह अभियान 12 जनवरी से 17 जनवरी तक सुरक्षा बलों, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। अभियान का उद्देश्य जिले में अवैध अफीम की खेती पर रोक लगाना और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को तोड़ना था। कार्रवाई के दौरान अफीम की खेती से जुड़े 43 अस्थायी झोपड़ों को भी ध्वस्त किया गया। इसके अलावा, मौके से मिले कई स्प्रे पंप, पाइप, नमक, कीटनाशक और खरपतवारनाशक को भी नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध अफीम की खेती के खिलाफ इस तरह के संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र को नशीले पदार्थों से मुक्त किया जा सके।

बांग्लादेश : दुकान में देवी-देवता की तस्वीर रखने पर आपत्ति, हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट पीटकर हत्या

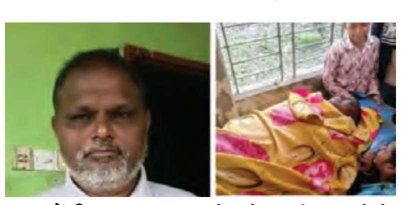

एजेंसी, ढाका । बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक उन्माद की एक और भयावह घटना सामने आई है, जहां एक हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोग काली मयरा के नाम से जानते थे। वह कालीगंज नगरपालिका से सटे बड़नगर रोड स्थित बैसाखी स्वीट एंड होटल के मालिक थे। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे दुकान में काम करने वाले 17 वर्षीय हिंदू किशोर कर्मचारी अनंत दास के साथ मारपीट शुरू हुई। आरोप है कि मासूम मिया (28) नामक युवक दुकान में आया और दुकान में लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों पर आपत्ति जताई।

लातेहार में आरक्षित बस दुर्घटनाग्रस्त

पांच लोगों की मौत और 25 से अधिक के घायल होने की खबर

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरसा घाटी में रविवार को एक आरक्षित बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, मृतकों की संख्या की प्रशासनिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर से कुछ लोग शादी-विवाह के रिश्ते के सिलसिले में एक बस रिजर्व कर महुआडांड़ प्रखंड के लोध गांव आ रहे थे। इसी दौरान ओरसा घाटी के पास बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बस पर सवार लगभग सभी यात्री घायल हो गए, जिनमें कई की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम विपिन कुमार दुबे के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को एंबुलेंस के साथ-साथ स्थानीय लोगों के निजी वाहनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इस संबंध में एसडीएम विपिन कुमार दुबे ने बताया कि दुर्घटना के बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है और चिकित्सकों द्वारा उनकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय जांच पूरी होने के बाद ही मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा की जाएगी। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की निगरानी कर रहा है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को देश लगातार नकार रहा है: पीएम मोदी

एजेंसी, कालियाबोर (असम)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश का मतदाता आज भी सुशासन चाहता है, विकास चाहता है और विकास के साथ विरासत पर समान रूप से ध्यान देने वाली सरकार को पसंद करता है इसलिए वह भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा कर रहा है। हालिया चुनाव परिणामों का एक स्पष्ट संदेश यह भी है कि देश कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को लगातार नकार रहा है। जिस मुंबई शहर में कांग्रेस का जन्म हुआ था, वहां आज वह चौथे या पांचवें स्थान की पार्टी बनकर रह गई है। जिस महाराष्ट्र में कांग्रेस ने वर्षों तक शासन किया, वहां वह पूरी तरह सिमट चुकी है। कांग्रेस देश का भरोसा खो चुकी है क्योंकि उसके पास विकास का कोई विकास का एजेंडा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दो दिवसीय असम दौरे के दौरान नागांव जिले के कालियाबोर में 6,950 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी और दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, असम सरकार में मंत्री अतुल बोरा, केशव महानता समेत तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काजीरंगा आकर उन्हें अपनी पिछली यात्रा की याद आ गई। दो वर्ष पहले काजीरंगा में बिताए गए पल उनके जीवन के बहुत विशेष अनुभवों में शामिल हैं।

उस दौरान उन्हें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में रात्रि विश्राम का अवसर मिला था और अगली सुबह हाथी सफारी के दौरान उन्होंने क्षेत्र की सुंदरता को बहुत करीब से महसूस किया था। असम आकर उन्हें हमेशा एक अलग ही खुशी मिलती है। प्रधानमंत्री ने बोडो समुदाय की बेटियों द्वारा प्रस्तुत बागुरुम्बा नृत्य की सराहना करते हुए कहा कि 10,000 से अधिक कलाकारों की इस प्रस्तुति ने नया कीर्तिमान बनाया है। बागुरुम्बा नृत्य की अनुभूति आंखों से उतर कर सीधे दिल में उतरती रही और असम के कलाकारों की मेहनत, तैयारी और तालमेल वास्तव में अद्भुत रहा।

मौनी अमावस्या पर बिहार के सभी पवित्र घाटों पर लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी, पटना

मौनी अमावस्या पर बिहार में राजधानी पटना के सभी गंगा घाटों एवं राज्यभर में कोसी, बाघमती और नारायणी के पावन तट पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था एवं श्रद्धा की डुबकी लगाई। बक्सर के रामरेखा एवं अन्य प्रमुख घाटों पर भी लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद पूजा-पाठ व दान-पुण्य किया। बक्सर के रामरेखा घाट पर बक्सर के अलावा शाहाबाद और गोपालगंज सिवान के भी श्रद्धालु आकर गंगा स्नान कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पूर्व मौन धारण कर गंगा स्नान करने, तिल, आंवला सहित अन्य वस्तुओं का दान करने और पितरों के लिए तर्पण करने का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और पुण्य मिलता है। स्नान और दान-पुण्य के बाद ही श्रद्धालु मौन व्रत तोड़ते हैं। पश्चिम चंपारण जिले के भारत व नेपाल की सीमा के वाल्मीकिनगर स्थित नारायणी (गंडक) नदी में स्नान का अपना महत्व है। ऐसा माना जाता है कि माघ अमावस्या पर डुबकी लगाने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। स्नान और मेला को लेकर वाल्मीकि नगर पुलिस के अलावा एसएसबी भी सुरक्षा में तैनात रहे।

एनईईटी छात्रा मौत मामले में दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा : विजय कुमार सिन्हा

एजेंसी, पटना

पटना में राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की तैयारी कर रही जहानाबाद की छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि इस प्रकरण में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मामले में जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जिन लोगों पर उंगली उठ रही है, चाहे वे संचालन से जुड़े हों या किसी अन्य भूमिका में हों, उन्हें भी नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने दोहराया कि बिहार में कानून का राज स्थापित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और कानून तोड़ने वालों को सबक सिखाना सरकार का दायित्व है। पटना पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने जल्दबाजी में हुई चूक में सुधार किया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से भी बातचीत हुई है, जिन्होंने आश्वस्त किया है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या गैर-जिम्मेदारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार पूरे घटनाक्रम की सतत निगरानी कर रही है। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी यादव को विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए और बिहार में रहकर जनता के मुद्दों पर काम करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर मुठभेड़ में एक महिला सहित चार नक्सली ढेर

एजेंसी, बीजापुर । छत्तीसगढ़ के महाराष्ट्र सीमा पर बीजापुर जिले में शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित चार नक्सलियों को ढेर कर दिया है। उनके पास से दो एके-47 रायफल बरामद हुई हैं। इन नक्सलियों में नेशनल पार्क एरिया कमेटी चीफ डीवीसीएम कैडर का नक्सली दिलीप वेंडजा शामिल है, अन्य तीन नक्सली की पहचान नहीं हुई है।

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से दोनों नक्सलियों के शव और 2 एके-47 रायफल बरामद कर लिए हैं। नेशनल पार्क जंगल के जिस इलाके में नक्सलियों से मुठभेड़ हो रही है, वह नक्सली पापाराव का इलाका है, पापाराव नेशनल पार्क क्षेत्र का इंचार्ज है।

माघ मेला में अविमुक्तेश्वरानंद के रथ को प्रशासन ने रोका, बगैर स्नान के लौटे शंकराचार्य धरने पर बैठे

एजेंसी, प्रयागराज

माघ मेले के तीसरे मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम नोज पर स्नान करने के पहले ही शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके भक्तों की पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से झड़प हो गई। इससे दुःखी होकर शंकराचार्य ने संगम नोज पर स्नान किए बगैर अपने शिविर लौटे गए और वहीं धरना शुरू कर दिया है। शंकराचार्य का कहना है कि पुलिस प्रशासन ससम्मान प्रोटोकॉल के साथ नहीं ले जाएगी, तब—तक गंगा स्नान नहीं करेंगे। बताया गया कि मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए संगम नोज पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रशासन ने आगे बढ़ने से रोक दिया और उनसे रथ से उतरकर पैदल चलने का आग्रह किया, लेकिन उनसे समर्थक और भक्त नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर शंकराचार्य को पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। इस पर शंकराचार्य नाराज हो गए और बगैर स्नान किए ही अपने शिविर में वापस चले गए। इसके बाद अपने शिविर में ही धरना पर बैठ गए हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज पांडेय का कहना है कि माघ मेले के दौरान महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर सभी प्रकार के वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद बगैर किसी अनुमति के रथ पर सवार होकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद स्नान करने जा रहे थे। उनसे निवेदन किया गया कि आप पैदल स्नान करने जा सकते हैं, लेकिन वे अपनी जिद पर अड़ गए तो उन्हें हटाया गया। इस प्रकरण में शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने बताया कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने शंकराचार्य शिविर में धरने पर बैठ गए हैं। इससे पहले योगिराज ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि शंकराचार्य को पुलिस यह कह कर ले गई कि शिविर ले चल रहें हैं, लेकिन तीन घंटे से ज्यादा समय तक वे शिविर नहीं पहुंचे थे।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, कोपेनहेगन (डेनमार्क)

अमेरिका की ग्रीनलैंड पर हर हाल में नियंत्रण करने की धमकी के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में लोग सड़कों पर उतर आए। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स फ्रेडरिक नीलसन भी शनिवार को नुउक से अमेरिकी दूतावास तक किए गए प्रदर्शन में शामिल हुए। कोपेनहेगन में अमेरिकी दूतावास के सामने भी हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों लोगों ने 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस कून्स और रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कोपेनहेगन का दौरा किया। उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं को आश्वासन दिया कि ट्रंप का बयान अमेरिकी जनता की राय नहीं हैं और कांग्रेस संप्रभुता के सिद्धांतों का सम्मान करती है। ग्रीनलैंड पर डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के जवाब में ट्रंप ने कड़े आर्थिक कदम उठाने की घोषणा की है। यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप की टैरिफ धमकी पर प्रतिक्रिया दी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पोस्ट पर कहा कि फ्रांस यूरोपीय देशों की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। इसी आधार पर फ्रांस ने डेनमार्क का समर्थन किया है। मैक्रों ने कहा कि टैरिफ की धमकी अस्वीकार्य है।अगर टैरिफ लगाया गया तो सामूहिक जवाब दिया जाएगा।

डेनमार्क के विदेशमंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी से वह हैरान हैं। ग्रीनलैंड में अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ाना आर्कटिक की रक्षा करना है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि दूसरे यूरोपीय नेता भी मिलकर जवाब देने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

मौसम | उत्तर भारत में बर्फबारी होने की संभावना

कड़ाके की ठंड के बीच बारिश का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिम भारत सहित देश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है, लेकिन आने वाले दिनों में मौसमी गतिविधियों में बड़े बदलाव की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देने वाले हैं। पहला विक्षोभ 19 जनवरी की रात से और दूसरा 21 जनवरी की रात से अपना प्रभाव दिखाना शुरू करेगा। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और दक्षिण पाकिस्तान के ऊपर निचले वायुमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) भी सक्रिय है, जो आने वाले दिनों में मौसम को और अधिक प्रभावित करेगा।

इन मौसमी प्रणालियों के सक्रिय होने से पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश का सिलसिला शुरू होने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में 22 जनवरी तक छिटपुट बारिश की संभावना है, जबकि 23 जनवरी को इन क्षेत्रों में तेज वर्षा और भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में भी हल्की बारिश और बर्फबारी के बाद 21 से 23 जनवरी के बीच मौसम के उग्र होने और भारी हिमपात की आशंका है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 22 और 23 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में 23 जनवरी को बारिश जैसी स्थिति बनी रहेगी। इस मौसमी बदलाव का सीधा असर तापमान पर भी पड़ेगा। अगले दो दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के न्यूनतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी, जिसके बाद अगले दो दिनों में पारा 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ सकता है। पूर्वी भारत में अगले 24 घंटों तक तापमान स्थिर रहेगा, लेकिन उसके बाद चार दिनों में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। कोहरे और शीतलहर का कहर भी फिलहाल जारी रहेगा। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 19 जनवरी तक और उत्तर प्रदेश में 20 जनवरी तक घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इसके अलावा जम्मू, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम-मेघालय जैसे राज्यों में 23 जनवरी तक सुबह और रात के समय घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ इलाकों में शीतलहर का प्रभाव भी देखने को मिलेगा। खासकर कश्मीर घाटी में ठंड का प्रकोप बढ़ने वाला है। मौसम विभाग ने घाटी के ऊपरी इलाकों में भारी हिमपात की चेतावनी दी है। रविवार को ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के बाद 19 और 20 जनवरी को मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 23 और 24 जनवरी के बीच दिखने के आसार हैं, जब चेनाब घाटी, पीर-पंजाल श्रेणी और दक्षिण कश्मीर के जिलों में भारी बर्फबारी हो सकती है। इस बदलाव से यातायात और सामान्य जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के पीरटांड़ में हाथी ने मचाया उत्पात, घरों और दुकानों में तोड़फोड़ से दहशत

पीरटांड़ (गिरिडीह), एजेंसी। टुंडी के रास्ते पीरटांड़ क्षेत्र में पहुंचे एक हाथी ने एक बार फिर भारी उत्पात मचाया है। हाथी ने पालगंज पंचायत के कोयवा टांड़, तिवारी टोला और नारायणपुर गांव में जमकर तोड़फोड़ की, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार हाथी ने कोयवा टांड़ गांव में श्यामलाल ठाकुर के घर को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। गौरतलब है कि इसी घर को करीब एक माह पूर्व भी हाथी ने तोड़ा था, लेकिन शनिवार की रात हाथी ने दोबारा उसी घर को निशाना बनाया। घर में रखे अनाज, बर्तन और अन्य घरेलू सामान को भी हाथी ने नष्ट कर दिया ।इसके अलावा नारायणपुर मोड़ पर होरील दास की दुकान को भी हाथी ने तोड़ दिया, जिससे दुकान में रखा सामान बर्बाद हो गया। वहीं तिवारी टोला में भी एक घर को क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना है, हालांकि वहां हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोग रात भर जागकर किसी तरह जान बचाने को मजबूर रहे। हाथी की आवाज सुनते ही लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है ।बताया जा रहा है कि क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। यदि जल्द ही हाथी के आतंक से निजात नहीं मिली, तो ग्रामीणों को भारी जान-माल की क्षति उठानी पड़ सकती है। वन विभाग की टीम को सूचना दे दी गई है और हाथी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

सोना को डबल कर दूंगा' कहकर महिला से लिए गहने, फिर मंत्र पढ़ने को बोल गायब हो गए साधू

जमशेदपुर, एजेंसी। उलीडीह थाना अंतर्गत संजय पथ के बगल में स्थित सर्वोदय पथ निवासी कंचन देवी के साथ तीन कथित साधुओं ने ठगी की घटना को अंजाम दिया है। साधुओं ने पत्थर का सोना बनाने का ढोंग रचकर महिला से तीन से चार लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने ठग लिए और मौके से फरार हो गए। महिला कंचन देवी ने बताया कि दोपहर के समय तीन साधु उनके घर पहुंचे और खुद को सिद्ध पुरुष बताते हुए चमत्कार दिखाने लगे। साधु ने एक पत्थर दिखाते हुए दावा किया कि वह उसे सोने में बदल सकते हैं। महिला साधुओं की बातों में आ गई। साधुओं ने कहा कि इस प्रक्रिया में घर में मौजूद सोना शुद्ध होकर कई गुणा बढ़ जाएगा। इसके बाद साधुओं ने महिला से घर में रखे गहने लाने को कहा। महिला ने घर से सोने का चेन, जिउतिया समेत अन्य गहने उन्हें सौंप दिए। साधुओं ने जेवरात को को एक कपड़े की पोटली में बांधा और मंत्र पढ़ते हुए महिला को कुछ देर तक पोटली न खोलने की हिदायत दी। इसके बाद साधु कुछ ही देर में वहां से निकल गए। साधुओं के जाने के बाद जब महिला ने पोटली खोली तो उसमें असली गहनों की जगह नकली वस्तुएं और पत्थर निकले। यह देख महिला के होश उड़ गए और घर में चीख-पुकार मच गई ।उस समय महिला घर में अकेली थी। सूचना मिलने पर पति चंदन कुमार घर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी उलीडीह थाना को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहा है, ताकि ठग साधुओं की पहचान हो सके। पुलिस ने आम जनता से अपील किया है कि वह किसी भी प्रकार के चमत्कार या झांसे में न आएं और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ठंड से राहत के संकेत, अगले 3 दिनों में 5 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रांची-कांके, एजेंसी। एक ओर जहां लोग ठंड की मार से परेशान हैं तो दूसरी ओर मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी Weather Forecast में राहत के संकेत दिए गए हैं। अगले तीन दिनों के दौरान तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना जताई गई है। यह स्थिति 22 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। झारखंड में कहीं-कहीं पर हल्के और मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला का 3.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं, कांके का 4.0 डिग्री सेल्सियस तो राजधानी रांची का अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 7.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में सुबह सुबह हल्के कोहरे का असर देखने को मिलेगा, जबकि बाद में आसमान मुख्यत : साफ रहेगा। बताया कि राज्य में अगले तीन दिनों तक 18, 19 और 20 जनवरी को तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। जिससे ठंड से राहत मिलने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में कांके क्षेत्र में ठंड ने एक बार फिर अपना असर दिखाया। दिन का अधिकतम तापमान मात्र 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 4.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंडी हवाओं ने सुबह-शाम लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया। 3.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने ठंड का अहसास और तीखा बना दिया, हालांकि इस दौरान कोई वर्षा नहीं हुई ।सुबह के समय घना कोहरा और ठंडी हवा के कारण सड़कों पर आवाजाही कम देखी गई। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव का सहारा लेते नजर आए, वहीं बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

अभियंताओं ने मिलकर की थी 23 करोड़ की बंदरबांट

कैशियर संतोष ने सचिव से की थी घोटाले में शामिल लोगों की शिकायत

रांची, एजेंसी। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 23 करोड़ रुपये से अधिक के गबन के आरोपित कैशियर सह उच्चवर्गीय लिपिक संतोष कुमार इन दिनों ईडी के दो अधिकारियों प्रतीक व शुभम के विरुद्ध रांची के एयरपोर्ट थाने में प्राथमिकी कराने के बाद चर्चा में है।

गबन के मामले में उसके विरुद्ध रांची के सदर थाने में 28 दिसंबर 2023 को प्राथमिकी दर्ज हुई थी और इसके बाद वह जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद गत वर्ष नवंबर महीने में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव से मिलकर संतोष कुमार ने गबन में शामिल अभियंताओं की शिकायत की थी।

इन अभियंताओं में तत्कालीन कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता राधेश्याम और तत्कालीन कार्यपालक अभियंता प्रभात कुमार सिंह के नाम शामिल थे। उसने इन तीनों के विरुद्ध सचिव से लिखित शिकायत भी की थी।

वह बिना समन के ही 12 जनवरी को ईडी कार्यालय भी यही बताने गया था कि वह जितना दोषी है, उससे कहीं ज्यादा दोषी ये तीनों हैं, जिन्होंने उससे गलत ट्रांजेक्शन करवाए।

सूचना है कि इसके बाद ईडी अधिकारी के माध्यम से जांच जारी रहने की बात बताने पर उग्र हो गया और तनाव में उसने शीशे के जग को अपने सिर में मार लिया था।

गबन के आरोपित कैशियर संतोष कुमार ने विभागीय सचिव को लिखित जानकारी देकर बताया था कि तत्कालीन कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर और तत्कालीन कार्यपालक अभियंता राधेश्याम रवि ने अप्रैल 2023 से अगस्त 2023 तक और मई 2023 से सितंबर 2023 तक मूल रोकड़बही को नष्ट कर जाली रोकड़बही तैयार करने का आदेश दिया था।

तत्कालीन दोनों ही अभियंताओं के निर्देश पर ही संतोष कुमार ने उस अवधि के रोकड़बही का प्रभार 21 दिसंबर 2023 को कुमार साकेत को सौंपा था।

इन अभियंताओं ने सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाई, सरकारी दस्तावेज में छेड़छाड़ की और व्यक्तिगत लाभ के लिए नियम विरुद्ध कार्य किया। कैशियर संतोष कुमार ने विभागीय सचिव को बताया है कि तत्कालीन कार्यपालक अभियंता प्रभात कुमार सिंह ने व्यक्तिगत लाभ के लिए सभी नियमों को ताक पर रखकर एजेंसी मेसर्स प्रवीण कुमार जैन के साथ दो जनवरी 2019 को अवैध एकरारनामा कराया था।

जबकि, एकरारनामा के लिए बैंक आफ बड़ौदा के दिल्ली स्थित रानीबाग शाखा से चार जनवरी 2019 को 5.25 लाख रुपये के जमानत राशि संबंधित ड्राफ्ट बनवाया था। उसने बर्खास्त कराने की धमकी देकर अवैध एकरारनामा पर संतोष कुमार का हस्ताक्षर करवा दिया था।

अब तक की जांच में ईडी ने पाया है कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा रांची के कोषागार कार्यालय के पदाधिकारियों की मिलीभगत से कैशियर संतोष कुमार व उसकी कंपनी मेसर्स राकड्रिल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के खाते में कुल 22 करोड़ 93 लाख 42 हजार 947 रुपये स्थानांतरित हुए थे।

जांच में यह भी साबित हुआ था कि संतोष कुमार ने तत्कालीन कार्यपालक अभियंता प्रभात कुमार सिंह के निर्देश पर दिसंबर 2022 में मेसर्स राकड्रिल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी बनाई थी।

संतोष कुमार व उसकी कंपनी के खाते में स्थानांतरित कुल 22.93 करोड़ रुपये में से 12 करोड़ रुपये की नकदी निकासी व 12 करोड़ दो लाख रुपये 11 लोगों के खाते में स्थानांतरित हुए थे।

जिनके खाते में रुपये स्थानांतरित हुए थे उनमें तत्कालीन कार्यपालक अभियंता प्रभात कुमार सिंह को 1.75 करोड़ रुपये, दूसरे कार्यपालक अभियंता राधेश्याम के खाते में एक करोड़ रुपये, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर के खाते में तीन करोड़ रुपये शामिल थे।

इसके अलावा तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरंजन कुमार के खाते में 80 लाख रुपये, डिविजनल अकाउंटेंट परमानंद कुमार के खाते में एक करोड़ रुपये, डिविजनल अकाउंटेंट स्व. सुरेंद्र पाल मिंज के खाते में 30 लाख रुपये, कोषागार पदाधिकारी मनोज कुमार के खाते में 15 लाख रुपये, कोषागार पदाधिकारी सुनील कुमार सिन्हा के खाते में 85 लाख रुपये, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मी संजय कुमार सिंह के खाते में 10 लाख रुपये, कर्मी रंजन कुमार सिंह के खाते में सात लाख रुपये स्थानांतरित किए गए थे।

पाकुड़-साहिबगंज में पत्थर लोडिंग ठप :रेलवे सुविधाएं न मिलने पर व्यवसायी हड़ताल पर, करोड़ों का नुकसान

पाकुड़, एजेंसी। पत्थर क्वारी ओनर एसोसिएशन से जुड़े पाकुड़ और साहिबगंज जिलों के पत्थर व्यवसायियों ने शुक्रवार को रेलवे में पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बंद कर दिया। यह कदम रेलवे द्वारा क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुविधाएं न दिए जाने के विरोध में उठाया गया है।

पंकज मिश्रा ने हाल ही में पाकुड़ और साहिबगंज के पत्थर व्यवसायियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया था कि यदि रेलवे द्वारा सुविधाएं प्रदान नहीं की जाती है, तो 16 जनवरी से पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बाधित कर दी जाएगी। इसी घोषणा के तहत शुक्रवार को व्यवसायियों ने लोडिंग रोक दी।

व्यवसायियों की प्रमुख मांगों में कोविड-19 महामारी के दौरान बंद की गई कई ट्रेनों का परिचालन फिर से शुरू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मार्ग से गुजरने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों का पाकुड़ और साहिबगंज रेलवे स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सुविधा तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की भी मांग की जा रही है।

पत्थर व्यवसायियों द्वारा रेलवे लोडिंग बंद करने से रेलवे को प्रतिदिन लगभग दो करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। वहीं, राज्य सरकार को भी प्रतिदिन 40 लाख रुपए के राजस्व का नुकसान होगा। इसके अलावा 2000 मजदूरों पर भी इसका असर पड़ने का अंदेशा जताया जा रहा है।पाकुड़ जिले के अपर साइडिंग, लोअर साइडिंग, बाहरग्राम और तिलभिट्टा रेलवे साइडिंग में कई रेलवे रैक खाली खड़े देखे गए।

पत्थर व्यवसायी गोपी बत्रा ने बताया कि वे रेलवे को करोड़ों रुपए का राजस्व देते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उन्हें कुछ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेनें नहीं हैं और कई लोकल व एक्सप्रेस ट्रेनें भी बंद कर दी गई हैं। गोपी बत्रा ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वे रेलवे रैक में पत्थर की लोडिंग नहीं करेंगे। बताया गया कि पाकुड़ से होकर प्रतिदिन पत्थर से लदा 6 रेलवे रेक जाती है।

धनबाद के एलसी रोड पर बाइक रेस बनी आफत:आपस में टकराई तीन बाइक

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड (एलसी रोड) पर देर रात बाइक रेस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार में रेस लगा रहे तीन युवकों की बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसा इतना जबरदस्त था कि कुल आठ युवक घायल हो गए। टक्कर की तेज आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े।

सड़क पर गिरे युवक दर्द से कराहते नजर आए। कुछ देर के लिए एलसी रोड पर अफरातफरी का माहौल बन गया और यातायात भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और एंबुलेंस व पुलिस को सूचना दी।

एसएनएमएमसीएच में मचा हड़कंप, 4 गंभीर

हादसे में घायल युवकों की पहचान हीरापुर झरनापाड़ा निवासी छोटू यादव (18), पप्पू यादव (22), सोनू यादव (20), पुलिस लाइन निवासी लव कुमार रवानी (33), राजा तिवारी (16), सौरव यादव (19), धैया निवासी शिव शंकर साव (26) और बेकारबांध रामनगर निवासी नीरज कुमार (29) के रूप में हुई है।

सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) पहुंचाया गया। एक साथ आठ घायलों के इमरजेंसी वार्ड पहुंचने से अस्पताल में हड़कंप मच गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद सोनू यादव, पप्पू यादव, छोटू यादव और सौरव यादव की हालत गंभीर बताते हुए उन्हें रिम्स, रांची रेफर कर दिया। हालांकि परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर चले गए।जानकारी के अनुसार सभी युवक आपस में दोस्त हैं। शुक्रवार रात वे सिटी सेंटर चौपाटी से नाश्ता कर रणधीर वर्मा चौक की ओर लौट रहे थे। इस दौरान चार से पांच अलग-अलग बाइकों पर सवार होकर एलसी रोड पर रेस लगाने लगे। बीएसएस कॉलेज के पास दो बाइकें बेकाबू होकर आपस में टकरा गईं।

पीछे से आ रही तीसरी बाइक भी उनकी चपेट में आ गई और वह भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सीएम हेमंत सोरेन 23 को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में देंगे व्याख्यान

रांची, एजेंसी। सीएम हेमंत सोरेन 23 जनवरी को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में व्याख्यान देंगे। इस दौरान वे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में टिकाऊ विकास के अनुभवों और चुनौतियों पर बात रखेंगे। मुख्यमंत्री संसाधन-समृद्ध राज्यों में टिकाऊ और हरित औद्योगीकरण, खनिज-आधारित उद्योग व समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के मॉडल पर विचार साझा करेंगे। चर्चा का आधार प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास रहेगा, जिसे झारखंड के विकास मॉडल की वैश्विक प्रस्तुति के रूप में देखा जा रहा है। इस संवाद में अल्पा शाह (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सामाजिक मानवशास्त्र की प्रोफेसर व ऑल सोल्स कॉलेज की फेलो) और माया ट्यूडर (ब्लावटनिक स्कूल में राजनीति एवं लोक नीति की प्रोफेसर) भी शामिल होंगी।शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में भारत के राजदूत मृदुल कुमार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

बोकारो में ज्वेलरी सुरक्षा पर पुलिस-व्यवसायियों की बैठक

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में हाल ही में तनिष्क ज्वेलरी शॉप में डकैती के असफल प्रयास के बाद झारखंड पुलिस महकमे में सतर्कता बढ़ गई है। इसी क्रम में, बोकारो के एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर जिले के ज्वेलरी शॉप मालिकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में ज्वेलरी व्यवसायियों ने सुरक्षा संबंधी कई सुझाव दिए। उन्होंने मांग की कि पुलिस प्रशासन एक आधिकारिक नोटिस बोर्ड उपलब्ध कराए। इस बोर्ड पर स्पष्ट लिखा हो कि कोई भी व्यक्ति दुकान में टोपी, हेलमेट, काला चश्मा या नकाब पहनकर प्रवेश नहीं करेगा। यह बोर्ड जिले की सभी ज्वेलरी दुकानों के प्रवेश द्वार पर लगाया जाएगा।

एसपी हरविंदर सिंह ने दुकानदारों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ज्वेलरी शॉप में सीसीटीवी कैमरे सही ढंग से काम करें, साथ ही हूटर और एक खुफिया अलार्म स्विच अनिवार्य रूप से लगाया जाए। उन्होंने पुलिस और व्यवसायियों के बीच समन्वय से सुरक्षा बेहतर बनाने का आश्वासन दिया। ज्वेलरी शॉप मालिकों ने सुबह दुकान खुलने के समय बाजार में नियमित गश्त की भी मांग की।

ज्वेलरी शॉप संघ के अध्यक्ष संजय सोनी ने एसपी के निर्देशों को सुरक्षा के प्रति सकारात्मक कदम बताया। गौरव रस्तोगी ने जानकारी दी कि सभी निर्देशों का पालन होने के बाद पुलिस द्वारा एक मॉक ड्रिल कराई जाएगी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। शिखर रस्तोगी ने कहा कि पुलिस प्रशासन के आदेशों से ग्राहकों को भी नियमों को समझने में आसानी होगी।

रामगढ़ में बोरा गोदाम में भीषण आग, बाजार टांड़ जगदीश नगर में मची अफरा-तफरी, पूरा गोदाम जलकर राख

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के बाजार टांड़ जगदीश नगर में शनिवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक बोरा गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में गोदाम जलकर राख हो गया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं सूचना पर दमकल विभाग और रामगढ़ पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

बगल की मिक्सर फैक्ट्री बची, घर को हुआ नुकसान

यह आग संतोष अग्रवाल की बोरा फैक्ट्री में लगी थी। चंद मिनटों में आग पूरे गोदाम में फैल गई, जिससे वहां रखा सारा सामान जल गया। राहत की बात यह रही कि गोदाम के

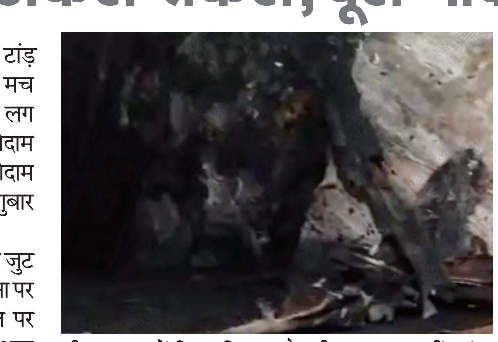

ठीक बगल में स्थित मिक्सर फैक्ट्री तक आग नहीं पहुंच सकी, जिससे एक बड़ा औद्योगिक नुकसान टल गया।

हालांकि गोदाम से सटे एक आवासीय घर को आग की चपेट झेलनी पड़ी। घर के बाहर लगे एसी, वॉशिंग मशीन और गीजर पूरी तरह जल गए। आग के कारण घर के अंदर तक धुआं भर गया, जिससे आसपास के लोगों को अपने-अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आग और भी बड़े इलाके में फैल सकती थी।

दमकल को आग बुझाने में आई परेशानी : आग बुझाने में दमकल कर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। फैक्ट्री के गेट और दीवारें काफी मजबूत होने के कारण उन्हें तोड़कर भीतर पहुंचने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए जेसीबी मशीन मंगाने की मांग भी की। काफी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह भी सामने आया है कि बोरा फैक्ट्री में आग से बचाव के लिए कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। फैक्ट्री मालिक संतोष अग्रवाल ने बताया कि उन्हें फोन पर आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचते ही उन्होंने आग की भयावह स्थिति देखी और तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया।

धनबाद में भाई बनकर महिला से लाखों रुपये की ठगी, फोन पर मिली थी धमकी

धनबाद, एजेंसी। जिले में एक ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है. पहले तो एक भाई की दुहाई दी, फिर भाई ने ही बहन से लाखों रुपए की ठगी कर ली. यह मामला पुटकी थाना क्षेत्र के भागाबांध ओपी क्षेत्र के भागाबांध बस्ती की है. घटना के बाद पीड़िता ने मामले के तहत ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई है.

दरअसल, तिलकी देवी की नाबालिग बेटी को इंस्टाग्राम (8092614160) पर एक लड़के ने कहा कि मेरी कोई बहन नहीं है. तुम ही मेरी बहन हो. मैं तुम्हारे लिए गिफ्ट भेज रहा हूं. गिफ्ट भेजने के लिए एयरपोर्ट जा रहा हूं. डिलिवरी के लिए आए तो तुम रिसीव कर लेना. जिस पर नाबालिग ने कहा कि ठीक है भाई. इसके थोड़ी देर बाद फिर उसी नंबर से बताया गया कि उसकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया और पैसे भेजने के लिए कहा गया. जिसके बाद नाबालिग ने अपनी मां को फोन दे दिया. उसके बाद उसी नंबर से दोबारा फोन

आया और कहा गया कि आपकी वजह से ही मेरा एक्सीडेंट हुआ है. अगर पैसे नहीं दी तो पुलिस आपके घर पहुंचेगी और तुम्हें घसीटते हुए लेकर आएगीं.

तिलकी देवी ने कहा कि इसके बाद मोबाइल पर एक वीडियो भी भेजा गया, जिसमें एक महिला को पुलिस ले जा रही थी. यह सब देखकर वह डर गई. उसके बाद साउदी अरब में रहने वाले भाई को फोन किया. उसने मेरे बैंक अकाउंट में पैसे भिजवाए. फोन करने वाले लड़के ने स्कैनर भेजा, जिसके जरिए उसे 2 लाख 7 हजार 201 रुपए ट्रांसफर किया गया. इसके बाद भी वह 3 लाख रुपए की और मांग करने लगा. फिर महिला ने घटना की जानकारी अपने पड़ोसियों और आसपास के लोगों को दी, जिस पर लोगों ने साइबर फ्रॉड होने की बात बताई.

इसके बाद पीड़िता सरायढेला साइबर थाना पहुंचकर मामले की जानकारी दी. साइबर थाना द्वारा पहले नेशनल पोर्टल पर मामला ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए कहा गया. जहां पहले ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई फिर साइबर थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज हुई. साइबर थाना की पुलिस ने आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है. इस मामले को लेकर साइबर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद ने कहा कि मामले की लिखित आवेदन मिली है. पीड़ित के द्वारा नेशनल पोर्टल में ऑनलाइन शिकायत की गई है. 24 घंटे के बाद नेशनल पोर्टल पर दर्ज ऑनलाइन शिकायत साइबर थाना को मिलती है. शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

कडाके की ठंड के बावजूद सड़क पर हुई जमकर मस्ती, खेलकूद के साथ डांस का तड़का

जमशेदपुर, एजेंसी। सुबह की सर्द हवाओं और कड़ाके की ठंड के बावजूद जमशेदपुर के बिष्टुपुर की सड़क पर जमकर मस्ती हुई। टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड द्वारा रविवार की सुबह सीजन का पहला जैमझस्ट्रीट का आयोजन किया गया था।

इस आयोजन का उद्देश्य है युवाओं सहित शहरवासियों को घर से बाहर लाना और शहर की मुख्य सड़क पर खेलकूद का माहौल देना ताकि लोग न सिर्फ स्वस्थ रह सके बल्कि अपने जीवन में किसी एक खेल को अपना कर बेहतर जीवन जी सके।

इसलिए रविवार सुबह कड़ाके की ठंड के बावजूद बिष्टुपुर थाना से डायगनल रोड ट्रैफिक सिग्नल का दोनों छोर पूरी तरह से बंद रहा।

यहां न सिर्फ लाइव म्युजिक का शहरवासियों ने मजा लिया बल्कि कई तरह के फन गेम्स का भी आयोजन हुआ। साथ ही प्राणिक हीलिंग की टीम द्वारा आंतरिक ऊर्जा को जगाने का काम किया तो इस्कान टेम्पल के शिष्यों ने हरे-रामा, हरे-कृष्णा की धुन पर भक्ति से सराबोर किया।

इसके अलावा यहां कई तरह के स्टार्टअप भी देखने को मिले। कुछ स्थानों पर निश्शुल्क ब्लड प्रेशर का आयोजन किया जा रहा था तो कहीं पर पहलवान फूड के नाम पर अंकुरित चना और कई तरह के सलाद परोसे जा रहे थे, लेकिन अधिकतर युवाओं ने सुबह-सुबह ही बर्गर,

पिज्जा से लेकर हैंडमेड चाकलेट और हार्ट चाकलेट ब्राउनी का मजा लिया।

इसके अलावा टाटा स्टील स्पोटर्स विभाग द्वारा शहरवासियों के लिए कई तरह के खेलों की भी व्यवस्था की थी। यहां शहरवासियों ने वाल क्लाईबिंग से लेकर शतरंज, बॉस्केटबाल से लेकर हैंडबाल और बैडमिंटन से लेकर फुटबाल का मजा लिया।

यहां जमशेदपुर फुटबाल क्लब का भी अपना काउंटर था, जहां फुटबाल से रखे गए कोन को गिराने पर जेएफसी की टी-शर्ट से लेकर की-चेन, स्टीकर सहित कई आकर्षक इनाम भी मिले।

इस पूरे कार्यक्रम के दौरान टाटा स्टील यूआइएसएल व जिला प्रशासन की टीम भी मौके पर उपस्थित रही, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। सुबह छह से नौ बजे तक चले इस आयोजन के दौरान एक लाख से अधिक युवा व शहरवासी शामिल होने की संभावना है।

जैमझस्ट्रीट के दौरान शहर के कई युवा बैंड देखने को मिला। जो अपने लाइव परफार्मेंस से शहरवासियों को झूमने पर मजबूर किया। हाथों में मोबाइल से वीडियो बनाते हुए युवाओं ने ठंड में खूब पसीना बहाया। वहीं, एक रैपर भी दिखा जो नान स्टाप गाने से शहरवासियों का मनोरंजन किया।

साहिबगंजः बाल सुरक्षा और न्याय के लिए जिला स्तरीय परामर्श आयोजित, 'पॉक्सो एक्ट' के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

संवाददाता

साहिबगंज। बच्चों के विरुद्ध होने वाले यौन अपराधों की रोकथाम, उनके अधिकारों के संरक्षण और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से शनिवार को साहिबगंज में एक दिवसीय जिला स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श (Multi-Stakeholders Consultation) का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (JHALSA), रांची के तत्वावधान में और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष (DLSA) अखिल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। व्यवहार न्यायालय स्थित लोक अदालत कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसमें प्रधान न्यायाधीश (कुटुंब न्यायालय) संजय कुमार उपाध्याय, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लामाये, एसीजेएम अभिषेक प्रसाद, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा और जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी प्रमुख रूप से शामिल थे। परामर्श के दौरान वक्ताओं ने बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पॉक्सो (POCSO) अधिनियम, 2012 का मूल उद्देश्य केवल सजा दिलाना ही नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चों को एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करना भी है।

संवेदनशीलताः वक्ताओं ने जोर दिया कि पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया को 'बाल-अनुकूल' (Child-Friendly) बनाया जाए ताकि पीड़ित बच्चे को बयान दर्ज कराने या जांच के दौरान किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव न हो।

विभागीय समन्वयः न्यायपालिका, पुलिस, चिकित्सा विभाग और जिला बाल संरक्षण इकाई के बीच बेहतर आपसी तालमेल पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में 'बाल-मित्र पुलिसिंग' की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा गया कि साक्ष्य संकलन और मेडिकल जांच समयबद्ध तरीके से होनी चाहिए। जांच में किसी भी प्रकार की देरी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। इसके साथ ही, पीड़ित बच्चों के सामाजिक और मानसिक पुनर्वास (Rehabilitation) को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया गया। इस परामर्श कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कानून के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को समझना और उनका समाधान निकालना था। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि बच्चों से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य है और हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई के सदस्य, अधिवक्ता, चिकित्सा विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन साहिबगंज जिले में बच्चों के अधिकारों की रक्षा और एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

साहिबगंजः नेताजी की जयंती पर महिलाओं ने दिखाई रफ्तार, 'तेज-चाल' प्रतियोगिता में बबीता अग्रवाल रहीं प्रथम

संवाददाता

साहिबगंज। देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर साहिबगंज में नारी शक्ति का अद्भुत उत्साह देखने को मिला। न्यू झारखंड युवा क्लब की ओर से रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट परिसर में महिलाओं के लिए 'तेज-चाल प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल नेताजी को श्रद्धांजलि दी गई, बल्कि महिलाओं को स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागरूक भी किया गया। प्रतियोगिता का नेतृत्व क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ एलसीसी कंप्यूटर सेंटर के प्राचार्य उत्तम कुमार एवं बी.के. रंजीत केशरी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र साहिबगंज की प्रभारी बिंदु दीदी एवं नीतू दीदी उपस्थित रहीं, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

तेज-चाल प्रतियोगिता के लिए एक रूट निर्धारित किया गया था, जो रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट (भगवा कुआँ) से शुरू होकर एलसीसी कंप्यूटर सेंटर, गुड़ बाजार, धर्मशाला चौक होते हुए गांधी चौक तक गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने कड़ाके की धूप और चुनौतीपूर्ण रास्ते की परवाह किए बिना पूरे जोश के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विजेता प्रतिभागियों को चुना गया। परिणाम इस प्रकार रहेः

प्रथमः बबीता अग्रवाल
द्वितीयः ज्योति मिश्रा
तृतीयः खुशबू मिश्रा
चतुर्थः किरण दिवान
पंचमः मिनी मांझी
छठा से दसवां स्थानः संगीता गुप्ता (6), रानी गुप्ता (7), नेहा तुलस्यान (8), बीड़ा नील (9) और बीड़ा बिंदु (10)।

इसके अलावा रीमा कुमारी सिंह (11वें), अदिति कुमारी (12वें) और स्मिता अग्रवाल (13वें) स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में महिलाओं का शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अनुशासन को जीवन की सफलता की कुंजी बताया। सफल आयोजन पर न्यू झारखंड युवा क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव और एलसीसी कंप्यूटर सेंटर के प्राचार्य उत्तम कुमार ने सभी विजेता और सहभागी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करता रहेगा ताकि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके।

साहिबगंजः पहाड़िया गांवों के विकास के लिए दुर्गम पहाड़ियों पर पहुंचे डीडीसी, योजनाओं की समीक्षा कर जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता

साहिबगंज। आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में जिला प्रशासन अब सीधे उनके दरवाजे तक पहुंच रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को उप विकास आयुक्त (DDC) सतीश चंद्रा ने बोरियो और तालझारी प्रखंड के अत्यंत दुर्गम पहाड़िया बहुल क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने न केवल विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत जांची, बल्कि ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को भी सुना। डीडीसी सतीश चंद्रा और जिला पंचायती राज पदाधिकारी (DPPRO) अनिल कुमार की टीम ने बोरियो प्रखंड के केलाबाड़ी पहाड़, परतेमार्को पहाड़, मीरा पहाड़, नवगछी पहाड़, लौंहडा मार्को पहाड़, दुर्गा टोला आदरो मार्को, आदरो बेरो पहाड़ और बड़ा तौफीर पंचायत का दौरा किया। इसके अलावा तालझारी प्रखंड के सरसा पहाड़ एवं करणपुरा पंचायत के पहाड़िया टोला में भी प्रशासनिक टीम पहुंची। भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त ने पहाड़िया समुदाय की महिलाओं और पुरुषों के साथ बैठक की। उन्होंने गांवों में निम्नलिखित बिंदुओं की गहन समीक्षा कीः

आवास योजनाः प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना (विशेष रूप से आदिम जनजाति के लिए) और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति।

मूलभूत सुविधाएँः पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की स्थिति, सड़क संपर्क और स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता।

रोजगार एवं शिक्षाः मनरेगा के तहत हो रहे कार्य और आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन।

लौंहडा मार्को पहाड़िया गांव में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं के निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने गुणवत्ता में कमी और काम में देरी पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिया कि सभी योजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के साथ-साथ जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सभी 8 गांवों के जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया। ठंड के मौसम में कंबल पाकर पहाड़िया आदिम जनजाति के परिवारों के चेहरे खिल उठे। डीडीसी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कागजों पर काम करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। दौरे के दौरान सामाजिक सुरक्षा विभाग के लिपिक अंजनी हांसदा, अभिषेक कुमार, अनुसेवक मनोज कुमार सहित संबंधित गांवों के प्रधान, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पहाड़िया जनजाति के ग्रामीण उपस्थित थे। यह दौरा आदिम जनजाति के क्षेत्रों में विकास की नई उम्मीद लेकर आया है, जहाँ प्रशासन खुद चलकर पहाड़ों पर बसे इन समुदायों के उत्थान के लिए सक्रिय हुआ है।

साहिबगंजः मोती झरना में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक, 29 जनवरी से शुरू होगा व्यापक सदस्यता अभियान

संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और संगठन की मजबूती के उद्देश्य से रविवार को तालझारी प्रखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मोती झरना में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की ओर से 'वनभोज सह मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में साहिबगंज और पाकुड़ जिले के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे। बैठक में मुख्य रूप से संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव, केंद्रीय अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता, गणेश ठाकुर और फूल कुमारी देवी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में साहिबगंज एवं पाकुड़ जिलों से आए कर्मठ सदस्यों और पदाधिकारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने के लिए बैठक में एक बड़ा निर्णय लिया गया। जिला अध्यक्ष ने घोषणा की कि आगामी 29 जनवरी से 30 मार्च तक पूरे जिले में व्यापक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्तियाँ भी की गईं:

जिला प्रभारीः ब्रह्मदेव प्रसाद यादव

सह प्रभारीः सद्दाम हुसैन एवं उदरन हांसदा

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "मजदूर देश के निर्माण की इकाई हैं, लेकिन अक्सर उनका शोषण होता है। संघ का मुख्य लक्ष्य मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दिलाना और उनके अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक करना है।" केंद्रीय अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने भी मजदूरों के हितों के लिए लगातार संघर्ष करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर संगठन के विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर गहन चर्चा हुई। मौके पर मनोज खुडानिया, मोहम्मद इमाम विश्वास, मिथुन कुमार यादव, विश्वजीत मंडल, मिथुन घोष, मुक्तेश्वर रहमान, सैयद अख्तर, कृष्णा कुमार यादव, नदीम अख्तर, जियाउल हक, धर्मेंद्र किस्कू, विक्रम हादसा, जया देवी, तिलकई मुर्मू, जीवन घोष, सोना दास, विवेक कुमार सहित संघ के कई अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। मोती झरना के प्राकृतिक परिवेश में आयोजित इस बैठक ने संगठन के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का काम किया है।

साहिबगंजः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रतिभा चयन एवं प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन, चार क्षेत्रों के विद्यार्थी हुए शामिल

संवाददाता

साहिबगंज। विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से रविवार को एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज में विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में 'विद्या भारती प्रतिभा चयन एवं विद्या भारती प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 2026' संपन्न हुई। कार्यक्रम में प्रांत से आए पर्यवेक्षक एवं जमशेदपुर विभाग के सह प्रमुख ब्रेन कुमार टुडू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनका स्वागत किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्रेन कुमार टुडू ने कहा कि भैया-बहन अपने कृतित्व (कार्यों) से ही अपने व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। उन्होंने बताया कि विद्या विकास समिति द्वारा इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन इसलिए किया जाता है ताकि विद्या भारती के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। वहीं, प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने प्रतियोगिता के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हर बच्चे में कोई न कोई विशेष गुण होता है। हमारी प्राथमिकता उनके भीतर छिपी उस प्रतिभा को पहचानना और उसे सही दिशा देना है।"

इस प्रतियोगिता में साहिबगंज जिले के साथ-साथ पाकुड़, बरहरवा और बोरियो के विद्या भारती विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में बांटा गया थाः

प्रतिभा चयन प्रतियोगिताः इसमें कुल 42 प्रतिभागी शामिल हुए।

प्रतिभा खोज प्रतियोगिताः इसमें कुल 52 प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया।

परीक्षा के सफल और पारदर्शी संचालन में केंद्राधीक्षक सुनील पंडित और परीक्षा प्रमुख राघव वत्स की देखरेख में शिक्षकों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वीक्षक के रूप में अजय कुमार साह, अजित कुमार मालवीय, किरण कुमारी गुप्ता, लिपिका राज सिंह, निर्मला कुमारी, टीनू पाण्डेय, संदीप कुमार झा, पंचानन झा, भास्कर, राजीव, गौतम, तारक और इति कर्मकार सक्रिय रहे। इस प्रतियोगिता के आयोजन से छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया। इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के लिए भी तैयार करते हैं।

साहिबगंजः नमामि गंगे योजना के तहत गंगा डॉल्फिन संरक्षण के लिए बनेगा 'मछुआ प्रहरी समूह', माघी पूर्णिमा पर होगी भव्य गंगा आरती

संवाददाता

साहिबगंज। गंगा नदी की अविरलता, निर्मलता और इसके पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। नमामि गंगे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर साहिबगंज में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी संयुक्त अध्यक्षता वन प्रमंडल पदाधिकारी (DFO) प्रबल गर्ग एवं उप विकास आयुक्त (DDC) सतीश चंद्र ने की। बैठक में गंगा नदी के संरक्षण के साथ-साथ साहिबगंज शहर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय गंगा की जैव विविधता, विशेषकर राष्ट्रीय जलीय जीव 'गंगा डॉल्फिन' के संरक्षण को लेकर रहा। जलीय जीवों की सुरक्षा और नदी में होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मछुआ समाज के सहयोग से "मछुआ प्रहरी समूह" के गठन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह समूह न केवल डॉल्फिन के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएगा, बल्कि मछुआरों को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ेगा। साहिबगंज की पहचान एक 'गंगा नगरी' के रूप में और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आगामी माघी पूर्णिमा मेला के अवसर पर भव्य गंगा आरती के आयोजन का प्रस्ताव रखा गया। अधिकारियों ने बताया कि इससे धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। आगामी आर्द्रभूमि दिवस (Wetlands Day) के सफल आयोजन पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने रेखांकित किया कि गंगा की पारिस्थितिकी के संतुलन के लिए आर्द्रभूमि का संरक्षण अनिवार्य है। इसके प्रति आमजनों को जागरूक करने के लिए जिले में विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। शहर और नदी के बीच के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 'Urban River Management Front' के तहत एक मल्टी-स्टेकहोल्डर वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति बनी। इसमें विभिन्न विभागों, नगर निकायों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा, जो साहिबगंज शहर के समग्र सौंदर्यीकरण और जल निकासी प्रबंधन के लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि गंगा का संरक्षण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्र ने भी योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया।बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और नमामि गंगे योजना से जुड़े हितधारक उपस्थित थे।

राजमहलः प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, 'स्पर्श' और 'एमडीए' कार्यक्रम की सफलता के लिए बनी रणनीति

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। राजमहल प्रखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, प्रभावी और जन-सुलभ बनाने के उद्देश्य से प्रखंड टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की संयुक्त अध्यक्षता राजमहल के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मो. युसूफ एवं राजमहल अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने की।

बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु आगामी दिनों में शुरू होने वाले दो बड़े राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम रहेः

1. मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA): यह कार्यक्रम 30 जनवरी से प्रारंभ होगा।

2. स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियानः इसका संचालन 10 फरवरी से 25 फरवरी तक किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए अधिकारियों ने क्षेत्रवार रणनीति तैयार की। बीडीओ मो. युसूफ ने निर्देश दिया कि जनजागरूकता और आपसी समन्वय के माध्यम से इन अभियानों में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान प्रखंड में चल रहे अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भी गहन समीक्षा की गई, जिनमें मुख्य रूप सेः

यक्ष्मा (टीबी) एवं कुष्ठ रोग उन्मूलन की वर्तमान स्थिति।

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति।

अधिकारियों ने इन सेवाओं में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सुधार लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। आगामी माघी पूर्णिमा मेले को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। मेले में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन पर चर्चा हुई। मेले के दौरान पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस सेवा और चिकित्सकीय टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के कई वरिष्ठ कर्मी उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप सेः

प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (BPM) विकास खालको, लेखा प्रबंधक अमित कुमार, डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, यक्ष्मा पर्यवेक्षक संजय यादव, मलेरिया पर्यवेक्षक मनीष टुडू, डब्ल्यूएचओ (WHO) प्रतिनिधि सुनील कुमार और बाल विकास परियोजना की पर्यवेक्षिका जुली कुमारी शामिल रहीं। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों और कर्मियों ने सामूहिक संकल्प लिया कि वे पूरी जिम्मेदारी और आपसी तालमेल के साथ कार्य करेंगे, ताकि सरकार की हर स्वास्थ्य योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

संक्षिप्त समाचार

मार्बल एवं टाइल्स शोरूम का विधिवत उद्घाटन

संवाददाता हुसैनाबाद। पलामूः नगर पंचायत हुसैनाबाद शहरी क्षेत्र के नहर मोड़ के समीप जपला–छतरपुर मुख्य पथ पर रविवार को एक नए मार्बल एवं टाइल्स शोरूम का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन संस्थान के निर्देशक दौलत सोनी के माता-पिता विजय प्रसाद सोनी एवं कुशुम देवी द्वारा संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना के पश्चात फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की अच्छी-खासी उपस्थिति देखी गई। इस मौके पर प्रोपराइटर दौलत सोनी ने कहा कि हुसैनाबाद एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अब मार्बल और टाइल्स से संबंधित उत्पाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि शो-रूम में वरमोरा, रुद्राक्ष एवं ओलोना जैसी कंपनियों के उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्राहकों की संतुष्टि और विश्वास को प्राथमिकता देने की बात भी उन्होंने कही। उद्घाटन कार्यक्रम में अमित सोनी, दीपक सोनी, आकाश सोनी, वकार हुसैन, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, डॉ. एजाज आलम, शिवपूजन गुप्ता, नेहाल अशगर हुसैन, पुन्नु खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फांसी के फंदे से लटका मिला युवक, हत्या या आत्महत्या—जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता छतरपुर पलामू पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुंडौली टोला खोंगा में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब 35 वर्षीय युवक चंदन परहिया अपने ही घर में फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने तत्काल छतरपुर थाना को सूचना दी, जिसके बाद थाना के एसआई रविंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल यह मामला आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इस बिंदु पर पुलिस गहन जांच कर रही है। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पत्नी संजू देवी शनिवार को अपने मायके गई हुई थीं। चंदन परहिया उन्हें कुछ दूरी तक छोड़ने गए थे और शाम करीब सात बजे वापस घर लौट आए थे। परिवार में कुल पांच संतानें हैं—तीन पुत्रियां काजल कुमारी (16 वर्ष), पूजा कुमारी (14 वर्ष), सीमा कुमारी (13 वर्ष) तथा दो पुत्र राजा कुमार (10 वर्ष) और नीरज कुमार (8 वर्ष)। बताया गया कि तीनों पुत्रियां अपने दादा झरी बैगा के साथ घर से लगभग 300 मीटर की दूरी पर सोई हुई थीं, जबकि दोनों पुत्र उसी कमरे में सो रहे थे, जहां चंदन परहिया मौजूद थे। बच्चों के अनुसार, रात में उन्हें किसी भी तरह की कोई आहट या घटना का आभास नहीं हुआ। सुबह जब उनकी नींद खुली, तो उन्होंने अपने पिता को फांसी के फंदे से झूलता हुआ देखा। इसके बाद बच्चों ने शोर मचाया और आसपास के लोगों को सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच किसी प्रकार का पारिवारिक विवाद नहीं था। हालांकि, यह भी बताया जा रहा है कि चंदन परहिया पर 4 से 5 फाइनेंस और बैंक कंपनियों का कर्ज चल रहा था। पांच बच्चों के भरण-पोषण के साथ-साथ समय पर कर्ज चुकाने का दबाव एक गरीब परिवार के लिए बेहद भारी साबित हो रहा था। ग्रामीणों का अनुमान है कि मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव के कारण यह घटना घटी हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पत्नी संजू देवी मायके से ससुराल पहुंचीं। पति का शव देखकर वह फूट-फूटकर रो पड़ीं। मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पूरे गांव में शोक और चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच में जुटी हुई है।

लिटल ब्राइट प्री स्कूल का उदघाटन

संवाददाता मेदिनीनगर पलामू रविवार को निगम की प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने कांदु मोहल्ला स्थित लिटल ब्राइट प्री स्कूल का उदघाटन किया। दीप प्रज्वलित कर स्कूल का उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा कि आजकल मुहल्ले में भी अच्छी स्कूल खुल रही है जो शिक्षा के लिए शुभ संकेत है। पहले बधाई करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी और अब पढ़ाई करने की सुविधा घर के पास मौजूद है। लोगो को चाहिए कि इसका लाभ उठाकर बच्चों का भविष्य निखारा जाए। विशिष्ट अतिथि युवा समाजसेवी कोमल कुमार अंकू ने कहा कि विद्यालय का खोलना सभी के लिए अच्छी बात है। स्कूल के निदेशक राजीव रंजन गुप्ता ने कहा कि यहां स्कूल खोलने के मकसद ही यही है कि आस पास के स्थानीय बच्चों को सुलभ और सही शिक्षा मिल सके। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के संचालक सह प्राचार्य अनुराग कुमार ने किया। इस अवसर पर मेयर प्रतिनिधि सुनील गुप्ता, चेंबर के सदस्य प्रदीप कुमार बाबुल, सोनू श्रीवास्तव, सुशील सिंह, रोहित पांडे, कुमार आयुष, कारण पांडेय आदि मौजूद थे।

घाटी में बस हादसाः महिला समेत समेत 5 की मौत, 40 से अधिक यात्री घायल

संवाददाता की ओरसा घाटी में रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर से झारखंड आ रही यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर घाटी में पलट गई। हादसे में अब तक 4 महिलाओं समेत 5 यात्रियों के मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 40 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही महुआडांड़ थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। एंबुलेंस की मदद से घायलों को महुआडांड़ के सरकारी अस्पताल और आसपास के स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। बस में करीब 80 यात्री सवार थे।

सुनाय फाउंडेशन ने पद्मश्री पीके सेन की याद में बांटे गरम कपड़े

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू रविवार को पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला स्थित ओपन थियेटर में सुनाय फाउंडेशन ने बनकर्मियों के बीच गरम कपड़ा वितरण किया। पद्मश्री स्वर्गीय पीके सेन की याद में लगातार दूसरे वर्ष यह कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में देश के जाने माने वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ दयाशंकर श्रीवास्तव, सुनाय फाउंडेशन के फाउंडर निदेशक रिचा सेन, पूर्व एसीएफ अर्जुन बड़ाइक मौजूद थे। देश के जाने माने वन्य जीव विशेषज्ञ सह पूर्व आईएफएस पीआर सिन्हा ने इस कार्यक्रम के लिए भेजे संदेश में इस इलाके में पीके सेन के योगदान के बारे में बताया।डॉ डीएस श्रीवास्तव ने कहा कि स्वर्गीय पीके सेन पलामू टाइगर रिजर्व के एक ऐसे निदेशक थे जिन्होंने पीटीआर को एक ऊंचाई तक पहुंचाया। चाहे पर्यटन हो या वन्य प्राणी की सुरक्षा दोनों में उनकी समान सहभागिता रही। वे देश के कई जगह सेवा प्रदान किया। वे देश के एकमात्र आईएफएस अधिकारी है जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए रिचा सेन ने कहा कि सुनाय फाउंडेशन द्वारा झारखंड सहित बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में महिला व बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में कई कार्य किए जाते है। चूंकि स्वर्गीय पीके सेन पलामू टाइगर रिजर्व में अधिकारी के रूप में अपना सेवा दे चुके है इसलिए यहां उनकी याद में वस्त्र वितरण कार्यक्रम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी अन्य कार्यक्रम किए जाने की प्लानिंग की जा रही है। अर्जुन बड़ाइक ने कहा कि बन कर्मियों के बीच इस तरह के आयोजन से उनका उत्साह बढ़ता है। बन कर्मी जंगल बचाने की मुहिम के मुख्य कड़ी होते है। उनका प्रोत्साहन करना जरूरी है। वरीय रंगकर्मी सैकत चटर्जी ने इस कार्य के लिए सुनया फाउंडेशन को शुभकामना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वनकर्मी संतोष कुमार, निरंजन कुमार, सुनाय फाउंडेशन के सदस्य स्वरूप चक्रवर्ती, पर्यटन अधिकारी विवेक तिवारी का सराहनीय योगदान रहा। कार्यकम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सुनाय फाउंडेशन के ट्रस्टी सह कोषाध्यक्ष निशांत कुमार ने किया।

बेतला में समाज सेवियों ने कॉस्को क्रिकेट नॉकआउट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

संवाददाता

बरवाडीह पलामू बेतला में सामाजिक विकास संगठन बेतला एवं टाइगर रिजर्व के संयुक्त तत्वावधान में प्रिमियम लीग का समाजसेवियों ने संयुक्त रूप से भव्य उद्घाटन किया।इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में गौतम कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह,राजू तिर्की,समाज सेवी मो शाहिद जिप सदस्य संतोषी कुमारी,समाज सेवी मनाने अंसारी मुख्य रूप से शामिल रहे । मौके पर नेतृत्वकर्ता मो शाहिद ने अतिथियों को अंगवस्त्र व फूलमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनके हौसले बढ़ाए । कार्यक्रम का आगाज चैनपुर पलामू और पोखरी कला के टीम के बीच हुआ । टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के विजेता टीम को 31 हजार नकद और ट्रॉफी दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पुरा क्षेत्र खेलमय और उत्साहपूर्ण वातावरण से भर गया। मौके पर मो शाहिद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि समाजसेवियों की गरिमामई उपस्थिति में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व स्थानीय ग्रामीण इस खेल प्रतियोगिता को यादगार बनाया। उन्होंने कहा खेल से जुड़ने वाला नशाखोरी , अपराध से दूर रहते हैं, खेल हमें हार और जीत दोनों को समान भाव से स्वीकार करना सिखाता है। मौके पर अध्यक्ष मो नजीर हुसैन, सचिव बहाउद्दीन अंसारी, साबिर अंसारी,सगीर आलम,.फ़ैज़ अहमद, परवेज आलम समेत सैकड़ों खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बेटी लवली आनंद ने संत मरियम विद्यालय के बच्चों से की संवाद

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू उपनिषद में लिखा है शिव गुरु हैं शिव को गुरु बनाओ। संत मरियम स्कूल में शनिवार की संध्या में संस्कारशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय था "मानव जीवन में गुरु का महत्व " इस विषय पर बच्चों से संवाद के लिए शिव शिष्य परिवार के संस्थापक साहेब हरिंद्रानंद एवं दीदी नीलम आनंद की बेटी लवली आनंद जी ने शिरकत की। इनके साथ अन्य गुरु भाई बहनों को भी उपस्थिति हुई। विद्यालय के चेयरमैन श्री अविनाश देव ने सबों को अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। संत मरियम आवासीय विद्यालय के बच्चों से रु ब रु हुईं गुरु बहन लवली आनंद जी और संबोधित की। अपने संबोधन में इन्होंने कही मानव जीवन में इंसान को गुरु के मार्गदर्शन के बिना एक कदम बढ़ना मुश्किल कार्य है। गुरु आपके अंदर सुषुप्त गुरुत्व बल को जगाता और आप विश्व विजयी प्यारा पताका को लहरा देते हैं। शिव सृष्टि के रक्षा में विषपान किया था आप बेहतर समाज के निर्माण में अपने को आहूत करें, यही मुक्ति का मार्ग है। आप सभी गुरु के बताए रस्ते का वरण करें,समाज में फैले ढोंग आडंबर अंध विश्वास से दूर शिक्षा और संस्कार लें। आप संत मरियम स्कूल में पढ़ रहे हैं गर्व कीजिए, जहां जाति धर्म से ऊपर उठ कर गुरु कार्य में निष्ठा से लगे हैं। आप सभी देश के भविष्य हैं नशा से दूर सूचिता का पालन करते आगे बढ़ेंगे। रुखसत के वक्त दीदी ने शिव शिष्य से जुड़ी बहुत सारी किताबें दी और विदा ली। जय महादेव!

सहायक आचार्यों का पुनर्पदस्थापना पर होगा विचार डीएसई पलामू

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू जिले के नवपदस्थापित सहायक आचार्यों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधीक्षक पलामू से मिल कर मानक संचालन प्रकिया के तहत पदस्थापना पर पुनर्विचार का आग्रह किया।डीएसइ संदीप कुमार ने प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त किया कि दुरस्त व दुर्गम क्षेत्र में पदस्थापित महिला,दिव्यांग सहित समस्याग्रस्त सहायक आचार्यों के प्राप्त आवेदन पर समुचित विचार कर शीघ्र जिला स्थापना समिति में परिसंशोधित पदस्थापना के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।वहीं उपविकास आयुक्त पलामू ने मामले पर संज्ञान लेते हुए सकारात्मक पहल की बात कही।झारोटेफ़ जिला अध्यक्ष मनोज मेहता एवं सहायक आचार्य संघर्ष समिति संयोजक विजय बहादुर सिंह के प्रतिनिधित्व में जिले के सैकड़ों सहायक आचार्य जिला शिक्षा अधीक्षक पलामू से बिना मानक संचालन के पदस्थापना से उतपन्न परिस्थितियों से अवगत कराते हुए समस्या समाधान की माँग किया है।विदित हो कि पलामू जिले में बिना मानक संचालन प्रक्रिया के पदस्थापना से गृह प्रखंड से 70 से 120 KM दूरस्त व दुर्गम क्षेत्रों में पदस्थापन किया गया है।जिनके कारण महिला एवं दिव्यांग शिक्षकों को आवागमनविहीन क्षेत्रों में पदस्थापना से असुरक्षित एवं तनावग्रस्त हैं।वहीं पड़ोस के जिले गढ़वा,लातेहार सहित गोड्डा,दुमका,हज़ारीबाग व अन्य जिलों में मानक संचालन प्रक्रिया के तहत मेधाक्रमांक व विकल्प का अवसर प्रदान कर सहायक आचार्यों को पदस्थापन किया है। इधर प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने जेएमएम जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा से मिल कर पदस्थापना से सम्बंधित समस्या को रखा।श्री सिन्हा ने प्रतिनिधिमण्डल सदस्यों को आश्वश्त करते हुए कहा कि पलामू जिले के नवनियुक्त सहायक आचार्यों का पदस्थापना मानक संचालन प्रक्रिया से करने के लिए सक्षम प्राधिकार से आवश्यक पहल कर समस्या समाधान के लिए शीघ्र मिलने की बात कही।उन्होंने कहा कि शिक्षकों के पदस्थापना में SOP की अनदेखी की गयी है।उपायुक्त से माँग करते हुए शिक्षकों का पदस्थापना मेरिट से विकल्प के आधार पदस्थापना समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।मौके पर प्रतिनिधिमंडल सदस्य इक़बाल अहमद,विकास सिंह,अर्णव तिवारी,शैलेश कुमार,नीरज सिंह,सुनील सिन्हा,दीप्ति पांडेय,प्रियंका कुमारी,मनीषा कुमारी सहित अबरार अहमद,सुशील विश्वकर्मा,रविन्द्र सिंह,सुनील कश्यप,मनीष पांडेय,रेखा कुमारी,नीलम संजीव,मिन्नत प्रवीण,श्वेता कुमारी,रश्मि सिंह सहित सैकड़ों सहायक आचार्य शामिल रहे।

मानवीय संवेदना करुणा का मिसाल कायम करती मिशन समृद्धि

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू समृद्धि की रोटी अभियान के तहत मकरसंक्रांति के अवसर पर दो दिनों तक जरूरतमंदोंके बीच चूड़ा तिलकुट का वितरण किया गया। अंबेडकर पार्क के सामने दोना पत्तल दातून बेचने वालों और शनि मंदिर के आसपास बुजुर्गों दिव्यांगों और अन्य जरुरतमंदों के बीच त्योहार स्वरूप संस्था ने ऐसा करके परम्परा को जारी रखा। अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने कहा कि छोटे रूप में ही सही कोशिश हमेशा होती है कि पर्व त्योहार में हम इन्हें भूले नहीं ताकि मानवीय संवेदना जिंदा रहे। बिहार की आरती श्रीवास्तव और यहाँ के आदरणीय का सहयोग मिल जाने से सभी कार्य बहुत अच्छे से पूर्ण होते हैं संस्था उनका आभार व्यक्त करती है। टीम सदस्यों का परिश्रम किसी भी कार्य को करने में सक्षम है। संध्या शेखर बैजन्ती गुप्ता बेबी पाण्डेय शिल्पी गोस्वामी वीणा राज रंजीता भाई शैलेन्द्र कुमार का सराहनीय योगदान रहता है।

क्षेत्र की समृद्धि के लिये सांसद ने की चेगौना धाम मंदिर में पूजा

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू सांसद श्रीराम ने श्रद्धालुओं को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु चेगौना धाम परिसर मे अपने सांसद निधि से अधिष्ठापित आर.ओ.प्लांट का उद्घाटन सह शुभारम्भ भी किया. उक्त अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता धर्मदेव सिंह यादव, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, ईश्वरी पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष श्री महादेव प्रसाद यादव, सांसद के निजी सचिव अलख दूबे, निर्मल यादव, भोला पाण्डेय, अविनाश कुमार सिन्हा, नवीन पाण्डेय, गिरिवर सिंह, निर्मल कुमार यादव, अवधेश पासवान, राजू पासवान,अनिल गुप्ता मिथलेश सिंह,मुकेश सिंह, नन्हू पासवान,दीपक गुप्ता, सुदामा गुप्ता, भगवान प्रसाद सहित भाजपा के कार्यकर्त्ता एवं ग्रामीण जनता उपस्थित थीं।

समाजसेवी साहब सिंह के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के तत्वावधान में तथा शहर के जाने-माने समाजसेवी साहब सिंह के सौजन्य से आज स्थानीय बेलवाटिका चौक पर एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में हजारों की संख्या में शहरवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। इस अवसर पर शहर के प्रख्यात चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ, जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश कुमार, डॉ. शक्ति प्रकाश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नम्रता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजय कुमार कुमार तथा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. महताब आलम सहित अन्य चिकित्सक एवं मेडिकल टीम ब्लड शुगर एवं हीमोग्लोबिन जांच के लिए सृष्टि डायग्नोस्टिक एवं श्रेया लैब की के सदस्य शामिल रहे। सभी के सहयोग से यह सेवा शिविर सुव्यवस्थित एवं विधिवत रूप से संपन्न हो सका। समाजसेवी साहब सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य जांच हो या कोई भी सामाजिक कार्य, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उनके पूरे परिवार का हमेशा यही प्रयास रहा है कि लायंस क्लब जैसे सेवा भावी संगठनों के सहयोग से जनहित में कार्य किया जाए। उन्होंने लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर तथा सभी चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपना कीमती समय देकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के आईपीपी डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ ने कहा कि क्लब द्वारा लगातार ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन विभिन्न मोहल्लों में किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने कहा कि मंच कोई भी हो, सेवा का अवसर मिलने पर क्लब हमेशा तत्पर रहता है। डॉ. शक्ति प्रकाश ने कहा कि लायंस क्लब जैसे संगठनों के माध्यम से सेवा शिविरों में कार्य करने का अवसर मिलना गौरव की बात है और इससे समाज सेवा की भावना को और मजबूती मिलती है। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के अध्यक्ष गुरबीर सिंह ने बताया कि क्लब सामाजिक सेवा के साथ-साथ जीव-जंतु, गौ-सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य करता है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में हिमांशु कुमार, रोहित चौधरी, दिलीप कुमार, आकाश कुमार, मनीष कुमार, रतन कुमार, अमित कुमार के साथ लायंस क्लब सचिव प्रियंका आनंद साहू , विकास कुमार शेट्टी, वरुण जायसवाल, फिरोज अंसारी, निलेश चंद्र एवं रणजीत मिश्रा की भूमिका सराहनीय रही।

जामताड़ा: किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 5 दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण शुरू, 'अन्नदाता' को सिखाए जाएंगे खेती के आधुनिक गुर

संवाददाता

जामताड़ा। किसानों की आय में वृद्धि करने और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को कुंडहित प्रखंड के भेलाडीही गांव (बनकाटी पंचायत) में पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम लोक कल्याण परिषद समिति तथा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य रीना मंडल, विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हैम्ब्रम और पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरि मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया।

उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरि मंडल ने कहा कि किसान हमारे देश के 'अन्नदाता' हैं और वे अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा:

आधुनिक तकनीक: किसानों को अब पारंपरिक खेती के बजाय वैज्ञानिक और आधुनिक तरीकों को अपनाना होगा।

संतुलित खाद का प्रयोग: उत्तम बीज के चुनाव के साथ-साथ गोबर (जैविक खाद) और रासायनिक खाद का सही अनुपात में प्रयोग करना अनिवार्य है ताकि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और फसल उत्पादन बढ़े।

पलायन पर रोक: यदि किसान सही ढंग से और उन्नत तरीके से खेती करेंगे, तो उनकी आमदनी बढ़ेगी। इससे युवाओं को रोजगार के लिए बाहर (पलायन) नहीं जाना पड़ेगा और न ही केवल नौकरी के पीछे भागना पड़ेगा।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि और प्रखंड अध्यक्ष ने भी कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और जब तक किसान उन्नति नहीं करेंगे, तब तक देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार समय-समय पर किसानों को उन्नत किस्म के बीज, खाद और आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध करा रही है, जिसका लाभ हर किसान को उठाना चाहिए।

इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा किसानों को बागवानी, सब्जियों की उन्नत खेती और पौधों के रख-रखाव की जानकारी दी जाएगी। मौके पर मुख्य रूप से:

ट्रेनर: आशीष कुमार एवं अभिषेक कुमार

विभागीय अधिकारी: जिला कृषि पदाधिकारी लव कुमार

उद्यान मित्र: श्यामल फौजदार

सहित बड़ी संख्या में स्थानीय प्रगतिशील किसान उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से क्षेत्र के किसानों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस पांच दिवसीय कार्यशाला के बाद किसान अपनी खेती में नए प्रयोग कर आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकेंगे।

फतेहपुर: समाज सुधार और जनकल्याण के संकल्प के साथ 'तेजस्विनी फाउंडेशन' कार्यालय का भव्य शुभारंभ

संवाददाता

जामताड़ा। समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अलख जगाने के उद्देश्य से रविवार को 'तेजस्विनी फाउंडेशन' के क्षेत्रीय कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। फतेहपुर प्रखंड के मुरीडीह में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में अतिथियों ने फीता काटकर संस्थान के नए सफर की शुरुआत की।

उद्घाटन के अवसर पर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने संस्थान के लक्ष्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि तेजस्विनी फाउंडेशन मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य करेगी:

सरकारी योजनाओं का लाभ: समाज के अभिवंचित और गरीब परिवारों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें लाभ दिलाने में मदद करना।

किशोरी एवं महिला कल्याण: किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना।

सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन: समाज में व्याप्त बुराइयों और कुप्रथाओं को मिटाने के लिए जन-जागरण अभियान चलाना।

कृषि और आजीविका: ग्रामीण समुदाय को आधुनिक कृषि और आजीविका के नए साधनों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना।

इस भव्य कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से डॉ. सतीश, संजय मंडल और विवेक कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की संस्थाओं की नितांत आवश्यकता है, जो सीधे जनता और सरकार के बीच एक सेतु (पुल) का कार्य कर सकें। कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर मुरीडीह और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और युवा उपस्थित हुए। स्थानीय लोगों ने फाउंडेशन के उद्देश्यों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों और जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यालय के खुलने से अब स्थानीय लोगों को विभिन्न समस्याओं के समाधान और मार्गदर्शन के लिए एक व्यवस्थित मंच उपलब्ध होगा।

नाला: सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक में प्रशासन सख्त, डीजे और हुड़दंग पर रहेगी पाबंदी

संवाददाता

जामताड़ा। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए रविवार को नाला थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) मनोज कुमार महतो की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रशासन ने पूजा समितियों को कड़े दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि नियमों के उल्लंघन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार महतो ने कहा कि सरस्वती पूजा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुशासन और संस्कार का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "इसे शांतिपूर्ण ढंग से मनाना प्रशासन और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। पूजा समितियों को प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना होगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" नाला सर्किल इंस्पेक्टर बिहारी मरांडी ने स्वच्छता और ध्वनि नियंत्रण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए डीजे और साउंड सिस्टम का उपयोग सीमित समय और नियंत्रित आवाज में ही किया जाना चाहिए। उन्होंने समितियों से विसर्जन के दौरान भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

थाना प्रभारी राजीव रंजन कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि:

असामाजिक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

विसर्जन जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की अभद्रता या हुड़दंग होने पर तत्काल गिरफ्तारी की जाएगी।

उन्होंने पूजा समितियों से पुलिस के साथ तालमेल बिठाकर कार्य करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाने को देने का निर्देश दिया। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भी अपने विचार रखे और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। मौके पर मुख्य रूप से: उपप्रमुख समर माजी, गुलशन अली, अजित मुर्मू, राधाविनोद मंडल, विश्वनाथ दास, दयामय मंडल, श्यामल मंडल, गुणधर मंडल, श्याम माजी, बिजन राय, उत्तम मंडल और प्रशांत मंडल सहित कई पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित थे। बैठक का समापन आपसी सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से ऐतिहासिक रूप से सरस्वती पूजा संपन्न कराने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

जामताड़ा: कोलाजोडा में एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज, पूर्व जिप सदस्य ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

संवाददाता

जामताड़ा। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, बल्कि यह आपसी भाईचारे और अनुशासन का भी प्रतीक है। इसी संदेश के साथ जामताड़ा जिले के कुडहित प्रखंड अंतर्गत गडजोडी पंचायत के कोलाजोडा क्रिकेट मैदान में एक दिवसीय 'लॉलीपॉप क्रिकेट टूर्नामेंट' का शानदार शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि और पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल के कर-कमलों द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फीता काटकर खेल की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। बताते चलें कि आख्यान पूजा के शुभ अवसर पर कोलाजोडा युवा कमेटी द्वारा इस विशेष खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की कुल 8 दिग्गज टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो खिताबी जीत के लिए मैदान में अपना दमखम दिखा रही हैं। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए पूर्व जिप सदस्य भजहरी मंडल ने खेल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इससे हम न केवल स्वस्थ रहते हैं, बल्कि यह हमें एकता के सूत्र में पिरोता है।" उन्होंने महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और रोहित शर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और खेल के दम पर न केवल अपना जीवन संवारा, बल्कि पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ियों से अनुशासन के साथ खेलने और देश का गौरव बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोलाजोडा युवा कमेटी के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य अतिथि ने बिपलब मंडल, बिजेश बादयकर, बनमाली मिर्धा, विद्युत घोडोई, अभिजीत मिर्धा, अरुण घोडोई, राकेश माल, हरिदास घोडोई, खोकन मंडल और सुमन मंडल सहित पूरी टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी क्षमता दिखाने का एक मंच मिलता है। इस उद्घाटन समारोह के दौरान आसपास के गांवों से आए सैकड़ों दर्शक, खेल प्रेमी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मैदान में दर्शकों के उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट ने मैच के रोमांच को और बढ़ा दिया।

जामताड़ा: निर्माणाधीन अपार्टमेंट में नाइट गार्ड की संदिग्ध मौत, शव के साथ सड़क जाम कर परिजनों ने किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा जिले में एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट में कार्यरत नाइट गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद रविवार को भारी हंगामा हुआ। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर जामताड़ा कोर्ट रोड स्थित दुर्गा मंदिर के समीप शव को सड़क पर रखकर घंटों जाम कर दिया। इस दौरान यातायात पूरी तरह बाधित रहा। मृतक की पहचान जामताड़ा के दुलाडीह गांव निवासी लखन महतो के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, लखन महतो शनिवार शाम को अपनी रोजमर्रा की ड्यूटी के तहत निर्माणाधीन अपार्टमेंट में नाइट गार्ड के तौर पर काम करने गए थे। लेकिन रविवार सुबह उनका शव अपार्टमेंट परिसर में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जैसे ही लखन महतो की मौत की खबर फैली, ग्रामीण और परिजन आक्रोशित हो गए। वे मौत को संदिग्ध बताते हुए मुआवजे की मांग पर अड़ गए और कोर्ट रोड को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए जामताड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को समझाने और जाम हटाने का काफी प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपार्टमेंट मालिक से मुआवजे की ठोस मांग कर रहे थे। काफी घंटों तक चली गहमागहमी और पुलिस की मध्यस्थता के बाद दोपहर लगभग 3 बजे मामला शांत हुआ। अपार्टमेंट मालिक संजय पाहन ने मानवीय आधार पर मृतक के परिजनों को कुल तीन लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। समझौते के तहत एक लाख रुपये नकद और दो लाख रुपये का चेक परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद जाम हटाया गया। जामताड़ा पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस ने वैधानिक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जामताड़ा नगर निकाय चुनाव: अध्यक्ष पद के लिए लवली दुबे ने फूंका बिगुल, जेएलकेएम ने दिया समर्थन; कहा- 'बदलाव के मूड में है जनता'

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा नगर निकाय चुनाव की सुगबुगाहट के साथ ही जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। रविवार को नगर पंचायत क्षेत्र के पाण्डेडीह में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान लवली दुबे ने विधिवत रूप से अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया। इस दौरान 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' (JLKM) के समर्थन ने इस मुकाबले को और भी दिलचस्प बना दिया है। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जेएलकेएम के जिला अध्यक्ष मंतोष कुमार महतो ने लवली दुबे को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "इस बार का नगर निकाय चुनाव दलीय चुनाव चिह्न (सिंबल) पर नहीं होगा, इसलिए जनता को किसी पार्टी के बजाय एक ईमानदार और मजबूत प्रत्याशी को चुनना चाहिए।" मंतोष महतो ने पूर्व अध्यक्षों पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते वर्षों में वार्डों का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिवर्तन संसार का नियम है और जामताड़ा नगर की जनता अब नए चेहरे और नई सोच के साथ बदलाव के लिए तैयार है। अध्यक्ष पद की प्रत्याशी लवली दुबे ने बैठक में भावुक और प्रभावी संबोधन दिया। उन्होंने कहा, "मैं यहाँ केवल एक उम्मीदवार बनकर नहीं, बल्कि आपके परिवार की सदस्य बनकर आई हूँ। यह चुनाव सिर्फ एक कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि हमारे नगर के भविष्य को संवारने के लिए है।" उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को गिनाते हुए कहा कि नगर में बुनियादी सुविधाओं और विकास की जो कमियां रह गई हैं, उन्हें दूर करना उनका मुख्य लक्ष्य होगा। लवली दुबे ने नगर निकाय चुनाव में महिला आरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आरक्षण मिलने से महिलाओं में राजनीति को लेकर भारी उम्मीद और उत्साह जागा है। इस बार नगर की महिलाएं न केवल बढ़-चढ़कर मतदान करेंगी, बल्कि शासन और विकास की प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित करेंगी। पाण्डेडीह में हुई इस बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और विशेषकर महिला कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी। लवली दुबे के समर्थन में जमकर नारेबाजी की गई और उपस्थित जनसमूह ने उन्हें जिताने का सामूहिक संकल्प लिया। मौके पर कई गणमान्य लोगों ने भी नगर के सर्वांगीण विकास के लिए लवली दुबे के नेतृत्व पर भरोसा जताया। इस घोषणा के बाद से ही नगर पंचायत क्षेत्र के अन्य राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे आने वाले चुनाव के और अधिक रोमांचक होने के संकेत मिल रहे हैं।

कहीं जरूरत से ज्यादा मूंगफली तो नहीं खा रहे आप

जानें एक दिन में कितनी खाना सही?

सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाना सभी को अच्छा लगता है. गर्म-गर्म मूंगफली सर्दियों में खाने से अलग ही स्वाद मिलता है. जैसे ही ठंड दस्तक देती है, सड़कों और मार्केटों में मूंगफली, गजक और रेवड़ी बिकनी शुरू हो जाती है और लोग बड़ी मात्रा में इसका सेवन करने लगते हैं. मूंगफली हमारे शरीर के लिए फायदेमंद होती है. यह शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है, जैसे हार्ट की बीमारियां, हड्डियों की मजबूती और पाचन से जुड़ी दिक्कतें. लेकिन ठंड के मौसम में जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और शरीर पर हानिकारक असर डालता है.

रोज कितनी मूंगफली खाना सही है?

मूंगफली का सेवन करने से शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं. यह हड्डियों की मजबूती से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव में भी मददगार मानी जाती है. हालांकि, ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. डॉक्टर्स के अनुसार, हर व्यक्ति को अपने डेली रूटीन और डाइट में सिर्फ एक मुट्ठी मूंगफली ही खानी चाहिए. यानी एक दिन में लगभग 30 से 50 ग्राम मूंगफली का सेवन करना सही माना जाता है. आप चाहें तो इससे भी कम मात्रा, यानी 25 से 30 ग्राम मूंगफली का सेवन कर सकते हैं. इतनी मात्रा में मूंगफली खाने से वजन बढ़ने जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता.

ज्यादा मूंगफली खाने से वजन बढ़ना

अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करता है, तो उसे वजन बढ़ने जैसी समस्या हो सकती है. मूंगफली में कैलोरी और फैट की मात्रा ज्यादा होती है. अगर आप रोज जरूरत से ज्यादा मूंगफली खाते हैं, तो धीरे-धीरे आपके वजन में बढ़ोतरी हो सकती है.

जोड़ों के दर्द में मूंगफली से बचें

अगर किसी व्यक्ति को जोड़ों का दर्द या हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं, जैसे आर्थराइटिस या गठिया, तो ऐसे लोगों को मूंगफली का सेवन बहुत कम या बिल्कुल नहीं करना चाहिए. मूंगफली में मौजूद प्रोटीन और यूरिक एसिड जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकते हैं.

पाचन से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. अगर आप जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करते हैं, तो गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है.

लीवर पर हानिकारक असर

ज्यादा मात्रा में मूंगफली के सेवन से हमारे लीवर पर हानिकारक असर हो सकता है. इससे लीवर में फैट जमा होने लगता है, जो फैटी लीवर जैसी समस्या का कारण बन सकता है और लीवर की कार्यक्षमता भी कम हो सकती है. इसलिए मूंगफली का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए.

तेज हवा या घने कोहरे में किसान ना करें ये काम, कृषि विभाग ने किया अलर्ट

घने कोहरे की चादर इन दिनों देश के कई हिस्सों पर छाई हुई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने कई राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है. कोहरे और बढ़ती ठंड ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. विजिबिलिटी घटने से सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो रहे हैं. किसानों पर भी मौसम के बदलाव का असर पड़ सकता है. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के लिए कुछ सुझाव शेयर किए हैं.

दवा के छिड़काव से बचें किसान

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसानों के लिए जानकारी शेयर की है. कृषि विभाग ने बताया कि किसानों को मौसम देखकर दवा का छिड़काव करना चाहिए. तेज हवा या कोहरे के समय दवा का छिड़काव करने से बचना चाहिए. शांत मौसम में दवा के छिड़काव करने से दवा का पूरा असर फसल पर होता है. इससे किसानों का खर्च भी बचता है.

किसानों को मौसम विभाग की साप्ताहिक सलाह देखकर बुवाई का समय तय करना चाहिए. यह नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है. बारिश, ठंड की लहर या गर्मी की बढ़ोतरी जैसी परिस्थितियों में सही फैसले लेने से फसल सुरक्षित रहती है. इससे सिंचाई और दवा पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचाया जा सकता है.

खेत में लगा है सोलर पैनल

तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, होगा भारी नुकसान!

सोलर पैनल किसानों के लिए लंबे समय का निवेश होते हैं, इसलिए इनके साथ कई सावधानियां रखनी जरूरी होती है. कई बार सफाई के समय की गई छोटी-सी लापरवाही भी भारी नुकसान का कारण बन सकती है. सही तरीके से की गई सफाई सोलर पैनल को सालों तक बेहतर प्रदर्शन देने में मदद करती है. आइए जानते हैं सोलर पैनल की सफाई के वक्त किन गलतियों से बचना चाहिए?

खेती में बिजली की बढ़ती मांग और डीजल की ऊंची कीमतों से बचने के लिए किसान तेजी से सोलर पैनल अपना रहे हैं. सिंचाई हो या पंप चलाना, सोलर ऊर्जा आज किसानों के लिए बड़ी राहत बन रही है, लेकिन सोलर पैनल से अधिकतम बिजली पाने के लिए उसकी सफाई नियमित और सही तरीके से करना जरूरी होता है.

सतह पर धूल, मिट्टी, परागकण और पक्षियों की बीट से उत्पादन क्षमता घट सकती है. सफाई के दौरान की गई छोटी-सी गलती भी पैनल को नुकसान पहुंचा सकती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है. ऐसे में किसानों को कई गलतियों को करने से बचना चाहिए.

खुरदरे ब्रश का इस्तेमाल करने से बचें

सोलर पैनल की सफाई के लिए झाड़ू, सख्त ब्रश या बोरे के कपड़े जैसी चीजों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें. सोलर पैनल की ऊपरी सतह कांच की होती है, जिस पर एक खास कोटिंग लगी होती है. खुरदरी चीजों से सफाई करने पर सतह पर खरोंच पड़ सकती है और इसकी दक्षता स्थायी रूप से कम हो सकती है. सफाई के लिए हमेशा मुलायम कपड़े, स्पंज या माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करना चाहिए.

तेज केमिकल और साबुन का इस्तेमाल न करें

पैनल को चमकाने के लिए डिटर्जेंट, फिनाइल, एसिड या अन्य केमिकल का प्रयोग न करें. यह सोलर पैनल को नुकसान पहुंचा सकता है. केमिकल्स पैनल की कोटिंग को खराब कर सकते हैं, जिससे धूप को सोखने की क्षमता पर असर हो सकता है. सफाई के लिए साफ पानी या बहुत हल्के साबुन का घोल इस्तेमाल किया जा सकता है.

तेज धूप में सफाई न करें

तेज धूप में सोलर पैनल अत्यधिक गर्म हो जाते हैं. ऐसे में पानी डालने से थर्मल शॉक लग सकता है, जिससे कांच चटकने का खतरा रहता है. इसके अलावा गर्म पैनल पर पानी डालने से दाग भी पड़ सकते हैं. सफाई के लिए सुबह या शाम का समय उचित माना जाता है.

बिजली चालू न रखें

सफाई के दौरान सोलर सिस्टम को चालू छोड़ना बेहद खतरनाक हो सकता है. गीले हाथों या पानी के संपर्क में बिजली प्रवाहित होने से करंट लगने का खतरा रहता है. इसलिए सफाई शुरू करने से पहले सोलर सिस्टम को पूरी तरह बंद करना और इन्वर्टर का स्विच ऑफ करना सुरक्षित माना जाता है.

पैनल पर चढ़कर सफाई करने से बचें

खेतों में लगे सोलर पैनल अक्सर ऊंचाई पर या ढांचे पर लगाए जाते हैं. कई लोग सीधे पैनल पर चढ़कर सफाई करने लगते हैं, जिससे पैनल टूटने या ढांचे के कमजोर होने का जोखिम बढ़ सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा नीचे से काम करें या सीढ़ी की मदद लें.

तेज प्रेशर के पानी से बचें

सोलर पैनल की सफाई करते समय मोटर या पाइप से तेज प्रेशर वाला पानी इस्तेमाल करना नुकसानदायक हो सकता है. इससे पैनल की सीलिंग खराब हो सकती है और पानी अंदर घुस सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा हल्के प्रेशर से पानी डालना चाहिए.

ठंड-कोहरे में खराब नहीं होगा तुलसी का पौधा, हल्दी का उपाय करेगा कमाल, जानें तरीका

सर्दियों में तुलसी के पौधे की देखभाल चुनौतीपूर्ण होती है. ज्यादा नमी और कम धूप से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं और फंगस लग जाता है. हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल है, जो तुलसी के पौधे को फंगस से बचाता है और उसे मजबूत बनाता है. आइए जानते हैं हल्दी के उपाय से कैसे तुलसी के पौधे को हरा-भरा रखा जा सकता है.

तुलसी का पौधा सिर्फ पूजा के लिए नहीं, बल्कि आयुर्वेद में भी एक औषधीय दवा के तौर पर उपयोगी माना जाता है. लगभग हर भारतीय घर में तुलसी का पौधा लगाया जाता है. घने कोहरे और ठंड के मौसम में तुलसी के पौधे की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है. ज्यादा नमी, कम धूप और ठंडी हवा की वजह से तुलसी के पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, उन पर फंगस लग जाता है और पौधा मुरझाने लगता है. ऐसे में हल्दी का एक घरेलू नुस्खा तुलसी के पौधे को नया जीवन दे सकता है. हल्दी प्राकृतिक तरीके से फंगस को रोकती है और पौधे को मजबूत बनाती है.

कोहरे में तुलसी को नुकसान क्यों होता है?

कोहरे की वजह से हवा में बहुत नमी रहती है. यह नमी मिट्टी में ज्यादा देर तक रहती है, जिससे जड़ें सड़ सकती हैं. धूप कम मिलने से पौधा ठीक से खाना नहीं बना पाता.साथ ही फंगस लगने से पत्तियों पर सफेद-काले धब्बे पड़ जाते हैं और तना कमजोर हो जाता है.

तुलसी के लिए हल्दी फायदेमंद कैसे है?

हल्दी को प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल माना जाता है. हल्दी में करक्यूमिन नाम का तत्व होता है जो प्राकृतिक रूप से बैक्टीरिया और फंगस को मारता है. इससे पौधे की बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है.

हल्दी का सही इस्तेमाल कैसे करें?

तुलसी के लिए हल्दी का प्रयोग बहुत सरल है लेकिन मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है. एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हल्दी मिलाएं. इस पानी को अच्छे से घोल लें ताकि हल्दी नीचे न बैठे. हफ्ते में एक बार इस पानी को तुलसी की जड़ में धीरे-धीरे डालें. ध्यान रखें कि मिट्टी पहले से बहुत ज्यादा गीली न हो. अगर आप चाहें तो सूखी हल्दी का पाउडर भी सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर मिट्टी के ऊपर छिड़कें. फिर हल्के हाथ से मिट्टी को खुरच कर मिला दें.

इनमें से कोई भी तरीका नियमित अपनाने से 10-15 दिनों में आपको फर्क दिखने लगेगा. पत्तियां फिर से हरी और चमकदार हो जाएंगी. साथ ही नई पत्तियां भी आएंगी और पौधा मजबूत हो जाएगा.

कुछ और जरूरी टिप्स

तुलसी को ऐसी जगह रखें जहां सुबह की धूप कम से कम 2-3 घंटे मिले.

ज्यादा पानी न डालें. मिट्टी सूखने पर ही पानी दें.

बहुत ठंडी हवा या पाले से बचाने के लिए रात में पौधे को किसी कपड़े से ढक दें.

पीली या खराब पत्तियों को समय पर तोड़कर हटा दें.

इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो सर्दियों में भी तुलसी का पौधा हरा-भरा रहेगा.

दूध के लिए पालें गाय की ये 5 देसी नस्ल, पशुपालकों को मिलेगा बढ़िया मुनाफा

गाय की सही नस्ल का पालन करने से पशुपालकों को कई तरह के फायदे मिलते हैं. सही नस्ल न केवल बेहतर और पौष्टिक दूध उत्पादन करती है, बल्कि किसानों को अधिक मुनाफा कमाने में भी मदद करती है. पशुपालक अपनी जरूरत के अनुसार बेस्ट नस्ल चुन सकते हैं. आइए जानते हैं भारत की 5 खास देसी गायों की नस्लों के बारे में, जिनका पालन करके आपको लाभ मिल सकता है.

भारत में गायों की कई देसी नस्लें पाई जाती हैं, जिनकी अपनी-अपनी विशेषताएं होती हैं. पशुपालक अपनी जरूरत और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार इन नस्लों का पालन कर सकते हैं और इनसे भरपूर लाभ कमा सकते हैं. सही नस्ल की गाय चयन न केवल दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि पशुपालक को आर्थिक रूप से मजबूत भी बना सकता है. पशुपालक गाय की खास नस्लों की जानकारी रखकर उनका पालन करें, तो उन्हें बेहतर गुणवत्ता वाला दूध, अधिक मात्रा में उत्पादन, और लंबे समय तक फायदे मिल सकते हैं. पशुपालन और डेयरी विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मालवी गाय

भारत की एक स्वदेशी नस्ल है, जिसका नाम इसके मूल क्षेत्र मालवा (मध्य प्रदेश) से जुड़ा है. यह खास गाय मजबूत शरीर और उचित दूध उत्पादन जैसी खूबियों के कारण भारतीय पशुपालन में अपनी खास पहचान रखती है.

थारपारकर गाय

थारपारकर गाय भारत की एक प्रमुख देसी नस्ल है, जिसका मूल क्षेत्र राजस्थान का थर मरुस्थल माना जाता है. यह नस्ल कठोर जलवायु में भी आसानी से ढल जाती है और अपनी मजबूत रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है. इस गाय का रंग सफेद से हल्का स्लेटी होता है. यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाला दूध देती है बल्कि कृषि कार्यों में भी उपयोगी साबित हो सकती है. थारपारकर गाय संतुलित देखभाल और सही पोषण मिलने पर पर्याप्त मात्रा में बेहतर दूध देती है. इससे पशुपालकों की आय बढ़ने में मदद मिलती है.

गिर गाय

गिर गाय भारत की सबसे मशहूर देसी दुग्ध नस्लों में से एक है. इसका मूल क्षेत्र गुजरात के गिर जंगल और आसपास का इलाका माना जाता है. यह नस्ल खास तौर पर ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है और लंबे समय से भारतीय खेती और पशुपालन में अहम भूमिका निभाती रही है. गिर गाय का शरीर मजबूत होता है और इसका रंग लाल-भूरा होता है. यह गाय कम चारे में भी अच्छा दूध देने की क्षमता रखती है. यह गाय एक दिन में लगभग 50 लीटर तक दूध दे सकती है.

देओनी गाय

देओनी गाय, भारत की एक मजबूत देसी नस्ल है. यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पाई जाती है. ये नस्ल कम देखभाल में भी अच्छा दूध उत्पादन करती है और अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए जानी जाती है. देओनी गाय का दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपके परिवार की सेहत को बेहतर बना सकता है और साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करता है. छोटे और मध्यम स्तर के किसानों के लिए यह नस्ल भरोसेमंद और लाभकारी साबित हो सकती है. यह गाय सालाना लगभग 1500 लीटर तक दूध उत्पादन कर सकती है.

साहीवाल गाय

साहीवाल गाय भारत की मशहूर देसी नस्लों में से एक है. इस गाय का रंग लाल-भूरा से गहरे भूरा होता है. यह नस्ल ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है।साहीवाल गाय गर्म मौसम को आसानी से सह लेती है. इस गाय में परजीवियों से लड़ने की क्षमता होती है. इसका स्वभाव भी शांत माना जाता है. इसलिए इसे पालना आसान बन सकता है. यह गाय पशुपालकों के लिए बेहतर मानी जाती है.

हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
दुमका, सोमवार 19 जनवरी 2026

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

दरभंगा में नदी किनारे मिला नवजात का शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में कमल नदी किनारे नवजात का शव मिला है। सुबह ग्रामीणों की नजर जैसे ही पानी में तैरते मासूम के शव पर पड़ी, अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई। आनन-फानन में पुलिस की सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना फेकला थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव के पास की है। थानाध्यक्ष वशिष्ट कापर ने बताया कि यह मामला बेहद संवेदनशील है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही नवजात की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मासूम को नदी में किसने फेंका है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'एक दिन जनता ही दिखा-बता देगी अत्याचार के विरुद्ध लड़ाई कैसे लड़ी जाती है' : तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। अपने बयानों से तेजस्वी यादव एक बार फिर उसी तरह आक्रामक हो गए हैं, जैसा कि वे विधानसभा चुनाव के पहले हुआ करते थे। वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आपराधिक चुप्पी साधने के साथ अत्याचार को सत्ता संपोषित होने का आरोप लगा रहे। रविवार को बयान जारी कर कहा कि एक दिन जनता ही दिखा-बता देगी कि अत्याचार के विरुद्ध लड़ाई कैसे लड़ी जाती है! उन्होंने नई सरकार को वोट खरीद का प्रतिफल बताया और उस पर आधी आबादी पर जुल्म ढाने का आरोप लगाया। कहा कि सत्ता संपोषित अत्याचार होने के कारण सरकार के कर्ता-धर्ता रोंगटे खड़े करने वाली इन वीभत्स घटनाओं पर मौन धारण कर महात्मा बनने का स्वांग रच रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि मधेपुरा में सामूहिक दुष्कर्म के बाद विधवा की हत्या, खगड़िया में चार वर्षीया बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म व हत्या, पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा के साथ दुष्कर्म, क्रूरतापूर्ण हत्या पर लीपापोती दर्शाती है कि यह सरकार निर्मम, क्रूर और अमानवीय हो चुकी है। वे पुलिस पर आतिथ्य-सत्कार के साथ दुष्कर्मियों को सम्मानित-सुरक्षित करने और प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगा रहे। पटना और खगड़िया में पिटाई के बाद राजद कार्यकर्ताओं पर मुकदमा करने को उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने का उपक्रम बताया। कहा कि बिहार की विधि-व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है।

नेशनल और स्टेट हाइवे पर ई-रिक्शा नहीं चलेंगे

पटना, एजेंसी। नेशनल और स्टेट हाइवे पर अब ई-रिक्शा नहीं चलेंगे। परिवहन विभाग ने एनएच और एसएच पर ई-रिक्शा के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश सभी डीटीओ को दिया है। पटना में न्यू बाइपास, बिहटा-सरमेरा रोड, पटना-गया रोड, फुलवारीशरीफ-दानापुर-बिहटा रोड पर यह आदेश लागू होगा। इसके साथ ही राज्य के 3617 किमी स्टेट हाइवे और 6389 किमी नेशनल हाइवे पर ई-रिक्शा का परिचालन बंद रहेगा। कुल मिलाकर करीब 10 हजार किमी हाइवे पर रोक लगेगी। जुगाड़ गाड़ियों के परिचालन पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। ये वाहन बिना पंजीकरण, बिना फिटनेस प्रमाणपत्र और बिना बीमा के सड़कों पर चल रहे हैं। यह मोटर वाहन अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। जुगाड़ गाड़ियां तकनीकी रूप से सुरक्षित नहीं होतीं। न ही इन्हें तय मानकों के अनुसार बनाया जाता है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इनका उपयोग यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए हो रहा है। इनमें ब्रेक प्रणाली भरोसेमंद नहीं होती। लाइट, संकेतक और अन्य सुरक्षा उपकरण भी नहीं लगे होते। यातायात सुरक्षा का गंभीर खतरा : ई-रिक्शा की गति कम होती है और वे हल्के वाहन होते हैं, जबकि हाईवे पर तेज़ रफ्तार बसें, ट्रक और कारें चलती हैं। इससे दुर्घटना और जानमाल की हानि का खतरा बहुत बढ़ जाता है। हाइवे के डिज़ाइन के अनुकूल नहीं : नेशनल और स्टेट हाईवे को तेज़ गति और भारी वाहनों के लिए बनाया जाता है। ई-रिक्शा न तो गति पकड़ पाते हैं और न ही अचानक ब्रेक या मोड़ सुरक्षित रूप से ले सकते हैं।

माघ मौनी अमावस्या पर नारायणी नदी में उमड़ा जनसैलाब

यूपी-बिहार से नेपाल तक के श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

बगहा, एजेंसी। भारत व नेपाल की सीमा से होकर बहने वाली नारायणी (गंडक) नदी में माघ अमावस्या के पावन अवसर पर रविवार की अहले सुबह से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था एवं श्रद्धा की डुबकी लगाई।

वहीं, अमावस्या की स्नान के बाद दान आदि का कार्य भी किया। त्रिवेणी में स्नान का अपना महत्व है। ऐसा माना जाता है कि माघ अमावस्या पर डुबकी लगाने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। स्नान और मेला को लेकर वाल्मीकि नगर पुलिस के अलावा एसएस बी भी सुरक्षा में तैनात रहे। शनिवार की रात बगहा एसपी रामानंद कौशल भी वाल्मीकि नगर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बताते चलें कि प्रत्येक वर्ष माघ अमावस्या पर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर आदि जिलों के साथ ही बिहार के कई जिलों तथा नेपाल से श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए वाल्मीकिनगर पहुंचते है।

माघ अमावस्या पर वाल्मीकिनगर तथा सीमावर्ती त्रिवेणी में मेला का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें बाहर से आनेवाले दुकानदारों के द्वारा श्रृंगार प्रसाधन, दैनिक जरूरत से संबंधी समानों के साथ ही बर्तन की दुकानें लगाया जाता है। जहां श्रद्धालुओं द्वारा खरीदारी की जाती है।

मनरेगा योजना में करोड़ों की बंदरबांट, आरटीआई से हुआ घाटाले का खुलासा

अलीगंज (जमुई), एजेंसी। इ. प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजनाओं में करोड़ों की राशि के बंदरबांट का मामला सामने आया है। आरटीआइ के माध्यम से जानकारी सामने आने के बाद विकास योजनाओं में हुए घोटाले की पोल खुली है।

बताया जाता है कि मनरेगा पदाधिकारी, कर्मी एवं जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने की बजाय सिर्फ कागजी कोरम पूरा कर सरकारी राशि की जमकर बंदरबांट की गई।

जिला प्रशासन की ओर से गठित जांच टीम के तहत डीपीओ नीरज कुमार द्वारा अलीगंज पंचायत में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 के दौरान कराए गए कुल 37 तालाब खोदाई कार्य एवं 10 बांध निर्माण कार्यों की जांच की गई।

जांच के दौरान कई कार्यस्थलों पर काम नहीं होने के बावजूद कागजी रूप से कार्य पूर्ण दिखाकर तत्कालीन अधिकारी, रोजगार सेवक, मनरेगा कर्मी और जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये की राशि गबन किए जाने का आरोप सामने आया है। इधर, शनिवार को पीओ राकेश कुमार ने भी अलीगंज पंचायत में पूर्व में दर्ज शिकायतों की जांच की। उन्होंने बताया कि ये सभी कार्य उनके पदस्थापन से पहले के हैं। डीपीओ के निर्देश पर किए गए निरीक्षण में कार्य संतोषजनक नहीं पाए गए हैं। जांच रिपोर्ट जिला के वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी।

वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि अलीगंज पंचायत में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बिचौलिये मिलकर बिना काम कराए ही कागजी प्रक्रिया पूरी कर करोड़ों रुपये की अवैध निकासी कर चुके हैं। इस संबंध में पंचायत के निवासी मनोज मेहता, अरुण उर्फ पप्पू मेहता, मुकेश यादव, अमरेश कुमार एवं परशुराम प्रसाद द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। ऋक्षद्ध के माध्यम से जानकारी सामने आने के बाद विकास योजनाओं में हुए घोटाले की पोल खुली। ग्रामीणों ने बताया कि मामले की शिकायत दिल्ली स्थित पीएमओ कार्यालय, बिहार सरकार के प्रधान सचिव एवं मुख्यमंत्री कार्यालय तक की गई थी।

गयाजी से चार छात्राएं रहस्यमय तरीके से लापता, मैट्रिक एडमिट कार्ड लेने गई थीं स्कूल

गया जी, एजेंसी। गयाजी से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां मैट्रिक परीक्षा का एडमिट कार्ड लेने स्कूल गई चार छात्राएं अचानक लापता हो गईं। छात्राओं के घर न लौटने पर परिजनों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद स्थानीय थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है और छात्राओं की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजन पहुंचे थाने

मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिन गयाजी शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र से मैट्रिक का एडमिट कार्ड लेने घर से निकली चार छात्राएं अचानक लापता हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। उक्त मामले को सीनियर एसपी सुशील कुमार ने गंभीरता से लिया है। चारों छात्राएं को शीघ्र खोजबीन करने के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। साथ ही पुलिस चारों की तलाश में जुट गई है।

परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि बीते दिन सुबह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। उसके बाद हमलोग खोजबीन शुरू कर दिए। लेकिन, चारों छात्राओं का कुछ भी पता नहीं चला।

चारों छात्राएं दोस्त हैं। सभी छात्राएं डेल्हा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। परिजनों ने बताया कि चारों छात्राएं प्रतिदिन की तरह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। लेकिन, चारों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला।

सीनियर एसपी सुशील कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। जो सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस घर से स्कूल जाने वाले रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगाल रही है। वहीं एक टीम चारों छात्राओं की मोबाइल लोकेशन भी खंगाल रही है।

इस संबंध में सीनियर एसपी सुशील कुमार ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सिटी डीएसपी टू के नेतृत्व में एसआईटी टीम गठित की गई है। हर बिंदुओं पर जांच पड़ताल किया जा रहा है। शीघ्र ही सकुशल सभी छात्राओं को लाया जाएगा।

सात साल की बच्ची से रेप, बिहार के युवक को फांसी, 43 दिन बाद गुजरात कोर्ट का फैसला

पटना, एजेंसी। 7 साल की बच्ची से रेप के मामले में गुजरात की राजकोट कोर्ट ने बिहार के युवक को फांसी की सजा सुनाई है। रेप के बाद युवक ने बच्ची के प्राइवेट पार्ट में 5 इंच लंबी रॉड डाल दी थी। वारदात बीते साल 4 दिसंबर को हुई। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया और 4 दिनों में 8 दिसंबर को आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। 12 जनवरी 2026 को अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। इसके बाद राजकोट की विशेष अदालत को 15 जनवरी को सजा सुनानी थी, लेकिन तारीख बदलकर 17 जनवरी कर दी गई। शनिवार को विशेष अदालत के न्यायाधीश वीए. राणा साहब ने आरोपी रामसिंह तेरसिंह दुडवा (उम्र 30) के खिलाफ अंतिम फैसला देते हुए मौत की सजा सुनाई।

4 दिसंबर को बच्ची के साथ रेप हुआ था

4 दिसंबर 2025 को दोपहर 12 बजे राजकोट जिले के अटकोट के पास कानपार गांव में पीड़िता अपने भाई-बहनों के साथ खेल रही थी। आरोपी रामसिंह तेरसिंह मोटरसाइकिल पर आया और पीड़िता को उठाकर एक पेड़ के पास ले गया। बच्ची के गुप्तांगों में 5 इंच की लोहे की छड़ डालकर उसके साथ बलात्कार किया। बच्ची की चीखें सुनकर बगल के कमरे में मौजूद उसकी चाची दौड़कर आई, जबकि आरोपी रामसिंह मौके से फरार हो गया। बच्ची की गंभीर हालत और ज्यादा खून बहता देख चाची ने तुरंत बच्ची के पिता को बुलाया और उसे एम्बुलेंस से

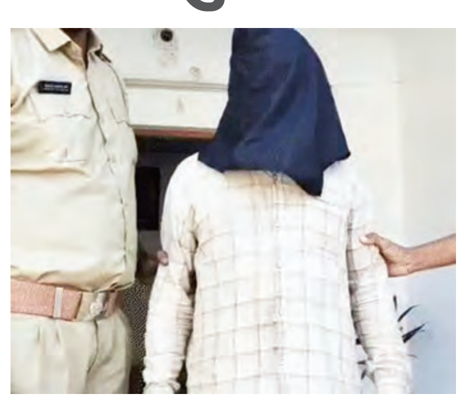

कानपार गांव के सरकारी अस्पताल ले गईं।

बड़ी मुश्किल से बची बच्ची की जान

बच्ची की हालत बेहद गंभीर होने के कारण, उसे उचित इलाज के लिए जसदान सरकारी अस्पताल ले जाया गया और वहां से रात 9 बजे उसे इलाज के लिए राजकोट जनाना अस्पताल में भेज दिया गया। इस दौरान, ज्यादा खून बहने के कारण लड़की का ऑपरेशन किया जा सकता है या नहीं, इसके लिए रेडियोलॉजिस्ट और एक स्त्री रोग विशेषज्ञ की राय ली गई। डॉक्टर्स ने बड़ी मशक्कत से बच्ची की जान बचाई। इसी दौरान, लड़की के पिता ने पुलिस को घटना की सूचना दी, लेकिन चूंकि किसी ने भी आरोपी को नहीं देखा था, इसलिए प्रारंभिक जांच की गई।

8 दिसंबर को पुलिस ने शक के आधार पर रामसिंह को गिरफ्तार किया

8 दिसंबर 2025 को आरोपी रामसिंह को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया और पुलिस हिरासत के दौरान ही कानपार गांव में एक पेड़ के नीचे से खून से सनी एक लोहे की छड़ बरामद की। इसके अलावा, जांच के लिए एक एफएसएल अधिकारी को घटनास्थल पर बुलाया गया। वहां से आरोपी के सिर के कुछ बाल बरामद किए गए। इन सभी वस्तुओं को जांच के लिए भेजा गया और डीएनए टेस्ट से पता चला कि मौके से मिले बाल आरोपी के ही थे। साथ ही, लोहे की छड़ पर लगा खून भी लड़की का ही था।

आरोपी के खिलाफ 11 दिनों में चार्जशीट दाखिल की गई

जांच के दौरान आरोपी का मोबाइल फोन जब्त किया गया। सीडीआर से पता चला कि वारदात के दौरान आरोपी कानपार गांव के इलाके में मौजूद था। जांच अधिकारी ने मात्र 11 दिनों में पूरी पुलिस जांच निपटाकर आरोपपत्र दाखिल कर दिया। इसी दौरान, लड़की के पिता ने अदालत को एक विस्तृत पत्र लिखकर अनुरोध किया कि उनकी बेटी को इस हालत में पहुंचाने वाले आरोपी को कड़ी सजा दी जाए।

पूर्णिया में बेकाबू ट्रक ने मामी-भांजे को कुचला, मौत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में दर्दनाक सड़क हादसे में मामी-भांजे की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने अचानक संतुलन खो दिया। जिसके बाद अनियंत्रित ट्रक ने दोनों को कुचल डाला। हादसे के बाद भाग रहे ड्राइवर को ट्रक समेत लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान चाकडोह निवासी तैजुन निशा और उनके भांजे मो. एहसान के तौर पर हुई है। घटना डगरूआ थाना क्षेत्र के बरसोनी टोल टैक्स के पास की है।

30 साल पहले पति की बीमारी से हुई थी मौत

मृतक मो. एहसान के पिता मो. जमील ने बताया कि दोनों एक पारिवारिक मामले से जुड़े तलाक केस की तारीख पर पूर्णिया सिविल कोर्ट गए थे। केस की सुनवाई पूरी करने के बाद वापस घर लौट रहे थे, तभी ये हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने आरोपी ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। 30 साल पहले तैजुन निशा के पति अब्दुल करीम की बीमारी से मौत हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाड़ी की स्पीड बहुत थी। अचानक ड्राइवर का कंट्रोल बिगड़ गया और दोनों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। अगर लोग नहीं पकड़ते तो ड्राइवर भाग जाता।

वहीं, इस संबंध में डगरूआ थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वाहन को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेजा गया है। आगे की कार्रवाई जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दरभंगा राज का अनोखा इतिहास, बिना युद्ध किए महेश ठाकुर ने स्थापित किया था तिरहुत स्टेट

दरभंगा, एजेंसी। इतिहास में तलवारों की खनक पर स्थापित राज्य और राजाओं की एक से बढ़कर एक कहानी है, लेकिन मिथिला की धरती पर कुछ ऐसा हुआ जहां युद्ध नहीं, बल्कि विद्वता सत्ता की आधार बनी। यही कारण है कि तिरहुत स्टेट (दरभंगा राज) का इतिहास भारत के राजवंशों में एक अनूठी मिसाल के रूप में जाना जाता है।

महाराजाधिराज स्व. कामेश्वर सिंह की अंतिम और तीसरी पत्नी महाधिरानी काम सुंदरी देवी के निधन के साथ ही एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर वह कौन-सी शक्ति थी, जिसने बिना रक्तपात के एक विशाल राज्य की नींव रख दी इस प्रश्न का उत्तर हमें ले जाता है 16वीं शताब्दी में, खंडवाल कुल के विद्वान महेश ठाकुर के पास।

मुगल सम्राट अकबर के दरबार में पहुंचे महेश ठाकुर किसी सेनापति के रूप में नहीं, बल्कि संस्कृत के एक प्रकांड विद्वान के रूप में पहचाने गए। उनके शास्त्रार्थ कौशल की दूर-दूर तक चर्चा थी। दरभंगा राज परिवार पर शोध करने वाली कुमुद सिंह ने बताया कि महेश ठाकुर की प्रशासनिक समझ, शास्त्रीय ज्ञान और व्यवहार कुशलता से प्रभावित होकर अकबर ने उन्हें तिरहुत स्टेट प्रदान किया।

यह भारत के इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है, जब किसी ने बिना युद्ध किए राज्य प्राप्त किया।1556 में महेश ठाकुर ने मधुबनी जिले के भौर में राजधानी स्थापित की और 1569 तक शासन किया। यही वह रेखा थी, जिसे न छोटा किया जा सका और न ही कोई उससे लंबी रेखा ही खींच सका।

महेश ठाकुर के बाद गोपाल ठाकुर ने 1569-81 तक शासन किया। इसके बाद वे काशी चले गए। उसके बाद उनके अनुज परमानंद ठाकुर ने सत्ता संभाली। तदोपरांत उनके सौतेले भाई शुभंकर ठाकुर ने तिरहुत स्टेट की बागडोर संभाली।

शुभंकर ठाकुर ने राजधानी को भौर या भौआरा से स्थानांतरित कर शुभंकरपुर नगर बसाया। यह केवल भौगोलिक बदलाव नहीं था, बल्कि प्रशासनिक विस्तार का संकेत था।1617 से

1641 तक पुरुषोत्तम ठाकुर के शासनकाल में राज्य स्थिरता के दौर में रहा।

हालांकि इसके बाद उनके सातवें छोटे भाई सुंदर ठाकुर को जवाबदेही मिली। उन्होंने 1668 तक शासन किया। सातवें राजा महिनाथ ठाकुर हुए। उनको तिरहुत स्टेट का पहला योद्धा राजा माना जाता है, जिन्होंने सिमराओं परगने के अधीश्वर गजसिंह को पराजित कर राज्य की सीमाएं सुरक्षित कीं। उनका शासनकाल 1690 तक रहा।इसके बाद उनके भाई नरपति ठाकुर दस वर्षों तक यानी 1700 तक गद्दी पर रहे।

18वीं शताब्दी में सत्ता संभालने वाले राधव सिंह के काल में दरभंगा राज के इतिहास ने एक नया मोड़ लिया। उन्होंने 'ठाकुर' के स्थान पर 'सिंह' उपाधि धारण की। यह केवल नाम परिवर्तन नहीं था, बल्कि राजनीतिक और सैन्य शक्ति के विस्तार का संकेत था। उन्होंने 1739 तक शासन किया।

राधव सिंह ने जातिगत सीमाओं को तोड़ते हुए अपने खवास वीरू कुर्मी को कोशी अंचल की जिम्मेदारी सौंपी। नेपाल तराई के पंचमहल परगने के राजा भूपसिंह को रण में पराजित कर उन्होंने दरभंगा राज की ताकत स्थापित की।

1743 तक राजा रहे विष्णु सिंह के बाद राजा राघव सिंह के दूसरे पुत्र नरेंद्र सिंह को गद्दी मिली। उन्हेंने 1770 तक के कार्यकाल दौरान नरहण राज्य के राजा अजित नारायण की मदद से नवाब अलीवर्दी खान की सेना को युद्ध में पराजित किया। उनके बाद पहली बार परिवार की महिला पद्मावती गद्दी पर बैठीं। हालांकि उनका कार्यकाल मात्र आठ साल का रहा। प्रताप सिंह (1778-85) के शासनकाल में राजधानी झंझारपुर पहुंची, लेकिन उनके पुत्र माधव सिंह ने राजधानी को दरभंगा शहर में स्थापित कर दिया।

यही निर्णय दरभंगा को मिथिला की राजनीतिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक राजधानी बनाने वाला साबित हुआ। 1807 तक वे गद्दी पर रहे। लार्ड कार्नवालिस ने उनके शासनकाल में जमीन की दमामी बंदोबस्ती कराई थी। इसके बाद 1839 तक के राजा रहे छत्र सिंह को नेपाल युद्ध को लेकर 1814-15 में हेस्टिंग्स ने महाराजा की उपाधि दी। इसके बाद यह महाराजा का परिवार बन गया। 1850 तक रुद्र सिंह और 1860 तक महेश्वर सिंह महाराज रहे।

हालांकि, महाराज महेश्वर सिंह की मृत्यु के समय कुमार लक्ष्मीश्वर सिंह नाबालिग थे। इस कारण दरभंगा राज को कोर्ट आफ वार्ड्स के तहत ले लिया गया। बाद में कुमार लक्ष्मीश्वर सिंह के बालिग होने पर उन्हें 1880 में सिंहासन सौंप दिया गया, जो 1898 तक बने रहे।

इसके बाद उनके छोटे भाई रामेश्वर सिंह को मौका मिला। जिन्हें 1929 तक के कार्यकाल दौरान ब्रिटिश सरकार की ओर से महाराजाधिराज सहित कई उपाधियां मिलीं। देशभर में मंदिर, भवन और शिक्षण संस्थानों के निर्माण ने उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाई।

उनके निधन के बाद उनके पुत्र कामेश्वर सिंह महाराजाधिराज बने। जिनके कार्यकाल में भारत स्वतंत्र हुआ और जमींदारी प्रथा समाप्त हुई। हालांकि, अपने कार्यकाल में उन्होंने दरभंगा को देश-दुनियां में दर्शनीय बनाने की जी-तोड़ कोशिश की।

विचार-मंथन

संपादकीय

आखिर क्यों नहीं थम रही अमीर-गरीब की दूरी

किसी भी राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आर्थिक समानता का होना बेहद जरूरी है। जब तक सभी नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं होंगी, तब तक विकास के तमाम दावे अधूरे ही साबित होंगे। मगर, चिंताजनक बात है कि दुनिया भर में आर्थिक असमानता का दायरा बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है, बल्कि आमजन की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी आधारभूत जरूरतों तक पहुंच भी सीमित हो रही है। इससे कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।विश्व आर्थिक मंच की नई सर्वेक्षण रपट में भी इस बात को उजागर किया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर के युवा असमानता से चिंतित हैं। मगर इसकी आलोचना करने के बजाय, वे इसमें बदलाव चाहते हैं। सवाल है कि आखिर अमीर–गरीब के बीच खाई घटने की बजाय बढ़ क्यों रही है? क्या शासन और प्रशासन को इस बात का भान नहीं है कि इस असमानता के परिणाम न केवल किसी एक देश, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए घातक हो सकते हैं?इसमें दोराय नहीं कि आर्थिक असमानता के मामले में भारत भी पीछे नहीं है। विश्व असमानता पर हाल में जारी की गई एक रपट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का करीब चालीस फीसद हिस्सा महज एक फीसद लोगों के पास है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में आर्थिक असंतुलन का स्तर कहां पहुंच गया है। युवा वर्ग भी इससे प्रभावित हो रहा है और वह व्यवस्था में बदलाव तो चाहता है, लेकिन इसके लिए उसे सही मंच और अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।विश्व आर्थिक मंच की रपट में कहा गया है कि सर्वेक्षण के दौरान सत्तावन फीसद युवाओं ने इस असमानता पर गंभीर चिंता जताई है। आर्थिक असमानता बढ़ने की चेतावनी पहले भी दी जाती रही है, लेकिन इस पर गंभीरता दिखाने की पहल दुनिया के किसी कोने में नजर नहीं आई है। ऐसे में इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब किसी देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा चंद लोगों के हाथों में आ जाएगा, तो उसका परिणाम क्या होगा।

ऑनलाइन– क्यों नहीं रुक पा रही साइबर ठगी?

पिछले कुछ वर्षों में साइबर धोखाधड़ी का जाल इतना व्यापक हो गया है कि कब कौन ठगी का शिकार हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। जिस तेजी से इस तरह के मामले बढ़ रहे हैं, वह गंभीर चिंता का विषय है। सवाल है कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में साइबर ठगी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? जालसाजी में फंसकर लोगों के जीवन भर की जमा पूंजी हाथ से निकल जाती है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे मामलों में तो पीड़ित को मानसिक यातना भी झेलनी पड़ती है।इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के विशेष सचिव की अगुआई में अंतर–मंत्रालयी समिति बनाई है। साथ ही यह भी कहा है कि 'डिजिटल अरेस्ट' से संबंधित सभी मामलों की जांच अब सीबीआइ करेगी। मगर, सरकार का यह कदम तभी कारगर साबित होगा, जब साइबर धोखेबाजों को किसी वारदात को अंजाम देने से पहले ही रोक दिया जाए।गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने अपने एक आदेश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा था कि सरकार को इससे निपटने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। दरअसल, देश में आनलाइन लेन–देन बढ़ने के साथ ही साइगर ठगी के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आम नागरिक और खासकर बुजुर्ग नई तकनीक और आनलाइन जोखिम से अनजान हैं। जरा सी चूक होने पर लाखों रुपए जालसाजों के हाथ में चले जाते हैं। चिंता की बात यह है कि साइबर धोखाधड़ी के लिए आए दिन नए–नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि आम लोगों को डिजिटल साक्षरता के जरिए व्यापक स्तर पर जागरूक किया जाए। मसला सिर्फ इस तरह के मामलों की जांच का नहीं है, बल्कि जरूरत इस बात की है कि अपराध होने से पहले ही उसे रोक दिया जाए। जब तक साइबर अपराधियों की धर–पकड़ के लिए मजबूत तंत्र स्थापित नहीं किया जाएगा, तब तक इस ऐसे मामलों पर पूरी तरह रोक लगा पाना संभव नहीं हो पाएगा।

सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे?बीते वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी।

मिनटों में सामान, लेकिन सड़क पर जान की जिम्मेदारी किसकी?

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अत्यधिक व्यस्तता के बीच आनलाइन सामान पहुंचाने का कारोबार न केवल रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़े बाजार की शक्ल ले चुका है। खासकर कोविड महामारी के बाद से इसमें जबरदस्त उछाल आया है और अब मांग पर हर तरह के उत्पाद मिनटों में घर पर पहुंच जाते हैं। मगर तत्काल सामान पहुंचाने की होड़ में इस कार्य से जुड़े कर्मियों पर आनलाइन कंपनियों के दबाव और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।सामान पहुंचाने के दौरान सड़क हादसों में मौत हो जाने की देश भर में कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब दस मिनट में सामान पहुंचाने से संबंधित कंपनियों के दावों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे?बीते वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। कुछ अरसे से ऑनलाइन बाजार की यह कह कर हिमायत की जा रही है कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और उपभोक्ताओं को भी अपनी पसंद के सामान की खरीदारी का आसान विकल्प मिल गया है। साथ यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अपने कार्य की अवधि खुद तय करने की आजादी है।मगर, क्या वास्तव में उन्हें काम करने की आजादी है? निर्धारित समय के भीतर सामान पहुंचाने और प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव कई बार उन्हें मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक तकलीफ भी देता है। इस दबाव में सड़क पर तेज रफ्तार में दोपहिया वाहन चलाने से हर समय जान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में दस मिनट में सामान पहुंचाने के वादों पर रोक लगाना निहायत जरूरी हो गया था।नीति आयोग की वर्ष 2022 की एक रपट के अनुसार, वर्ष 2020 में देश भर में आनलाइन मांग पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की संख्या करीब 77 लाख थी और यह आंकड़ा 2030 तक 2.35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे यह बात तो स्पष्ट है कि आनलाइन बाजार के कारोबार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन साथ ही संबंधित कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में कर्मियों की सुरक्षा और काम के दबाव का संकट भी पैदा हुआ है।कहा जा रहा है कि सरकार के आदेश के बाद आनलाइन कंपनियों ने अपने मंच से दस मिनट में सामान पहुंचाने का दावा हटा लिया है। मगर इस तरह की कोशिशें फिर से किसी दूसरे रूप में न हों, इसके लिए सरकार की ओर से एक निगरानी तंत्र बनाने की जरूरत है। सरकार को संबंधति आनलाइन मंचों के साथ मिलकर यह कोशिश करनी होगी कि श्रमशक्ति का यह हिस्सा सुरक्षित वातारण में विकास और सामाजिक गतिशीलता की सीढ़ी बने और उनके अधिकारों की भी रक्षा हो सके।

साइबर ठगों का बढ़ता जाल, क्यों भारत में थम नहीं पा रही ऑनलाइन धोखाधड़ी : भारत में साइबर धोखाधड़ी नहीं थम पा रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? वर्तमान समय में इस अपराध के इतने स्वरूप हैं कि पीड़ित व्यक्ति ठगों की साजिश को एकबारगी समझ नहीं पाता और वह जीवन भर की कमाई लुटा बैठता है। यही वजह है कि साइबर अपराधी हर वर्ष लोगों को करोड़ों की चपत लगा रहे हैं।विश्व आर्थिक मंच ने दावोस बैठक से पहले अपनी 'वार्षिक जोखिम रपट' में भारत में बढ़ती इसी साइबर असुरक्षा को लेकर आगाह किया है। जिनमें साइबर असुरक्षा को विशेष रूप से शामिल किया है।दरअसल, देश में इस असुरक्षा के लगातार बढ़ते जाने की एक बड़ी वजह यह है कि ठगों ने देश से लेकर विदेश तक अपना जाल बिछा लिया है। इस लिहाज से यह न सिर्फ तकनीकी समस्या है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला भी है।चिंता की बात यह है कि हम साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए निगरानी तंत्र आज तक मजबूत नहीं कर पाए हैं। नागरिकों में भी डिजिटल साक्षरता का अभाव दिखता है। एक गंभीर समस्या डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो और चित्रों की भी है।

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है।नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे।ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है।

साल 2025 क्यों बना अब तक का सबसे गर्म ला नीना वर्ष?

(संजय पांडे)

साल 2025 में पृथ्वी की 9.1 फीसदी सतह ने अब तक का सबसे अधिक वार्षिक औसत तापमान दर्ज किया। इसमें 10.6 फीसदी भूभाग ऐसे रहे जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी, जबकि 8.3 फीसदी महासागरीय क्षेत्र भी अपने इतिहास के सबसे गर्म स्तर तक पहुंच गए। साल 2025 जलवायु इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हुआ है, जिसने वैज्ञानिकों की दशकों पुरानी समझ को भी चुनौती दे दी। जिस ला नीना को आमतौर पर वैश्विक तापमान को कुछ हद तक संतुलित करने वाली ठंडी जलवायु अवस्था माना जाता है, उसी की मौजूदगी में धरती ने असामान्य और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी झेली। बर्कले अर्थ के विस्तृत विश्लेषण के अनुसार 2025 न केवल रिकॉर्ड में तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, बल्कि अब तक का सबसे गर्म ला नीना वर्ष भी साबित हुआ। इस गर्मी का सीधा असर दुनिया की करीब 77 करोड़ आबादी पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में अब तक का सबसे गर्म साल अनुभव किया। आखिर क्या है ला नीना और इससे क्या उम्मीद की जाती है? ला नीना, अल नीनो दक्षिणी दोलन यानी ईएनएसओ प्रणाली की ठंडी अवस्था है। यह भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र सतह के सामान्य से ठंडा होने के कारण बनती है। परंपरागत रूप से इसका असर यह होता है कि वैश्विक औसत तापमान में कुछ हद तक गिरावट आती है,खासकर तब जब इससे पहले अल नीनो जैसी गर्म अवस्था सक्रिय रही हो। इसी कारण वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि 2025 में गर्मी का दबाव कुछ कम होगा। 2025 में यह उम्मीद क्यों टूट गई? बर्कले अर्थ की ग्लोबल टेम्परेचर रिपोर्ट 2025 बताती है कि साल की शुरुआत और अंत दोनों ही चरणों में ला नीना की स्थिति मौजूद थी। दिसंबर 2024 में यह विकसित हुई और मार्च 2025 तक बनी रही। अप्रैल में हालात तटस्थ हुए, जबकि सितंबर 2025 में ला नीना ने दोबारा वापसी की। इसके बावजूद धरती का औसत तापमान सामान्य से 1.44 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। यह स्तर 2024 और 2023 के बाद तीसरा सबसे ऊंचा है। यानी जिस ला नीना से ठंडक की उम्मीद थी, वह इस बार वैश्विक गर्मी को रोक पाने में लगभग असफल रहा। वैज्ञानिक इसे संकेत मानते हैं कि अब वैश्विक तापमान केवल ईएनएसओ जैसे प्राकृतिक चक्रों से नियंत्रित नहीं हो रहा। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 2025 में पृथ्वी की 9.1 फीसदी सतह ने अब तक का सबसे अधिक वार्षिक औसत तापमान दर्ज किया। इसमें 10.6 फीसदी भूभाग ऐसे रहे जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी, जबकि 8.3 फीसदी महासागरीय क्षेत्र भी अपने इतिहास के सबसे गर्म स्तर तक पहुंच गए। खास बात यह रही कि यह गर्मी उन क्षेत्रों में ज्यादा केंद्रित रही जहां दुनिया की बड़ी आबादी रहती है, जिससे इसके सामाजिक, स्वास्थ्य और आर्थिक असर और गंभीर हो गए। बर्कले अर्थ के अनुसार दुनिया की करीब 8.5 फीसदी आबादी यानी लगभग 77 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहां 2025 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा। इसका सबसे बड़ा प्रभाव एशिया में देखा गया। वैज्ञानिकों के लिए यह तथ्य इसलिए भी अहम है क्योंकि दुनिया के किसी भी हिस्से में 2025 को रिकॉर्ड का सबसे ठंडा साल नहीं पाया गया। यह वैश्विक स्तर पर गर्मी के असंतुलन को दर्शाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5978

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5977

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5978

1	2		3	■	4		5
6		■	7			■	
8		9		■	10	11	
	■		■	12			■
13	14		■	15		■	16
17		■	18		■	19	
■	20	21	■	■	22		
23			■	24		■	

संकेतः बाएं से दाएं
1. बुलंद दरवाजा अकबर द्वारा यह राज्य जीतने के उपलक्ष्य में बनवाया गया था (4)
4. एक फूल का नाम जो ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है (3)
6. लगातार घंटा बजने का शब्द, एक अंग्रेजी तौल जो 28 मन के बराबर होता है (2)
7. दुर्बोध, कठिन, उलझा हुआ (3)
8. बाहर आना, प्रकट होना, उदित होना (4)
10. यह वैजयंतीमाल कीपहली फिल्म थी (1951), शोभा, सुंदरता (3)
12. मनुज, इंसान, मानव (3)
13. कागज, समाचार पत्र, अखबार (3)
15. देह, काया, जिस्म (2)
17. हानि, नुकसान (2)
18. यह बनारस का पुराना नाम है (2)
19. वर्ष, बरस (2)
20. उपवास, नियम (2)
21. सुगंध, महक, गमम (3)
23. व्याकुल, बेचैन, बेसब्र (3)
24. तड़का, प्रातःकाल, सबेरा (2)

ऊपर से नीचे
1. जो किसी गुट विशेष से संबद्ध न हो (6)
2. पिता, पैदा करने वाला, मिथिला के राजवंशियों की एक उपाधि (3)
3. त्यागना, छोड़ना (3)
4. फूल जैसा कोमल अंग वाली या वाला (5)
5. तड़का, झौंक (3)
9. चित्रकला में लता आकृति का अंकन, छोटी लता (3)
11. स्वीकृति या हां करने की क्रिया या भाव (2)
12. आग की लपट जैसा ला, आग से उत्पन्न होने वाला (3)
14. पति के प्रति अनन्य अनुराग एवं भक्ति भाव रखने वाली (4)
16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का एक नाम, बलदेव, बलवीर (4)
19. पदार्थ का मुख्य और मूल अंश, यथार्थ बात (2)
21. विशिष्ट परिस्थिति में, उस समय, इसके पश्चात, तुरंत बाद (2)
22. सूर्य संबंधी, सूर्य से प्राप्त या उत्पन्न (2)

वर्ग पहेली 5977 का हल

मं	गो	लि	या	■	को	ला	र
शा	दा	ब	■	श	ह	ना	ई
■	न	र	मी	■	रा	■	स
प्र	■	ल	त	र	■	अ	■
ता	ल	■	■	त	ह	जी	ब
प	ह	ल	■	न	■	त	ल
भा	र	■	मी	■	मु	■	रा
नु	■	ख	रा	■	झे	ल	म

आज का राशिफल

मेष
व्यापार के मामले में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी रिश्तेदार की आपको सहायता करनी पड़ सकती है। इससे आपका मन अत्यन्त प्रसन्न रहेगा। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। भागदौड़ की अधिकता रहेगी। सहकर्मियों के सहयोग से आपके काम जल्दी पूरे हो जायेंगे। जॉब के नये अवसर आपको मिल सकते हैं।

वृष
घर के बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त होगा। विद्यार्थी उच्च शिक्षा की तैयारी करेंगे। किसी पर भी आँख-मूँदकर भरोसा न करें। ऑफिस का कोई अति महत्वपूर्ण कार्य आपके सामने आ सकता है। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर संवेदनशील और भ्रामक पोस्टों को लाइक शेयर करने से बचें।

कर्क
अपनी कार्यशैली को लेकर आत्ममन्थन करेंगे। दिनचर्या का बड़ा समय पढ़ने और शोध आदि में दे सकते हैं। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। आज केवल आवश्यक कार्यों को ही प्राथमिकता दें। रिश्तों को लेकर कुछ असमंजस भरी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा की योजना भी बना सकते हैं।

सिंह
अच्छे मित्रों के संयोग से मन प्रफुल्लित रहेगा। पैतृक सम्पदा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। सन्तान के भविष्य को लेकर कुछ निर्णय लेने पड़ सकते हैं। धीरे-धीरे अटके मामलों को सुलझा लेंगे। समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं।

मिथुन
आपके बारे में लोगों की राय मिश्रित रहेगी। लोग मीठा बोलकर आपसे अपने काम करवाने का प्रयास करेंगे। आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सार्वजनिक क्षेत्रों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। निजी रिश्तों में मधुरता आयेगी। अपने ऊपर काम का अतिरिक्त बोझ न लादें।

कन्या
आप लोगों के लिये प्रेरणास्रोत बनाकर उभरेंगे। पूर्वनिर्धारित कार्यों की योजना समय से पहले बना लें। समय का सदुपयोग करेंगे। इन्श्योरेंस जैसे कार्यों से अधिक लाभ प्राप्त होगा। शाम को सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

तुला
फाइनेन्स सम्बन्धी कार्यों से जुड़े अवरोध दूर होंगे। अपनी प्रबल इच्छाशक्ति से सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पदोन्नति के योग प्रबल हैं। छोटे भाई बहनों के साथ किसी गम्भीर विषय पर चर्चा कर सकते हैं। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। किसी बड़ी डील से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है।

वृश्चिक
पारिवारिक समस्याओं के कारण मन विचलित हो सकता है। छोटे उद्योग कर रहे लोगों को कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। गलत रास्तों का चुनाव न करें। आँखों में जलन जैसी समस्या हो सकती है। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। हार्डवेयर से सम्बन्धित कारोबार में लाभ की सम्भावना बन रही है।

मकर
कार्यक्षेत्र में सारे कार्य अपनी जिम्मेदारी में करें। मधुमेह के रोगियों को दवाओं के प्रयोग में लापरवाही नहीं करनी चाहिये। अपच के कारण मुँह में छाले पड़ सकते हैं। अनावश्यक कहीं बाहर न जायें। आज आपको अचानक कुछ अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। प्रेम सम्बन्धों में धोखा मिल सकता है। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। गलत रास्तों का चुनाव न करें।

कुंभ
जीवनसाथी के प्रति अपनापन और प्रेम दोनों ही बढ़ेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी प्रोडक्ट की गुणवत्ता पर ध्यान देना पड़ेगा। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। गलत रास्तों का चुनाव न करें। अपनी मानसिक स्थिति सकारात्मक बनाकर रखें। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। पुराने सम्बन्धों का लाभ आपको मिलेगा।

धनु
कार्यक्षेत्र में आपका अपमान हो सकता है। यह भी सम्भव है कि आप ही सही हों लेकिन सही बात कहने पर भी आप लोगों के सामने बुरे बन सकते हैं। घर के कार्यों में भी अधिक मन नहीं लगेगा। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। नशे का सेवन बिल्कुल भी न करें। शेयर मार्केट में अत्यधिक धन निवेश करने से बचें।

मीन
कार्यक्षेत्र में अचानक परिवर्तन हो सकते हैं। पहले की गयी मेहनत से आपको लाभ मिलेगा। आर्थिक परेशानियों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा। आज व्यवसाय में नये तरीके की योजना अपनानी पड़ेगी। ऑफिस में लोग आपका अत्यधिक सहयोग करेंगे। रिटेल कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

फिल्म मायासभा में डरावने किरदार में नजर आएंगे जावेद जाफरी

तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे अपनी दूसरी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है मायासभा। मायासभा का खौफनाक टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म के टीजर में जावेद जाफरी का अनोखा अवतार देखने को मिला, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। जानिए कब रिलीज हो रही है फिल्म मायासभा।

मायासभा का टीजर हुआ रिलीज

निर्देशक राही अनिल बर्वे की आगामी हॉरर फिल्म मायासभा का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर की शुरुआत एक छोटे बच्चे से होती है, जो हेलमेट पहने सड़कों पर भटक रहा होता है। इस सीन में पीछे जावेद जाफरी की आवाज में कबीर का एक दोहा सुनाई देता है। गौर से देखें तो यह फिल्म एक तरह से सर्वाइवल हॉरर की कहानी ज्यादा लग रही है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मायासभा 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आपको रहस्य, जादू और रोमांच देखने को मिलेगा। इस फिल्म का निर्देशन तुम्बाड के लेखक और निर्देशक राही अनिल बर्वे ने किया है। यह राही अनिल बर्वे की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जावेद जाफरी एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे।

फिल्म मायासभा की कास्ट

इस फिल्म में जावेद जाफरी के अलावा वीना जामकर, दीपक दामले और मोहम्मद समद भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण गिरीश पटेल और अंकूर जे सिंह कर रहे हैं। शामराव भगवान यादव, चंदा यादव, केवल हांडा और मनीष हांडा इसके सह-निर्माता हैं।

ड्रीम को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा ने अब तक एक्शन, हॉरर, ड्रामा से लेकर बोल्ड रोल्स तक हर तरह की फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन वह किसी खास डायरेक्टर, एक्टर या कहानी के पीछे नहीं भागतीं। अदा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं और बाकी सब यूनिवर्स पर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। खास बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपने ड्रीम को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है।

अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो द केरल स्टोरी कभी नहीं होती। सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए।

अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं। 1920 में मैंने डरावना किरदार निभाया, सनफ्लावर में बोल्ड बार डांसर रोजी का, द केरल स्टोरी में भोली-भाली मासूम लड़की का और कमांडो में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है। साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं, उन्हें रुलाना, हंसाना, एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी, हॉरर सब कुछ देना चाहती हूं। मैं बहुत लकी हूं कि मुझे ऐसे रोल्स मिल रहे हैं।

पहली बार साथ आ रहे अल्लू अर्जुन और लोकेश कनगराज

अर्जुन की नई फिल्म की घोषणा हो गई है। अपनी 23वीं फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ आ रहे हैं। आज लोकेश कनगराज ने इस नई फिल्म की घोषणा कर दी है। इसके लिए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। हालांकि, अभी फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभी फिल्म को एए 23 के नाम से पहचाना जाएगा। फिल्म की घोषणा करते हुए लोकेश कनगराज ने अपने एक्स वीडियो के साथ एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में लोकेश ने लिखा, ' अल्लू अर्जुन आपके साथ इस सफर की शुरुआत करने के लिए उत्सुक हूं। अल्लू अर्जुन ने भी घोषणा का वीडियो अपने इंस्टाग्राम साझा किया है। इसे पोस्ट करते हुए एक्टर ने लिखा, धूम मचाने जा रहा हूं। बेमिसाल लोकेश कनगराज गारू के साथ इस नई यात्रा को लेकर उत्साहित हूं। आखिरकार भाई अनिरुद्ध रविचंद्र के साथ आ रहा हूं। इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।'

लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही ये सातवीं फिल्म है। पहली बार लोकेश कनगराज अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले अल्लू अर्जुन जहां 'पुष्पा 2' में नजर आए थे। वहीं इन दिनों वो एटली के साथ अपनी आगामी फिल्म में व्यस्त हैं। इसे काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसमें दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं लोकेश कनगराज की आखिरी फिल्म साल 2025 में आई 'कुली' थी। इस फिल्म में रजनीकांत प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत के अलावा आमिर खान, उपेंद्र, नागार्जुन और सोबिन शाहिर जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में थे।

शाहरुख की किंग और लव एंड वॉर अब दो पार्ट में रिलीज होंगी

बालीवुड के स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इसका पहला पार्ट 2025 में रिलीज हुआ और सुपरहिट साबित हुआ। अब मेकर्स 2026 में इसका दूसरा पार्ट रिलीज करने की तैयारी में हैं। इस स्ट्रैटेजी की कामयाबी देखकर अब शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली अपनी फिल्म को दो पार्ट में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। शाहरुख और भंसाली कैंप में दोनों फिल्मों की रिलीज स्ट्रैटेजी पर गंभीर चर्चा चल रही है। शाहरुख की किंग और भंसाली की लव एंड वॉर मेगा बजट फिल्में हैं। किंग में शाहरुख की बेटी सुहाना लीड रोल में हैं।

धुरंधर की जबरदस्त सफलता से प्रेरित होकर लिया फैसला

धुरंधर की सफलता से प्रेरित होकर दोनों ही मेकर्स अपनी फिल्मों को दो हिस्सों में बांटने और 6 महीने से कम गैप में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लव एंड वॉर अगस्त 2026 और जनवरी 2027 में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विकी कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं किंग सितंबर 2026 और मार्च 2027 में बड़े परदे पर दस्तक दे सकती है।

बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी कृति शेट्टी इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि टाइगर श्रॉफ ने मस्ती 4 के निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसे टी-सीरीज प्रोड्यूस करेगी। इसी फिल्म के लिए कृति का नाम सामने आ रहा है। हालांकि इन अटकलों पर कृति ने खुद प्रतिक्रिया दी है। बताया कि उन्हें बॉलीवुड से कुछ प्रस्ताव जरूर मिले हैं लेकिन अभी किसी पर मुहर नहीं लगी है। कृति के मुताबिक, मुझे कुछ ऑफर्स आए थे लेकिन कई बार डेट्स मैच नहीं होतीं। बॉलीवुड का काम करने का तरीका दक्षिण भारतीय सिनेमा से काफी अलग है। यहां आमतौर पर शेड्यूल एक साथ प्लान किया जाता है, जबकि साउथ में काम थोड़ा बिखरे हुए शेड्यूल में होता है। कृति ने कहा... मैं मुंबई में पैदा हुई और पली-बढ़ी हूं, इसलिए हमेशा से लगता था कि हिंदी में काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा रहेगा। जब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, तो वहां कुछ अलग और नया महसूस हुआ। इस प्रोसेस ने मुझे हिंदी इंडस्ट्री में काम करने के लिए और ज्यादा उत्साहित कर दिया है।

कॉकटेल 2 में रोमांटिक और मॉडर्न अवतार में नजर आएंगे शाहिद

बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में हैं। विशाल भारद्वाज के साथ उनकी चौथी फिल्म ओ रोमियो वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने जा रही है, वहीं इसी साल कॉकटेल 2 भी दर्शकों के सामने आएगी। एक ओर जहां ओ रोमियो में शाहिद अंडरवर्ल्ड बैकड्रॉप में नजर आएंगे, वहीं कॉकटेल 2 में उनका रोमांटिक और मॉडर्न अवतार देखने को मिलेगा।

स्पेन और मुंबई में हुई फिल्म की शूटिंग

कॉकटेल 2 को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस ने दिलचस्प कहानियों का कॉकटेल तैयार कर लिया है। एक वर्ग मानता है कि यह फिल्म पहली कॉकटेल की विरासत को आगे बढ़ाएगी, जहां शाहिद का किरदार वेरोनिका की जिंदगी में पुराने

दोस्त या नए पार्टनर के रूप में एंट्री कर सकता है। वहीं दूसरा बड़ा तबका मानता है कि यह फिल्म आज के दौर के मॉडर्न रिश्तों, हुकअप कल्चर और प्यार-दोस्ती की उलझनों को दिखाया जाएगा। ओ रोमियो की शूटिंग स्पेन और मुंबई के बोरीवली स्थित बाहुबली स्टूडियो में हुई।

शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं

कबीर सिंह की भारी सफलता के बाद शाहिद ने खुद को एक इंटेंस, एंग्री और इमोशनली ब्रोकन किरदारों के अभिनेता के रूप में स्थापित किया। ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं, जो सिर्फ स्टारडम नहीं बल्कि कंटेंट और क्रिटिकल वैल्यू को भी प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, लगातार डार्क और हिंसक भूमिकाओं का चयन उनके करियर में स्टोरियो टाइप का खतरा भी पैदा कर सकता है।

फिल्म के लिए शाहिद कपूर ने किया अपना ट्रांसफॉर्मेशन

विशाल भारद्वाज की मांग के अनुरूप शाहिद ने पिछले आठ महीनों में अपनी बॉडी को पूरी तरह बदल दिया है। यह बदलाव सिर्फ लुक के लिए नहीं, बल्कि किरदार की शारीरिक और मानसिक जरूरतों के हिसाब से किया गया है। शाहिद ने पारंपरिक बॉडी-बिल्डर लुक छोड़कर लीन और वायरी फिजीक पर फोकस किया, जो एक स्ट्रीट फाइटर और अंडरवर्ल्ड कैरेक्टर को ज्यादा प्रामाणिक बनाता है। इसके लिए उन्होंने कैलिस्थेनिक्स, फंक्शनल ट्रेनिंग और हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट अपनाए।

हुसैन उस्तरा और अशरफ खान की कहानी है ओ रोमियो

इंडस्ट्री के भीतर चल रही चर्चाओं के अनुसार... ओ रोमियो 80 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के एक बेहद क्रूर और वास्तविक अध्याय से प्रेरित मानी जा रही है। मजबूत व्यापारिक थ्योरीज संकेत देती हैं कि शाहिद कपूर का किरदार कुख्यात गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर बेस्ड हो सकता है, जो अपनी निडरता और दाऊद इब्राहिम से सीधी दुश्मनी के लिए जाना जाता था। टीजर में तृप्ति डिमरी की मौजूदगी को अंडरवर्ल्ड की चर्चित शख्सियत अशरफ खान के किरदार से जोड़कर देखा जा रहा है। पति की हत्या का बदला लेने के लिए सपना दीदी ने हुसेन उस्तरा के साथ हाथ मिलाया था।

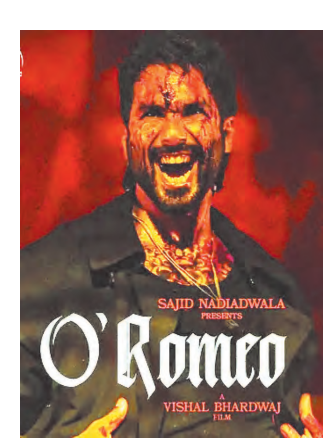

संक्षिप्त समाचार

जेल में बंद भाई से मिलने गए युवक का थार से अपहरण

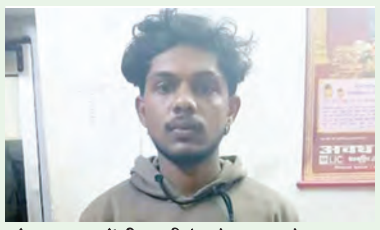

गोरखपुर, एजेंसी। यूपी के गोरखपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां जिला जेल में बंद भाई से मिलने जा रहे युवक का काले रंग की थार सवार युवकों ने शनिवार को अपहरण कर लिया और मारपीट कर एक्सप्रेसवे पर छोड़कर फरार हो गए। शाहपुर पुलिस ने केस दर्ज कर चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। घटना में प्रयुक्त थार भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों में लेनदेन का विवाद बताया जा रहा है। थाना खोराबार के भैंसहा बाढ़न के रहने वाला 20 साल का अमन कुमार राव अपनी मां सीमा देवी के साथ शनिवार को जेल में हत्या के प्रयास में बंद अपने भाई हर्ष कुमार से मिलने गया था। आरोप है कि इसी दौरान जंगल अयोध्या प्रसाद निवासी निगम भारती अपने साथियों के साथ थार से पहुंचा और अमन को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। उसकी मां के शोर मचाने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आरोपियों ने अमन का मोबाइल फोन बंद कर दिया और मारपीट करने के बाद उसे सिकरीगंज लिंक एक्सप्रेसवे पर छोड़ दिया। पुलिस ने खोराबार के निगम भारती और श्याम सुंदर, रामगढ़ताल क्षेत्र के शैलेंद्र निषाद, बांसगांव के शुभम यादव को हिरासत में लिया है। पूछताछ में पता चला कि अमन और निगम के बीच 60 हजार रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उधर, संतकबीरनगर के कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के डीघा में जमीन के विवाद को लेकर शनिवार की शाम को दो पक्ष पुलिस के सामने ही भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर चले गए।जिसमें दोनों पक्षों से पांच-छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर दोनों पक्षों के एक दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया।

बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 4 नक्सलियों को मार गिराया

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को हुई मुठभेड़ के बाद चार नक्सलियों को मार गिराया। इनमें से एक की पहचान नेशनल पार्क एरिया कमेटी के डीवीसीएम दिलीप बेज्जा के रूप में हुई है, वहीं अन्य तीन नक्सलियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। सुरक्षाबलों ने इस कार्रवाई को उस सूचना के बाद अंजाम दिया, जिसमें उसे इलाके में नक्सलियों के बड़े नेता पापाराव समेत अन्य चार माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया और कई बार हुई मुठभेड़ के बाद चार नक्सलियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ की जानकारी देते हुए बस्तर रेंज के आईजी पी.सुंदरराज ने बताया कि 'बस्तर संभाग के अंतर्गत प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी माओवादी संगठन के विरुद्ध प्रभावी रूप से लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में 17 जनवरी शनिवार को जिला बीजापुर के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादी संगठन के पापाराव, डीवीसीएम दिलीप बेज्जा एवं अन्य माओवादियों की उपस्थिति की सूचना के आधार पर डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ की संयुक्त टीम अभियान के लिए रवाना हुई।' आगे उन्होंने कहा, 'इसके बाद तलाशी के दौरान दिन में कई बार माओवादियों एवं सुरक्षाबलों के बीच में मुठभेड़ हुई। फायरिंग खत्म होने के बाद जब इलाके की सर्चिंग की गई तो मौके से चार माओवादियों की डेडबॉडी, दो एके-47 राइफल, एक 303 राइफल और अन्य हथियार सुरक्षाबलों ने बरामद किए।' पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान डीवीसीएम दिलीप बेज्जा के रूप में हुई है, जो कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी का इंचार्ज था।

लोकसभा की सभी 80 सीटें भी जीत गए तब भी ईवीएम को पसंद नहीं करूंगा: अखिलेश यादव

भुवनेश्वर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव शनिवार को ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचे। यहां उन्होंने विजन इंडिया कार्यक्रम में खुलकर अपनी बात रखी। ईवीएम को लेकर अखिलेश ने एक बार फिर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर वह लोकसभा की सभी सीटें जीत भी गए तब भी वह ईवीएम को पसंद नहीं करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, 'अगर मैं 80 लोकसभा सीटें भी जीत गया तब भी ईवीएम को पसंद नहीं करूंगा। मैंने लोकसभा में कहा, अगर ये बात गलत है तो भाजपा कहे और अभी तो बीजेपी को हराया है न, बैलेट पेपर से भी बड़े पैमाने से हराएंगे। हम विकसित भारत बनना चाहते हैं। मैंने कोट किया है कि जर्मनी में ये बात मानी जाती है कि अगर आप ईवीएम से वोटिंग कराएंगे तो असंवैधानिक माना जाएगा। अमेरिका में चॉइस है। जापान ने जिसने इन्वेंट की ईवीएम, वहां ईवीएम से वोट नहीं डलवा रहा। हमारे यहां लोग बेचारे जागरूक नहीं हैं, पढ़ें-लिखें नहीं हैं। अभी तो उनको हाथ धोना सीखा रहे हैं कि हाथ धोककर खाना खाइए। बीमार हैं तो इलाज कराने जाइए। प्राइमरी एजुकेशन कैसी है ये आपसे बेहतर कौन जानता है।' अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के

कार्यकाल में जितने मंदिर देश में तोड़े गये हैं, उतने अब तक किसी राजा के शासनकाल में नहीं तोड़े गये हैं। भाजपा सरकार में पौराणिक मंदिरों को तोड़ा जा रहा है लेकिन हम लोग क्या करें, मीडिया भाजपा के साथ है। मैं सैफई, इटावा में एक मंदिर बनवा रहा हूं, भाजपा के लोग उसमें भी टंगड़ी लगा रहे हैं। कुछ न कुछ करते रहते हैं। भाजपा सरकार ने काशी का बहुत बुरा कर दिया है। अब न क्यूटो बना और न काशी रह गयी। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। हम सबका लक्ष्य भाजपा को हटाना होना चाहिए।

इंदौर में सड़क पर भीख मांगने वाला करोड़पति निकला, तीन मकान और कार का मालिक

● मांगीलाल व्यापारियों को देता था ब्याज पर रुपये

इंदौर एजेंसी।
इंदौर में भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने शनिवार को ऐसे भिक्षुक का रेस्क्यू किया, जिसने हर किसी को चौंका दिया। सराफा क्षेत्र में वर्षों से भीख मांगने वाला भिक्षुक मांगीलाल हकीकत में करोड़ों की संपत्ति का मालिक निकला।

लकड़ी की फिसलने वाली गाड़ी, पीठ पर बैग और हाथ में जूते के सहारे सराफा बाजार की सड़कों पर घूम-घूमकर भिक्षा मांगने वाला मांगीलाल लोगों की सहानुभूति का फायदा उठाकर रोजाना सैकड़ों रुपये कमा रहा था।

मांगीलाल के अनुसार, रोजाना लोगों से पांच सौ से एक हजार रुपये मिल जाते थे, लेकिन इससे कई गुना अधिक उसकी रोजाना की कमाई होने का अनुमान लगाया जा रहा है। भिक्षावृत्ति से मिलने वाले रुपये वह सराफा क्षेत्र में ही कुछ व्यापारियों को ब्याज पर भी देता था।

दरअसल, इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार अभियान

चलाया जा रहा है। इसके लिए रेस्क्यू दल गठित किए हैं। इन दलों ने शनिवार को सराफा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति करने वाले मांगीलाल का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू दल के नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि सराफा क्षेत्र से लगातार भिक्षावृत्ति की शिकायतें के बाद मांगीलाल का रेस्क्यू किया गया। मांगीलाल ने पूछताछ में बताया कि उसके पास शहर के अलग-अलग इलाकों में तीन पक्के मकान हैं। इसमें भगत सिंह नगर में 16 बाय 45 फीट का तीन मंजिला मकान, शिवनगर में 600 वर्गफीट का दूसरा पक्का मकान और अलवास में 10 बाय 20 फीट का एक बीएचके का मकान है। अलवास का मकान शासन द्वारा रेड क्रास की मदद से दिव्यांगता के आधार पर दिया गया था।

मांगीलाल के पास तीन ऑटो भी हैं, जिन्हें वह किराए पर चलाता है। इसके अलावा मांगीलाल के पास एक डिजायर कार भी है, जिसे चलाने के लिए ड्राइवर भी रखा हुआ है। मांगीलाल अलवास में अपने माता-पिता के साथ रहता है। इसके दो भाई भी हैं, जो अलग रहते हैं। मांगीलाल ने पूछताछ में बताया कि उसने सराफा क्षेत्र में कई लोगों को ब्याज पर पैसे दिए हैं। इन्हीं रुपये का ब्याज लेने के लिए वह सराफा आता है। वह सराफा में एक दिन और एक सप्ताह के ब्याज पर रुपये देता है, जिसका ब्याज रोजाना लेने के लिए सराफा आता है। वह किसी से जबरदस्ती रुपये नहीं मांगता है, लोग ऐसे ही रुपये दे देते हैं।

मेरठ तिराहे से दुहाई तक 9 किमी लंबी सड़क चौड़ी

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-मेरठ रोड पर मेरठ तिराहे से दुहाई स्थित ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तक मरम्मत और चौड़ीकरण का कार्य पूरा कर लिया है। इसी के साथ सड़क का यह खंड पीडब्ल्यूडी को सौंप दिया गया है। 9 किलोमीटर से अधिक लंबे खंड पर वाहन सरपट दौड़ेंगे। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के निर्माण के दौरान यह सड़क वर्ष 2018 में पीडब्ल्यूडी से एनसीआरटीसी को सौंपी गई थी। कॉरिडोर निर्माण अवधि में वायाडक्ट के नीचे सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी एनसीआरटीसी के पास थी। यह रास्ता घनी आबादी वाले क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहां भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क की स्थिति अक्सर खराब हो जाती थी। एनसीआरटीसी ने सड़क की मरम्मत के साथ इसे नए सिरे से तैयार किया है।

गोवा में 2 रूसी महिलाओं की हत्या से सनसनी

● आरोपी ने पूछताछ में किए चौंकाने वाले दावे

गोवा , एजेंसी। गोवा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 37 वर्षीय रूसी नागरिक एलेक्सी लियोनोव पर 2 रूसी महिलाओं की हत्या का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया, जब उसकी लिव-इन पार्टनर एलेना कस्थनोवा का शव उत्तर गोवा के अरंबोल में किराए के कमरे से मिला। महिला का गला रेता गया था और उसके हाथ रस्सी से पीछे बंधे हुए थे। पड़ोसियों ने चीखें सुनकर मौके पर पहुंचकर लैंडलॉर्ड को सूचना दी, जिसके बाद लियोनोव पहले मंजिल से कूदकर भागा, लेकिन पुलिस ने उसे सुबह 4 बजे हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान उसने न केवल इस हत्या को कबूल किया, बल्कि एक अन्य रूसी महिला एलेना वानीवा की हत्या का भी खुलासा किया, जिसका शव मोरजिम गांव में बरामद हुआ।

गोवा पुलिस का मानना है कि वानीवा की हत्या 14 जनवरी की रात हुई थी और दोनों हत्याओं में एक ही पैटर्न था- गला रेतना और हाथ बांधना। पूछताछ में लियोनोव ने और भी कई हत्याओं की बात कबूल की है, जिसमें गोवा के बाहर की घटनाएं भी शामिल हैं। उसने पुलिस को एक तीसरी महिला की हत्या के बारे में बताया, जो असम की 40 वर्षीय महिला है। पुलिस के अनुसार, इस महिला को

नशीला पदार्थ देकर मारने का दावा किया गया है। हालांकि, आरोपी अपने बयानों में बार-बार बदलाव कर रहा है। पुलिस का कहना है कि वह नशीले पदार्थों के लंबे प्रभाव में हो सकता है। इसलिए सभी दावों की सत्यता की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में अब तक 2 रूसी महिलाओं के शव बरामद हुए हैं। तीसरे मामले की पुष्टि पोस्टमॉर्टम और सबूतों से होनी बाकी है। गोवा पुलिस ने अलग-अलग मामलों में हत्या के तहत केस दर्ज किए हैं। पेरनेम की न्यायिक मजिस्ट्रेट ने लियोनोव को दो रूसी महिलाओं की हत्या के मामले में 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी सबूत जुटा रही है, जिसमें हत्या का हथियार और अन्य फोरेंसिक डिटेल्स शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी के दावों की पुष्टि होने पर ही आगे की कार्रवाई होगी।

हमारी तो फक्कड़ पार्टी.. गुजरात में 3 दिन रहेंगे अरविंद केजरीवाल

अहमदाबाद एजेंसी। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल शनिवार को गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले 30 वर्षों के अपने शासन के दौरान गुजरात की स्थिति खराब कर दी है। गुजरात में हर तरफ डर और भ्रष्टाचार का माहौल है। यही कारण है कि लोग बदलाव के लिए आम आदमी पार्टी की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। क्के पास पैसा नहीं है, लोग अपने खर्च पर रैलियों में आ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 30 वर्षों से गुजरात में छ्क्का राज है। इन 30 वर्षों के दौरान भाजपा ने गुजरात को गड्ढे में धकेल दिया है। भाजपा ने गुजरात की जनता का बहुत बुरा हाल कर दिया है। गुजरात में हर तरफ डर और भ्रष्टाचार है। गुजरात में जो लोग अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें डराते-धमकाते हैं; उन्हें जेल में डाल देते हैं। वे खुलेआम भ्रष्टाचार करते हैं। कोई भी उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकता है। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पिछले 6 से 7 महीनों में पूरे गुजरात राज्य में रैलियां कर रही है। इन रैलियों में लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। हमारे पास पैसे भी नहीं हैं। हमारी तो फक्कड़ पार्टी है। लेकिन लोग अपने खर्च पर आप की रैलियों में आ रहे हैं। लोगों को कांग्रेस से कोई उम्मीद नहीं थी। लोगों का सवाल था कि भाजपा नहीं तो कौन अब लोग आम आदमी पार्टी की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। केजरीवाल ने संवाददाताओं को बताया कि वह गुजरात में तीन दिन रहेंगे। उन्होंने कहा- मैं गुजरात के 3 दिन के दौरे पर आया हूं। इस दौरान मैं आम आदमी पार्टी के वॉलंटियर्स से बात करूंगा।

बीएमसी में अब भी हो सकता है उलटफेर, उद्धव ठाकरे के दावे में कितना है दम?

मुंबई, एजेंसी। मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में बीजेपी और शिवसेना शिंदे गुट की बड़ी जीत के बाद उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है। हालांकि वह अब भी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं और कह रहे हैं कि मेयर उनका ही बनेगा। उनके इस बयान के बाद शिंदे गुट के पार्षदों को रिजॉर्ट भेज दिया गया। देश की सबसे अमीर महानगरपालिका की 89 सीटों पर अकेले बीजेपी ने ही कब्जा किया है। ऐसे में पूरी संभावना है कि मेयर बीजेपी का होगा। लेकिन उद्धव ठाकरे के दावे ने गहमा-गहमी बढ़ा दी है। पिछले 25 साल से बीएमसी में अविभाजित शिवसेना का कब्जा था। हालांकि शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद समीकरण बदल गए. इस बार के चुनाव में उद्धव सेना को कुल 65 सीटें मिली हैं। वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 29 सीटें मिली हैं। अगर दोनों की सीटें जोड़ दी जाएं तो उनकी 94 सीटें हो जाती हैं। वहीं बीजेपी की 89 ही सीटें हैं। ऐसे में अगर शिवसेना बंटी ना होती तो बीजेपी उससे पीछे रह जाती। शिवसेना (यूबीटी) नेता सुनील प्रभु ने कहा कि शिवसेना के बंटने की वजह से ही बीजेपी की जीत हो सकती है। पूर्व कांग्रेस नेता संजय झा ने कहा कि अब भी शिवसेना की ताकत का लोहा सबको मानना चाहिए। अगर शिवसेना एक होती तो बीएमसी में बीजेपी का दांव ही ना लग पाता। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दोनों शिवसेना सम्मान बचाना चाहती हैं तो साथ आएं और बीजेपी को विपक्ष में बैठा दें।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी का मेयर अब भी बन सकता है। इसके बाद शिंदे ने अपने पार्षदों को रिजॉर्ट में शिफ्ट कर दिया। बीजेपी और शिंदे सेना की कुल सीटें 118 हैं। वहीं 227 सीटों वाली महानगरपालिका में बहुमत का जादुई आंकड़ा 114 है। इस बार अजित पवार ने अकेले ही चुनाव लड़ा था। उन्होंने कुल तीन सीटें जीती हैं। अगर उनका समर्थन मिलता है तो यह संख्या 121 हो जाएगी।

दूसरी ओर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की कुल सीटें 71 हैं। इसके अलावा एक सीट एनसीपी (शरद पवार) ने जीती है। कांग्रेस अगर उनके साथ आती है तो 24 सीटें और जुड़ जाएंगी। अगर बीजेपी विरोधी बाकी दल जैसे कि ऐआईएमआईएम और समाजवादी पार्टी का भी साथ मिलता है तो यह संख्या 106 हो जाएगी। अब बहुमत में केवल 8 सीटों की कमी रह जाती है। बतादें कि दो दशकों के बाद बाल ठाकरे के बेटे उद्धव और भतीजे राज ठाकरे साथ आए थे। इसके बाद भी उनके साथ आने का फायदा नहीं मिल पाया। ऐसे में कहा जा रहा है कि यह ठाकरे परिवार की बड़ी हार है। हालांकि एकनाथ शिंदे की पार्टी से तुलना करें तो उद्धव की पार्टी काफी आगे है। उद्धव ठाकरे ने 65 सीटों पर जीत हासिल की है।

नोबेल के पीछे ऐसा पागल कभी नहीं देखा, कैलाश सत्यार्थी का डोनाल्ड ट्रंप पर तंज

जयपुर , एजेंसी। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने हाल ही में अपना शांति का नोबल पुरस्कार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गिफ्ट कर दिया। मचाडो ने अमेरिका जाकर अपना पुरस्कार डोनाल्ड ट्रंप को सौंप दिया। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप शांति के नोबेल प्राइज के पीछे काफी दिनों से पड़े थे। इसीलिए वह दुनियाभर में युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे थे। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकने का दावा की बार कर डाला। इसके बाद भी इस बार शांती का नोबेल प्राइज उन्हें नहीं मिला। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने डोनाल्ड ट्रंप की इस सनक पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने नोबेल के लिए इस तरह का पागलपन कभी नहीं देखा।

जयपुर में लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान शुक्रवार को उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन में ऐसा व्यक्ति नहीं देखा जो कि नोबेल पुरस्कार के पीछे इस कदर पागल हो। बता दें कि मचाडो से नोबेल लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप फूले नहीं समाए। इसके बाद नोबेल समिति का भी बयान सामने आया। समिति ने कहा कि इस तरह से किसी का पुरस्कार किसी अन्य को ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कैलाश सत्यार्थी को 2014 में नोबेल प्राइज मिला था। उन्होंने उस समय को याद करते हुए कहा कि वह तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से मिलने गए थे। तब उन्होंने कहा था, आप पहले भारतीय हैं जो कि भारत भूमि पर शांति का नोबेल लाए हैं। इसपर सत्यार्थी ने कहा कि यह मेडल केवल उनका नहीं बल्कि पूरे देश का है। वह इसे देश को समर्पित करना चाहते थे लेकिन इसका कोई नियम नहीं है। इसलिए उन्होंने आग्रह किया कि इस मेडल को राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि के पास रखवा दिया जाए। बता दें कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब शांति का नोबेल पुरस्कार किसी विजेता ने अपनी इच्छा से किसी और को सौंप दिया। नोबेल इंस्टिट्यूट का कहना है कि नोबेल पुरस्कार देना का फैसला अंतिम और स्थायी होता है। वहीं नोबेल समितियां पुरस्कार देने के बाद विजेताओं पर कोई टिप्पणी नहीं करती।

पिता की राह पर बेटा, प्रबल जूदेव ने कराई 104 लोगों की घर वापसी

महासमुंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ भाजपा के उपाध्यक्ष व अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप सिंह जूदेव के बेटे प्रबल प्रताप सिंह अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। वह अपने पिता की तरह सनातन धर्म छोड़कर जा चुके आदिवासियों की घर वापसी कराने का काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने गुरुवार को प्रदेश के महासमुंद जिले के सरायपाली में स्थित एक कार्यक्रम में 104 लोगों की पैर पखार कर घर वापसी कराई। जिसके बारे में उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी दी। अपनी पोस्ट में उन्होंने बताया कि वे छत्तीसगढ़ को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे।

इस बारे में की अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी देते हुए प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि माँ रूद्रेश्वरी की पावन धरा सरायपाली में धर्मान्तरित परिवार के 104 लोगों के पैर पखारकर सनातन धर्म में 'घर वापसी' कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इस पावन कार्यक्रम का आयोजन कटंगपाली में स्थित स्वामी सुमेधानंद वैदिक गुरुकुल

में किया गया। जहां पर महर्षि दयानंद मठ धर्मार्थ ट्रस्ट एवं समस्त सनातनियों के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय 'संगीतमय वैदिक श्रीराम कथा एवं विश्व कल्याण महायज्ञ' का आयोजन किया गया था।

अपनी पोस्ट में आगे प्रबल ने धर्मांतरण के खतरों को बताते हुए कहा, 'धर्मांतरण के षड्यंत्र से पूरे भारत की जनसांख्यिकी बदल रही है। भारत के 800 जिलों में से 200 जिलों में हिन्दू अल्पमत में आ गए हैं। यह राष्ट्र सुरक्षा का गंभीर विषय हैं। देश से बड़ा कुछ नहीं होता, देश सुरक्षित होना चाहिए धर्मांतरण देश के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हिन्दुओं का जनसांख्यिकी परिवर्तन देश के लिए संकट है।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि 'छत्तीसगढ़ को बंगाल कतई बन्ने नहीं देंगे।'

पोस्ट में अपने पिता को याद करते हुए प्रबल प्रताप जूदेव ने लिखा, 'हम संकल्पित हैं पिताजी कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी के राष्ट्र निर्माण 'घर वापसी' अभियान को जीवन पर्यंत आगे हम बढ़ाएंगे।' साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले समस्त संत, महात्मा, प्रभुद्धजन, समाज के वरिष्ठ, मातृ शक्ति, युवा कार्यकर्ता साथियों को साधुवाद देते हुए उनका अभिनन्दन भी किया।

बता दें कि जशपुर के पूर्व राजपरिवार से संबंध रखने वाले छत्तीसगढ़ के राजनेता दिलीप सिंह जूदेव, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी अभिनीत राजग सरकार में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री थे। वे आदिवासी इलाकों में घर वापसी कार्यक्रम चलाते थे, और इसकी वजह से देशभर के हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों के बीच काफी ज्यादा प्रसिद्ध थे।

मतांतरण गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, सरगना छांगुर का मुख्य सहयोगी नागपुर से गिरफ्तार

नागपुर। मुंबई महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश एटीएस के संयुक्त अभियान में मतांतरण गिरोह के सरगना छांगुर के एक प्रमुख सहयोगी को शनिवार सुबह नागपुर में गिरफ्तार किया गया। छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन और उसके सहयोगियों से उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम के तहत दर्ज एफआइआर के संबंध में पूछताछ की जा रही है, जबकि ईडी उसकी गतिविधियों से जुड़े मनी लांड्रिंग के पहलू की जांच कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि छांगुर के नेटवर्क के धन प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इधु इस्लाम को पचपाओली पुलिस थाना क्षेत्र के आशी नगर से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी के अनुसार, इस्लाम उत्तर प्रदेश में दर्ज गंभीर मामलों में वांछित है। उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट था। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बचने के लिए आशी नगर की एक संकरी गली में अत्यंत सावधानीपूर्वक कार्रवाई की गई। हमारी टीम ने बिना किसी प्रतिरोध के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से गिरफ्तारी से बचता आ रहा था। उसकी गिरफ्तारी खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुई। अधिकारी ने बताया कि कई साल पहले नागपुर में छांगुर के मजबूत संपर्क थे।

आरसीबी फैंस के लिए खुशखबरी, चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और विराट कोहली के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। कर्नाटक सरकार ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल

2026 और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही बेंगलुरु के इस ऐतिहासिक स्टेडियम में एक बार फिर क्रिकेट की वापसी तय हो गई है। यह फैसला शनिवार, 17 जनवरी 2026 को लिया गया, जिससे पिछले कई महीनों से चले आ रहे अनिश्चितता के दौर का अंत हो गया।

गौरतलब है कि 4 जून 2025 को आरसीबी की ट्रॉफी सेलिब्रेशन के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई दर्दनाक भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। इस घटना के बाद स्टेडियम में सभी क्रिकेट गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी।

घटना के बाद बीसीसीआई ने चिन्नास्वामी स्टेडियम से दलीप ट्रॉफी, भारत-दक्षिण अफ्रीका ए सीरीज़, विजय हज़ारे ट्रॉफी, 2025 आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप (फाइनल सहित) जैसे बड़े टूर्नामेंट दूसरे वेन्यू पर शिफ्ट कर दिए थे।

स्टेडियम में दोबारा मैच कराने की अनुमति जस्टिस माइकल डी'कुन्हा जांच समिति की सिफारिशों के अनुपालन के बाद दी गई है। सरकार ने साफ किया है कि आयोजन सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी शर्तों के तहत ही होंगे।

कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के प्रवक्ता विनय मूर्त्युंजय ने कहा, 'कर्नाटक सरकार के गृह विभाग ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में IPL और अंतरराष्ट्रीय मैचों की अनुमति दे दी है। यह अनुमति तय शर्तों के अधीन है और केएससीए सभी नियमों का पूरी तरह पालन करेगा।' उन्होंने यह भी बताया कि 'एसोसिएशन ने एक्सपर्ट रिव्यू कमेटी के सामने पूरा अनुपालन रोडमैप पेश किया है और सुरक्षा, सिक्योरिटी व क्राउड मैनेजमेंट को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी के लिए यह फैसला बेहद अहम है। अनुमति से पहले रॉयपुर, पुणे जैसे न्यूट्रल वेन्यू पर होम मैच कराने पर विचार चल रहा था। हालांकि, सरकार की मंजूरी के बाद अब आरसीबी के आईपीएल 2026 के होम मैच चिन्नास्वामी में होने की उम्मीद बढ़ गई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

ज्वेरेव की ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत, महिलाओं में पाओलिनी और स्वितोलिना आगे बढ़ीं

मेलबर्न, एजेंसी। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए गैब्रियल डियालो को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार 10वें वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए।

4 खिलाड़ी जो बेंच पर काटेंगे पूरा टी20 वर्ल्डकप!

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। 15 खिलाड़ियों की टीम में एक से एक भयंकर खिलाड़ी को शामिल किया गया है। हालांकि मैच में 11 ही खिलाड़ी खेल सकते हैं और इसके चलते कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें बेंच पर बैठना पड़ता है। ऐसे ही 4 खिलाड़ियों की बात हम आगे करने वाले हैं, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप की टीम में जगह तो मिली है, लेकिन उन्हें पूरे टूर्नामेंट बाहर बैठना पड़ सकता है।

ईशान किशन– इस बात में कोई दो राय नहीं है कि ईशान एक बेहतरीन आक्रामक बल्लेबाज हैं, लेकिन इस स्क्वाड में संजू सैमसन बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज पहली पसंद नजर आते हैं। संजू ने हालिया समय में मिडिल ऑर्डर और ओपनिंग दोनों जगह खुद को साबित किया है। इसके अलावा, टॉप ऑर्डर में अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण ईशान के लिए जगह बनाना मुश्किल होगा।

हर्षित राणा– हर्षित राणा एक उभरते हुए तेज गेंदबाज हैं, लेकिन जब टीम में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी और मुख्य गेंदबाज मौजूद हों तो तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे का विकल्प इस्तेमाल किया जा सकता है। हर्षित को केवल तभी मौका मिल सकता है जब कोई मुख्य गेंदबाज चोटिल हो जाए।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव की दमदार वापसी

धीमी शुरुआत के बाद दूसरे राउंड में एंट्री

एरिना (एजेंसी)। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेले गए मुकाबले में ज़्वेरेव ने कनाडा के गैब्रियल डियालो को चार सेटों में 6-7 (1), 6-1, 6-4, 6-2 से हराया। यह मुकाबला गर्म मौसम में दो घंटे 43 मिनट तक चला। मैच की शुरुआत ज़्वेरेव के लिए आसान नहीं रही। पहले सेट के टाईब्रेक में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वह सेट गंवा बैठे, जिससे थोड़ी घबराहट भी नजर आई। हालांकि इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने शानदार वापसी की और अपने ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया। पिछले साल मेलबर्न पार्क में फाइनल तक पहुंचने वाले ज़्वेरेव ने मैच के बाद कहा कि पहला सेट उनका सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, कोर्ट पर उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि वह अपने खेल के स्तर से संतुष्ट हैं और लय में लौटकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट ज़्वेरेव अब अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपीरिन या फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे। खिताब की तलाश में जुटे ज़्वेरेव के लिए यह जीत टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

अर्शदीप सिंह की दमदार वापसी

तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर ध्वस्त

इंदौर (एजेंसी)। भारत बनाम न्यूजीलैंड तीसरे और निर्णायक वनडे में अर्शदीप सिंह ने दमदार वापसी करते हुए कीवी टीम के टॉप ऑर्डर की कमर तोड़ दी। सीरीज 1-1 से बराबर होने के बाद टीम मैनेजमेंट ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अर्शदीप पर भरोसा जताया और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने नई गेंद से घातक स्विंग निकालते हुए इस फैसले को पूरी तरह सही साबित कर दिया।

शुरुआती ओवरों में स्विंग और कंट्रोल

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पहले ओवर से ही लय में नजर आए। दोनों तरफ स्विंग कराने की उनकी क्षमता ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को बैकफुट पर डाल दिया। जहां होलकर स्टेडियम आमतौर पर गेंदबाजों के लिए मुश्किल माना जाता है, वहीं अर्शदीप ने यहां भी अतिरिक्त मूवमेंट निकालकर सभी को प्रभावित किया।

अब विराट भी पीछे...

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सिर्फ 20 मैचों में किया बड़ा कारनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर कमाल कर दिया. ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में एक अहम पारी खेली. इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने एक छोर को संभालते हुए अर्धशतक जड़ा और एक खास लिस्ट में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया.

यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शान्तो के नाम है. नजमुल हुसैन शान्तो ने कुल 58 यूथ वनडे मैच खेले थे और 1820 रन बनाए थे. ऐसे में वैभव सूर्यवंशी को ये वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अभी भी 773 रनों की जरूरत है. हालांकि, वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल ही है.

विराट कोहली से आगे निकले वैभव सूर्यवंशी

भारतीय टीम ने इस मैच में अपने शुरुआती 3 विकेट सिर्फ 53 रन पर गंवा दिए. इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने टीम की पारी को संभालते हुए 67 गेंदों पर 72 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. वैभव ने सिर्फ 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो 19 वर्ल्ड कप में सबसे कम उम्र में 50+ स्कोर बनाने का नया रिकॉर्ड भी बना. वहीं, इस मैच में 4 रन बनाते ही वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया.

एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विजेंद्र ने जताई खुशी

विजेंदर ने कहा, एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर मैं

भारत की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश को 18 रन से चटाई धूल

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी। भारतीय युवा ब्रिगेड ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को बांग्लादेश को रोमांचक मुकाबले में 18 रन से हरा दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारत ने न केवल खेल कौशल, बल्कि शानदार फील्डिंग और अनुशासित गेंदबाजी का भी परिचय दिया। वैभव और अभिज्ञान के बल्ले से निकले रन : टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 48.4 ओवर में 238 रन बनाए।अभिज्ञान कुंडू : टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे, जिन्होंने 80 रनों की कप्तानी पारी खेली।वैभव सूर्यवंशी : 72 रनों की पारी खेलकर वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं।

बारिश ने बदला समीकरण, विहान ने बरपाया कहर

भारतीय पारी के बाद बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा, जिसके चलते बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।विहान मल्होत्रा भारत के मुख्य मैच विनर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए।बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 146 रन पर ही सिमट गई।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण वैभव सूर्यवंशी का वह कैच रहा, जिसने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव द्वारा पकड़े गए कैच की याद दिला दी। बाउंड्री लाइन पर लिए गए इस हैरतअंगेज कैच ने बांग्लादेशी बल्लेबाज रतुल को पवेलियन भेजकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

डब्ल्यूपीएल में बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

दिल्ली को 8 विकेट से हराया, कप्तान मंधाना ने 96 रन बनाए, बेल-साटघरे को 3-3 विकेट

मुंबई(एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार चौथा मैच जीत लिया। टीम ने शनिवार के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। इसी के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल के टॉप पोजिशन पर अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली। नवी मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने शेफाली वर्मा की फिफ्टी के दम पर 166 रन बना दिए। लौरेन बेल और सयाली साटघरे को 3-3 विकेट मिले। बेंगलुरु ने कप्तान स्मृति मंधाना के 96 रन की मदद से 18.2 ओवर में 2 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

दिल्ली ने 10 रन पर 4 विकेट गंवाए – टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 10 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर लिजेल ली और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज 4-4 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं लौरा वोलवार्ट और मारिजान कैप खाता भी नहीं खोल सकीं।

शेफाली ने 100 के पार पहुंचाया – पावरप्ले में 4 विकेट गिरने के बावजूद ओपनर शेफाली वर्मा ने दिल्ली का स्कोरिंग रेट कम नहीं होने दिया। उन्होंने पहले निकी प्रसाद के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की, फिर आखिर की बैटर्स के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया।

उनके सामने निकी 12, मिन्नू मणि 5 और स्नेह राणा 22 रन बनाकर आउट हो गईं। शेफाली भी 41 गेंद पर 4 छक्के और 5 चौके लगाकर 62 रन बनाने के बाद आउट हुईं। आखिर में लुसी हैमिलटन ने 19 गेंद पर 3 चौके और 3 छक्के लगाकर 36 रन बनाए। टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

श्रेयांका ने 44 रन दिए – बेंगलुरु के लिए लौरेन बेल ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं सयाली साटघरे को 27 रन देने के बाद 3 विकेट मिले। प्रेमा रावत ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए। नदीन डी क्लर्क ने 1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुई। श्रेयांका पाटील ने 3 ओवर में 44 रन दे दिए, लेकिन कोई विकेट नहीं ले पाई। राधा यादव को भी कोई विकेट नहीं मिला।

हैरिस 1 रन बनाकर आउट – 167 रन के टारगेट के सामने बेंगलुरु ने तीसरे ही ओवर में ओपनर ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया। वे 4 गेंद पर 1 रन बनाने के बाद शेफाली वर्मा के हाथों कैच हुईं, उन्हें मारिजान कैप ने पवेलियन भेजा। कप्तान स्मृति मंधाना ने फिर जॉर्जिया वोल के साथ आरसीबी को संभाल लिया। पावरप्ले में टीम 37 रन ही बना सकी, लेकिन दूसरा विकेट नहीं गिरा। वोल और मंधाना ने 7वें ओवर में 12 और 8वें ओवर में 13 रन बना दिए।

विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत

मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले के मेहरमा थाना क्षेत्र के डोय हरिपुर गांव में रविवार को एक 19 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतका के ससुर मकसूद ने बताया कि रविवार को परिवार के सभी सदस्य धान की तैयारी के लिए खेत गए हुए थे। दोपहर में उनका पुत्र घर लौटा तो उसने दरवाजा अंदर से बंद पाया। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने और धक्का देने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला, तो पीछे से तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। अंदर जाने पर पुत्र ने अपनी पत्नी को फांसी के फंदे से झूलता हुआ पाया।

घटना की सूचना मिलते ही मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली। मृतका की मां नूरजहां ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतका की पहचान हाजरा खातून (19) के रूप में हुई है, जो मो. मोजाहिद की पत्नी थी। हाजरा खातून की शादी करीब आठ माह पूर्व हुई थी।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया है। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। पूरे मामले पर मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पायेगा मृतिका के परिजनों की ओर से आवेदन दिया जा रहा है। जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने की संगठनात्मक बैठक

25 जनवरी के महाआयोजन की तैयारियों में जुटा संगठ

निज संवाददाता | दुमका

भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक रविवार को दुमका परिसदन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करना तथा आगामी कार्यक्रमों की प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करना रहा। बैठक में विशेष रूप से 25 जनवरी को झारखंड भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के दुमका आगमन पर सिदो-कान्हू इंडोर स्टेडियम में आयोजित स्वागत एवं मिलन समारोह की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, कार्यकर्ताओं की सहभागिता, आवागमन, सुरक्षा और मंच संचालन जैसे सभी पहलुओं पर गंभीर मंथन हुआ।

जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का दुमका आगमन संगठन के लिए गौरव का विषय है और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी मंडलों में प्रभारी और सह-प्रभारी की नियुक्ति की गई।

बैठक में संगठनात्मक समन्वय बढ़ाने, बूथ स्तर पर सक्रियता तेज करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को मजबूती देने पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर जिला, मंडल और मोर्चा स्तर के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज बाइट्स

21 जनवरी को विशाल रोजगार मेला, 19 कंपनियां देंगी 2730 नौकरियों का मौका

दुमका (नि. सं.)। जिला प्रशासन एवं श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, दुमका द्वारा एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला दिनांक 21 जनवरी 2026, दिन बुधवार को कार्यालय के समीप सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर, पाकुड़ रोड, दुमका में आयोजित होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के अंतर्गत राज्य एवं राज्य के बाहर के कुल 19 नियोजक भाग लेंगे, जिन्होंने 2730 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सहमति प्रदान की है। इन पदों के लिए आवेदकों की शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता मैट्रिक से लेकर स्नातकोत्तर तक निर्धारित की गई है। साथ ही बीएड, डिप्लोमा, बीटेक सहित अन्य योग्यताधारी अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह मेला एक बेहतर अवसर साबित होगा, जहां एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के समक्ष चयन की प्रक्रिया में भाग लिया जा सकेगा।

धनवंतरि अस्पताल में जरूरतमंदों के बीच भोजन व कंबल वितरण

महागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। धनवंतरि अस्पताल परिसर में मानवता और सेवा भाव का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला, जहां डा0 तरुण कुमार मिश्रा, मीनू मिश्रा, अनिमेष झा, संगीता झा, दिनकर तिवारी एवं सीमा ओझा के संयुक्त प्रयास से 100 जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन एवं कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में मरीजों के परिजन, असहाय एवं गरीब वर्ग के लोग शामिल हुए। वितरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आयोजकों के इस मानवीय पहल की सराहना की। डा0 तरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना हम सभी का नैतिक दायित्व है और आगे भी इस तरह के सेवा कार्य लगातार किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों ने जरूरतमंदों के बेहतर स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की।

हिन्द क्लब की बैठक में गणतंत्र दिवस की तैयारी

दुमका (नि. सं.)। हिन्द क्लब की बैठक उपाध्यक्ष रामाकांत साह की अध्यक्षता में रविवार को हुई। बैठक में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को भव्य रूप में मनाने पर चर्चा की गई। श्री साह ने कहा कि सभी कार्यक्रम पूर्व की तरह ही आयोजित होगी। झंडोतोलन 10:50 बजे होगी। झंडोत्तोलन सचिव सह पूर्व पार्षद महेश राम चंद्रवंशी करेंगे। झंडातोलन के बाद स्कूली बच्चों के द्वारा देश भक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। इसके बाद सबों के बीच मिठाई बांटी जाएगी। सचिव महेश राम चंद्रवंशी ने कहा कि क्लब साल 2007 से लगातार सामाजिक काम करते आ रही है। क्लब ने समाज के सभी गतिविधियों में बढ़ - चढ़ कर भाग लिया है और आगे सभी कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

एसडीओ ने सुंदर पहाड़ी प्रखंड के तेलोधानी गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों से किया संवाद

- सुंदर पहाड़ी प्रखंड के पहाड़िया गांव तेलोधानी का एसडीओ ने किया भ्रमण

निज संवाददाता | गोड्डा

अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव ने सुंदर पहाड़ी प्रखंड के ग्राम पंचायत करमाटांड स्थित आदिम जनजाति पहाड़िया गांव तेलोधानी में क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी ने गांव में निवासरत आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के लोगों की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। संवाद के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, स्वास्थ्य, आवास, राशन, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षा एवं आजीविका से संबंधित विभिन्न समस्याओं को अनुमंडल पदाधिकारी के समक्ष रखा। अनुमंडल पदाधिकारी ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदिम जनजाति समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

भ्रमण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा गांव के कुल 06 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया, जिससे ठंड के मौसम में उन्हें राहत मिल सके। कंबल पाकर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। अनुमंडल पदाधिकारी ने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित कार्यालय या प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि प्रशासन उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखेगा और गांव के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जुडिशल मजिस्ट्रेट की पत्नी पर हुई फायरिंग मामले में महिला के दो देवर हिरासत में

निज संवादाता | पथरगामा(गोड्डा)

प्रखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीग्राम के समीप जुडिशल मजिस्ट्रेट की पत्नी वंदना कुमारी पर बीती शाम हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पथरगामा थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह के नेतृत्व में देर रात तक सघन छापेमारी अभियान चलाई गई। इस दौरान पुलिस ने मामले में घायल वंदना कुमारी के दो आरोपित देवर को हिरासत में लिया है और पूरे मामले में पूछताछ की जा रही है।

बता दें, वंदना कुमारी सासाराम शाहपुर कोर्ट में कार्यरत जुडिशल मजिस्ट्रेट संतोष कुमार साह की पत्नी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस इस मामले की सच्चाई को उजागर करने में जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है और हर साक्ष्य की बारीकी से पड़ताल कर रही है। वहीं कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), तकनीकी इनपुट और अन्य अहम सुरागों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश भी तेज कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि जांच किसी एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि हर संभावित पहलू को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

वहीं पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामला फिलहाल संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है लेकिन जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। शुरुआती जांच में कई अहम सुराग हाथ लगे है, जल्द ही पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील की है और कहा है कि अगर उन्हें इस गोलीकांड से जुड़ी कोई जानकारी है तो वे बिना डरे पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी। बताते चलें कि बीती देर शाम बेखौफ अपराधियों ने पथरगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीग्राम के समीप नेशनल हाईवे पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन अपराधियों ने वंदना कुमारी पर उस वक्त गोलियां चलाई जब वह गोड्डा कोर्ट से तारीख कराकर अपने घर महागामा थाना क्षेत्र के परसा गांव वापस लौट रही थीं।

वहीं घटना के तुरंत बाद वंदना को आनन-फानन में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरगामा लाया गया था जहां से बेहतर इलाज के लिए गोड्डा सदर अस्पताल ले जाया गया। वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार देर शाम वंदना को बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया है। वहीं घटना के संबंध में वंदना के भाई ने बताया कि अपराधियों ने अचानक तीन राउंड गोलियां चलाई और वहां से वे भाग निकले। अंधेरा होने की वजह से अपराधियों की पहचान नहीं हो पाई।

झामुमो का 47वां स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाने की तैयारी

निज संवाददाता | दुमका

दुमका में आगामी 02 फरवरी को आयोजित होने वाले 47वें झारखंड मुक्ति मोर्चा स्थापना दिवस को भव्य और ऐतिहासिक बनाने को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी कड़ी में रविवार को दुमका क्लब में दुमका विधायक बसंत सोरेन की अध्यक्षता में प्रमंडलीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महेशपुर प्रखंड से झामुमो अध्यक्ष अब्दुल अदूद सहित बड़ी संख्या में कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में स्थापना दिवस समारोह की रूपरेखा, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं, अनुशासन, सुरक्षा, जनभागीदारी बढ़ाने और संगठनात्मक मजबूती जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और झारखंड आंदोलन के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

इस संबंध में जानकारी देते हुए महेशपुर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल अदूद ने बताया कि बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर स्थापना दिवस को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि महेशपुर प्रखंड झामुमो कमिटी बूथ, पंचायत और गांव स्तर पर तैयारियों में जुट चुकी है और प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब्दुल अदूद ने यह भी बताया कि महेशपुर प्रखंड से बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता 47वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह स्थापना दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि झारखंड आंदोलन, पार्टी के संघर्ष और जनहित के संकल्प को दोहराने का अवसर है। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत करने तथा पार्टी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा जताया।

शिक्षक नेता बुलबुल कुमार के निधन से शिक्षा जगत शोक में, शोकसभा में उमड़ा शिक्षक समाज

निज संवाददाता | दुमका

शनिवार की रात शिक्षक समाज ने अपना एक मजबूत स्तंभ खो दिया। झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष, +2 जामा उच्च विद्यालय के अंग्रेजी के सहायक शिक्षक एवं लोकप्रिय शिक्षक नेता बुलबुल कुमार का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से संपूर्ण शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। गौरतलब है कि निधन के दिन ही दोपहर जिला शिक्षा परियोजना कार्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में बुलबुल कुमार ने कहा था कि व्यक्ति की पहचान उसकी कुर्सी से नहीं, बल्कि उसके कर्म और कर्तव्य से होती है। उनके इन्हीं विचारों को स्मरण करते हुए संयुक्त शिक्षक समन्वय समिति द्वारा +2 रामकृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा का संचालन शिक्षक पवन कुमार मिश्र ने किया। उन्होंने बुलबुल कुमार के साथ बिताए गए पलों और उनके दायित्वों को याद करते हुए भावुक शब्दों में श्रद्धांजलि दी। झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष दिवाकर महतो ने कहा कि बुलबुल कुमार के रूप में उन्होंने अपना बेटा खो दिया है और दुमका के शिक्षा जगत में हुई इस क्षति की भरपाई संभव नहीं है।

सेवानिवृत्त प्राध्यापक अशोक साह ने शिक्षक समाज से उनके परिवार को हरसंभव सहयोग देने की अपील की। शोकसभा के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि बुलबुल कुमार हाल के दिनों में एक जालसाज ठग द्वारा की गई आर्थिक ठगी के कारण गंभीर मानसिक दबाव में थे। जानकारी के अनुसार ठग ने उनके पुत्र को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में चयन कराने का झांसा देकर उनसे भारी रकम ऐंठ ली। इस क्रम में उनके पिता के निधन के समय भी उनसे धन की मांग की गई। शनिवार की शाम थाना से लौटने के कुछ देर बाद उन्हें सीने में दर्द हुआ और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनका निधन हो गया।

बुलबुल कुमार के निधन से मर्माहत संयुक्त शिक्षक समन्वय समिति दुमका ने निर्णय लिया कि जिले का संपूर्ण शिक्षक समाज तीन दिनों तक छुत्तक मनाएगा। इस अवधि में सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे तथा शिक्षक समाज द्वारा पारंपरिक शोक नियमों का पालन किया जाएगा। साथ ही पुलिस प्रशासन और राज्य सरकार से ठगी के मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। शोकसभा में जिले के कई प्राचार्य, शिक्षक, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने दिवंगत बुलबुल कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अंत में दो मिनट का मौन रखकर उपस्थित लोगों ने उनकी आत्मा की शांति की कामना की और शोकसभा का समापन किया।

सरस्वती पूजा और शब-ए-बरात को लेकर शांति समिति की बैठक

सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व संपन्न कराने पर बनी सहमति

निज संवाददाता | महागामा (दुमका)

सरस्वती पूजा एवं शब-ए-बरात पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर महागामा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अवर निरीक्षक रोमा कुमारी एवं जुगनू मेहता ने संयुक्त रूप से की। बैठक में महागामा थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान दोनों पर्वों के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और सामाजिक सौहार्द कायम रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का पूरा सहयोग करें। पुलिस प्रशासन की ओर से डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध का सख्ती से पालन करने की अपील की गई। साथ ही कहा गया कि पर्व के दौरान यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

वहीं बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि सभी समुदाय मिलकर आपसी समन्वय और भाईचारे के साथ पर्व मनाएंगे तथा किसी भी तरह की शांति भंग करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम रवाना

निज संवाददाता | गोड्डा

महाराष्ट्र के नागपुर में 19 से 22 जनवरी तक आयोजित "36वीं सीनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप" के लिए झारखंड की पुरुष एवं महिला टीम रविवार सुबह चक्रधरपुर से ट्रेन से गंतव्य के लिए रवाना हुई।

उक्त आशय कि जानकारी देते हुए झारखंड टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष सह गोड्डा जिला सचिव सुरजीत झा ने बताया कि जेटीबीसीए के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा द्वारा घोषित टीम के पुरुष वर्ग में मंजर आलम अंसारी (कप्तान), ऋषि राज, आदर्श राज, अशफाक, जैनुल हक, लक्ष्मण कुमार यादव, नितेश पासवान, ओम मंडल, तनिष तांती, परमेश्वर प्रधान, आदित्य यादव, वैभव प्रधान, फैजान सोहैल अंसारी, मो. इमाईमुल हक एवं मेहर आलम के अलावा कोच ओबैस अंसारी जबकि महिला टीम में भूमि कुमारी (कप्तान), लक्ष्मी हेंब्रम, अंकिता महतो, पूजा कुमारी, प्रेरणा कुमारी, रोशनी सोरेन, हीरामणि सोय, सुष्मिता पुरकित, अंजली प्रमाणिक, साहवी सहदेव, स्वेच्छा सिंह, मलख आलम, मुस्कान, जेबा परवीन एवं कोच कम मैनेजर नेहा नाज के नाम शामिल हैं।

ब्रह्मा कुमारी संस्थान में प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 57वाँ स्मृति दिवस भव्यता से सम्पन्न

निज संवाददाता | दुमका

ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दुमका शाखा द्वारा प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 57वाँ स्मृति दिवस रविवार को ओम शांति भवन, नगरपालिका चौक, दुमका के सभागार में अत्यंत श्रद्धा, गरिमा एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में शांति, साधना और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फूलों झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका के प्राचार्य डॉ. गजेन्द्र कुमार सिंह एवं सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मनोज कुमार उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में राधेश्याम वर्मा, प्रेम केशरी, संदीप कुमार "जय बमबम", बाबा बैडमिंटन टीम के डॉ. पीयूष रंजन, रामानंद मिश्र, अहिल्या मिश्र, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अमिता रक्षित, राजकुमार उपाध्याय एवं सुमिता सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दैनिक मुरली क्लास से हुआ, जिसके बाद प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संस्था की संयोजिका बी.के. राजयोगिनी जयमाला दीदी ने अतिथियों का अंगवस्त्र व तिलक से स्वागत किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में ब्रह्मा कुमारी संस्था द्वारा विश्व शांति, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक जागरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बी.के. जयमाला दीदी ने ब्रह्मा बाबा के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए संस्था के वैश्विक विस्तार की जानकारी दी।

सामाजिक समरसता को लेकर आरएसएस की सद्भाव बैठक आयोजित

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

रामगढ़ के शिव मंदिर प्रांगण मे रविवार को आरएसएस संघ के कार्यवाहक कैलाश कुमार के नेतृत्व मे जाति विरादरी के प्रमुखों का सदभाव बैठक आयोजित किया गया।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता को मजबूत करना, आपसी भेद-भाव मिटाना और समसामयिक समस्याओं पर संवाद करना रहा।बैठक दो सत्र मे आयोजित की गई।बैठक में सामाजिक कार्यों एवं चुनौतियों पर चर्चा हुई। इनमें प्रमुख रूप से धर्मांतरण, घुसपैठ, नशाखोरी, अशिक्षा, अंधविश्वास, परस्पर सहयोग की कमी, बाल-विवाह, लव-जिहाद जैसी गंभीर समस्याओं का उल्लेख किया गया।इस बैठक में विभिन्न संगठनों, जाति-बिरादरी एवं समुदायों के कई प्रतिनिधि, समाजसेवी व लोगों ने सहभागिता की।प्रथम सत्र के समापन के पश्चात सभी ने एकसाथ मिलकर भोजन ग्रहण के मन्त्र का उच्चारण कर भोजन ग्रहण किया।

इसके उपरांत द्वितीय सत्र मे ग्राम विकास प्राण संयोजक महेंद्र प्रसाद ने कहा कि भेदभाव को मन से निकालकर सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है।गरीबी, अशिक्षा और अंधविश्वास को धर्मांतरण की बड़ी वजह बताया और समाज से ही इसके समाधान की बात कही।बच्चों को सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया गया।साथ ही पुरुष-महिला समानता को आज की आवश्यकता बताया गया।धर्मांतरण की समस्या को कम करने के उपायों पर बोलते हुए संघ के जिला सदभाव प्रमुख मणिकांत ने समाज में परस्पर सहयोग, छुआछूत एवं जातिगत भेदभाव से दूरी, ऊंच-नीच की भावना त्यागने तथा हिंदू समाज की जनसंख्या सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने घर वापसी के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि धर्मजागरण समाज का कार्य है। सोशल मीडिया सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के कंटेंट से भरा हुआ है। बच्चों को इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मंदिर जाने के लिए प्रेरित करना चाहिए, क्योंकि मंदिर जाने से अहंकार दूर होता है।

जिला समरसता प्रमुख संजीव ने कहा हमारा जन्म किस परिवार या जाति में होगा, यह हमारे हाथ में नहीं होता, फिर हम जातिवाद क्यों करते हैं? किसी भी जाति को नीचा या ऊँचा नहीं समझना चाहिए।" उन्होंने कहा कि पुरुष-महिला समानता आज की आवश्यकता है। जब पुरुष और महिलाएँ साथ-साथ कार्य कर रहे हैं, तो उनके बीच असमानता का कोई औचित्य नहीं है।उन्होंने हिन्दू समाज के विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने समुदाय के विकास के साथ-साथ आपसी सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने एक-दूसरे के कार्यक्रमों में सहभागिता, परस्पर आदर-सम्मान, कमजोर समुदायों की सहायता तथा "हम सभी हिन्दू हैं," इस भाव को सदैव स्मरण रखने का आह्वान किया।

आपसी सदभाव बैठक मे आरएसएस संघ के पदाधिकारी, सदस्य, प्रतिनिधि व अन्य शामिल हुए।